शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्धरामैया ने प्रहलाद जोशी को आतंकवादी बताया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-284

### बेहतरीन कूटनीति और पुख्ता रणनीति का भारत ने किया इस्तेमाल
### बांग्लादेश और पाकिस्तान को किया अलग-थलग

# पुख्ता सैन्य श्रृंखला से हो रही हिंद महासागर क्षेत्र की किलेबंदी

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** अंतरराष्ट्रीय साजिशों के तहत बांग्लादेश को हिंसा की आग में झोंकने और तख्तापलट किए जाने से बदली स्थितियों में भारत ने हिंद महासागरीय क्षेत्र में अपनी मजबूती के लिए म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव के साथ सैन्य संबंध पुख्ता करने शुरू कर दिए हैं। भारत ने अपने अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप के कई द्वीपों पर अपने नौसैनिक एवं सैनिक अड्डे स्थापित किए हैं, जहां विमानवाही पोतों के अलावा ब्रह्मोस मिसाइलों का जखीरा तक तैनात है।

भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम म्यांमार की सेना को जरूरी सैन्य सामान और वहां की वायुसेना और नौसेना के लिए बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी उपकरण मुहैया करा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के आला अधिकारी ने कहा कि म्यांमार में भारतीय सेना की मौजदूगी हिंद महासागरीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण से जरूरी है। भारत के तकरीबन 10 सार्वजनिक उपक्रम म्यांमार की सेना को सैन्य उपकरण, प्रौद्योगिकी और ईंधन की आपूर्ति कर रहे हैं, इनमें अधिकतर उपक्रम रक्षा मंत्रालय के अधीन हैं। भारतीय वायु सेना ने भी जनवरी 2024 में म्यांमार की वायुसेना के लिए 52 महत्वपूर्ण उपकरणों की आपूर्ति की। जिनमें कई स्वचालित मौसम स्टेशनों (एडब्लूएस) के उपकरण भी शामिल हैं। एडब्लूएस के माध्यम से प्राप्त डेटा हवाई हमलों के समय, प्रयुक्त विमान और हथियारों के चयन के लिए निर्णायक साबित होता है। इन उपकरणों को लगाने और उसके इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय वायुसेना के कई अधिकारियों और कर्मचारियों की म्यांमार में तैनाती भी की गई।

**म्यांमार, मालदीव, श्रीलंका के साथ बन रहा ठोस सुरक्षा रिश्ता**

**भूटान और नेपाल से और मजबूत किया जा रहा पुराना संबंध**

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में एक गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) भी है, जिसने म्यांमार नौसेना के लिए 81 मीटर के अपतटीय गश्ती जहाजों के संयंत्र की स्थापना के लिए म्यांमार सेना के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर भी किए हैं। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भी म्यांमार वायुसेना को मिग लड़ाकू विमान के पुर्जे निर्यात किए हैं। म्यांमार वायुसेना मिग-29 लड़ाकू विमानों का उपयोग करती है। जनवरी 2024 में, भारत के रक्षा मंत्रालय के तहत एक अन्य सार्वजनिक उपक्रम, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने म्यांमार सेना के खरीद निदेशालय को कई सैन्य-उपयोग की वस्तुएं भेजीं, जिनमें एक पैन और टिल्ट कैमरा और समुद्री रडार रिसीवर के लिए कम शोर वाला फ्रंट एंड शामिल था। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की संयुक्त स्टॉक कंपनी सैन्य औद्योगिक कंसोर्टियम एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (ब्रह्मोस एयरोस्पेस) ने मिसाइलों के निर्यात के लिए भी म्यांमार के साथ की है। सैन्य उपकरणों के निर्यात के अलावा, भारत सरकार म्यांमार सैना के सदस्यों को भारतीय रक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने और सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से मंच प्रदान कर रही है।

इन सैन्य सहयोगों के साथ-साथ भारतीय सेना और म्यांमार सेना द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास भी करती रही है। वर्ष 2017 में मेघालय के उमरोई में और 2019 में हुए चंडीमंदिर में हुए साझा सैन्य अभ्यास के बाद इसे फिर से दोहराने की तैयारियां हो रही हैं। पूर्व के साझा सैन्य अभ्यास में म्यांमार सेना की 15 टुकड़ियों और भारतीय सेना की 16 टुकड़ियों ने करीब एक हफ्ते के अभ्यास में हिस्सा लिया था। भारत और म्यांमार की बंगाल की खाड़ी में एक विस्तृत समुद्री सीमा है। म्यांमार में भारतीय लोगों का एक बड़ा समूह रहता है (जिसकी अनुमानित जनसंख्या 2.5 मिलियन है)। भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

▶10 पर

### दशहरे के दिन मुंबई में अपराधियों ने की सनसनीखेज वारदात

# एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या

**मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस बीच, इस हत्याकांड को लेकर नया दावा सामने आया है। रिपोर्ट्स में दावा किया है कि हमलावरों ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए पटाखों का फायदा उठाया। दरअसल, दशहरे के मौके पर जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर पटाखे फोड़ रहे थे तभी उनकी हत्या की गई।

दशहरे के मौके पर बाबा सिद्दीकी जब पटाखे फोड़ रहे थे उसी समय तीनों हमलावरों ने बिना किसी चेतावनी के एक के बाद एक एनसीपी नेता पर 9.9 मिमी पिस्तौल से तीन गोलियां चलाईं। इनमें से एक गोली उनके सीने में लगी और वे वहीं गिर गए। चूंकि उस दौरान वहां पटाखों का शोर ज्यादा ही हो रहा था ऐसे में गोलियों की आवाज उनमें दब गई। हमलावरों की चलाई गोलियों में से एक से बाबा सिद्दीकी की गाड़ी की विंडशील्ड टूट गई जिससे पता चला कि कई गोलियां चलाईं गई थीं। कांग्रेस के पूर्व नेता सिद्दीकी (66) को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई।

गिरफ्तार किए गए दो संदिग्ध कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बताए गए हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों संदिग्धों ने खुद यह दावा किया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, बाबा सिद्दीकी पर हमला करने वाले तीन संदिग्धों में से दो को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से एक उत्तर प्रदेश का धर्मराज कश्यप और दूसरा हरियाणा का रहने वाला करनैल सिंह है। आरोपियों का एक साथी फरार है, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने कई टीमें लगाई हैं। मुंबई पुलिस अपराध शाखा द्वारा पूछताछ के दौरान, दोनों संदिग्धों ने दावा किया कि वे लगभग एक महीने से उस इलाके की रेकी कर रहे थे। तीनों आरोपी एक ऑटो-रिक्शा से बांद्रा पूर्व में घटनास्थल पर पहुंचे थे। वे वहां पहले से ही सिद्दीकी के आने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में पुलिस को संदेह है कि मामले में किसी अन्य व्यक्ति के शामिल होने का संदेह है जो आरोपियों को जानकारी मुहैया करा रहा था।

**दशहरे पर चला रहे थे पटाखे तभी किया गया हमला**

**दो गिरफ्तार, एक फरार लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर संदेह**

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने के दावे के बाद अब पुलिस कई एंगल से मामले की जांच में लग गई है। पहला एंगल लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है वहीं दूसरा झुग्गी पुनर्वास मामले से संबंधित है। बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड अभिनेताओं के भी खासे नजदीक थे। सलमान खान और शाहरुख खान से उनकी निकटता किसी से छिपी नहीं थी। लॉरेंस बिश्नोई के करीबी रोहित गोदारा ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि सलमान खान का दोस्त हमारा दुश्मन है। ऐसे में अभिनेता सलमान खान से उनकी नजदीकी इस ओर इशारा कर रही है कि वे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर हो सकते हैं। हालांकि बाबा सिद्दीकी को कभी बिश्नोई गैंग से किसी प्रकार के खतरे की धमकी नहीं मिली थी।

▶10 पर

### जनसांख्यिकी बदलाव और बांग्लादेशी घुसपैठ का असर

# ओवैसी की पार्टी भी झारखंड की 35 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

**रांची, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। झारखंड में 82 विधानसभा सीटें (मनोनयन की एक सीट मिलाकर) हैं, जिसमें 81 पर चुनाव लड़े जाते हैं। इस चुनाव में एआईएमआईएम ने 35 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मो. शाकिर अली ने यह जानकारी दी। झारखंड में एआईएमआईएम का चुनावी मैदान में, वो भी इतने बड़े पैमाने पर उतरना लोगों को अस्वाभाविक ही लग रहा है।

झारखंड में हालिया राजनीतिक गतिविधियां और जनसांख्यिकी में हो रहे बदलावों ने एक नया परिदृश्य तैयार किया है। एआईएमआईएम जैसी पार्टियां राज्य में चुनाव लड़ने का सपना देख रही हैं, और यह सपना झारखंड की बदलती जनसांख्यिकी से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही, बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या ने भी राज्य में गहराई से असर डाला है। इन सभी मुद्दों को मिलाकर एक व्यापक चर्चा प्रस्तुत की जा रही है, जिसमें झारखंड की बदलती राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला जाएगा। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने झारखंड विधानसभा चुनावों में जामताड़ा समेत 35 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। यह निर्णय पार्टी की एक बड़ी राजनीतिक आकांक्षा का संकेत है, जो एक छोटे राज्य से शुरू होकर अब 2000-3000 किलोमीटर दूर के राज्यों में अपने पांव पसारने की कोशिश कर रही है। इसका मुख्य कारण राज्य की जनसांख्यिकी में हो रहा बदलाव है, खासकर मुस्लिम और ईसाई आबादी की बढ़ोतरी।

जामताड़ा और संताल परगना जैसे क्षेत्रों में जनजातीय जनसंख्या में गिरावट और मुस्लिम समुदाय की बढ़ती संख्या एआईएमआईएम जैसी पार्टियों के लिए ▶10 पर

### कर्नाटक में अब सांसद विकास निधि घोटाला

**वक्फ बोर्ड के 4 अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज**

**बेंगलुरु, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** वक्फ बोर्ड अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बेंगलुरू पुलिस ने वक्फ बोर्ड के प्रशासन के तहत एक धार्मिक संस्था के अध्यक्ष समेत चार लोगों के खिलाफ सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) और अन्य स्रोतों से आवंटित धन का कथित रूप से दुरुपयोग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में 61 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता आलम पाशा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि हजरत हमीद शाह और हजरत मुहिब शाह खादरी संस्था के अध्यक्ष और प्रशासक जीए बावा, कर्नाटक के पूर्व केंद्रीय मुस्लिम एसोसिएशन ▶10 पर

### राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने की मांग

# सभी राज्यों में तत्काल बंद हों मदरसा बोर्ड

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और प्रशासकों को पत्र लिखकर मदरसों को दिए जाने वाले फंड को फ्रीज करके मदरसा बोर्डों को बंद करने की सिफारिश की है।

कानूनगो ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 के तहत बच्चों को दिए जाने वाले अधिकारों का उल्लंघन मदरसे कर रहे हैं। इसीलिए प्रियांक कानूनगो ने राज्यों से मांग की है कि वे सभी गैर मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालकर बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में भर्ती कराया जाए। एनसीपीसीआर ने मुस्लिम समुदाय के वे बच्चे जो मदरसों में पढ़ रहे हैं, चाहे वे मान्यता प्राप्त हों या गैर मान्यता प्राप्त हों, उन सभी को औपचारिक स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाए। साथ ही बाल अधिकार आयोग ने मांग की है कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत 2009 के अनुसार निर्धारित समय और पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा दी जाए।

**मदरसों को दिया जाने वाला फंड जब्त होना चाहिए**

इस पत्र में मांग की गई है कि सरकार मदरसा बोर्ड को दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगाए और इन सभी मदरसा बोर्ड को बंद कर दें। बाल आयोग ने कहा कि मदरसे में न तो बच्चों को बेसिक शिक्षा मिलती है और न ही उनको मिड डे मील की सुविधा का कोई फायदा होता है। बाल आयोग की तरफ से कहा गया कि मदरसा बोर्ड आरटीई यानी शिक्षा के अधिकार के कानून का पालन तक नहीं करते हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि मदरसों का पूरा फोकस केवल धार्मिक शिक्षा के पर ही रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती है।

▶10 पर

### कर्नाटक का बहुचर्चित मुडा जमीन घोटाला

## फंसने के डर से खड़गे ने लौटाई पांच एकड़ जमीन

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** कर्नाटक के बहुचर्चित मुडा जमीन घोटाले में फंसे कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपना बचाव करने की कोशिश में कर्नाटक सरकार को पांच एकड़ जमीन वापस लौटाने का फैसला किया है। सरकार का वापस लौटाई जा रही यह वह जमीन है जो कि खड़गे परिवार के सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई थी। खड़गे का यह पैंतरा साफ-साफ बता रहा है कि कर्नाटक का यह जमीन घोटाला नई मुश्किलें खड़ी करने वाला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मिली इस जमीन के बारे में बता दें कि यह पांच एकड़ बेशकीमती जमीन औनेपौने दाम में खड़गे के बेटे राहुल एम खड़गे को ▶10 पर

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

**सोना : 78,330/- (प्रति 10 ग्राम)**
**चाँदी : 93,490/- (प्रति किलोग्राम)**

### मौसम बेंगलूरु

**अधिकतम : 31°**
**न्यूनतम : 22°**

### बॉलीवुड : सुशांत की हत्या पर चुप, सिद्दीकी की हत्या पर बेचैन

# समाज में इतनी दोगलई क्यों है भाई..?

*डॉ. निखिल आनंद*

भारत का भगोड़ा दाऊद इब्राहिम कब का मुंबई से भागकर पाकिस्तान चला गया, लेकिन उसकी दुम के बाल जगह-जगह सफेदपोश बनकर तो कहीं कारोबारी या ड्रग-हवाला-माफिया-अंडरवर्ल्ड रैकेट के एजेंट और बॉलीवुड दुनिया के सितारे बनकर आज तक जीवंत हैं। दिलचस्प है कि मुंबई की महानगरीय एलीट या संभ्रांत समाज-संस्कृति ने इन सभी को बहुत अच्छे से अपने में समाहित कर प्रासंगिक बनाया है। ऊपर से इनको सेलिब्रिटी स्टेट्स भी बखूबी प्रदान किया है, जिनके पीछे देशभर के लोग दीवानगी करते नजर आते हैं। इन फिल्मी सेलिब्रिटीज के कपड़े-घर-गाड़ियों एवं रहन-सहन की चकाचौंध में इनके चाल-चरित्र-चेहरे के बड़े ही घटिया स्तर के ऐब भी छुप जाते हैं।

सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियन की हत्या पर कितनी भी परदेदारी क्यों न की जाए, लेकिन सच तो मुंबई की इन चमकीली बदनाम गलियों में गोल-गोल घूम ही रहा है। इस मामले में पुलिस-प्रशासन या सीबीआई कानूनन सत्य को कभी साबित कर पाएगा, इस पर आम लोगों को गंभीर संदेह है। सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं तो इन शातिर गिरोहों से कौन लड़ेगा? सहमति के सिद्धांत पर आधारित सब अपनी-अपनी दुकान चलाने के लिए जुगाड़ लगाने-भिड़ाने में लगे हैं।

भारत में बड़ी संख्या में खांटी मुस्लिमपरस्त, राष्ट्रविरोधी एवं सत्य सनातन हिंदू विरोधी भी सफेदपोश राजनीतिक, व्यवसायी, बॉलीवुड स्टार बनकर एक अलग तरह का घेटो सिस्टम वाला कूप-मंडूक समाज खड़ा कर चुका है। यह जो दूर से दिखता जन्नत वाला समाज है वो नैतिकता के तकाजे पर नरक से कम नहीं है। बाहर से तो लोगों को उनका चमकीला स्वार्गिक सुख दिखाई देता है और लोग उनकी नकल उतारने में भी लगे रहते है। इस फिल्मी दुनिया में सब कुछ स्टेज मैनेज्ड सा लगता है या फिर ऐसा लगता है कि सब कुछ स्पॉन्सर्ड है या फिर प्री प्लांड पीआर (पब्लिक रिलेशन)-ब्रांडिंग-एडवर्टाइजमेंट का मकसद है।

बॉलीवुड में कुछ भी ऐसे ही नहीं होता और ना ही ये स्टार्स कुछ भी बिना मकसद के करते हैं। इनके लिए पीआर एजेंट या कंपनियां, यहां तक तय करती हैं कि किसी के मरने पर कौन स्टार कब जाएगा, नहीं जाएगा या फिर जाना चाहिए कि नहीं। यह सब कुछ सेलिब्रिटीज की छवि से जुड़े ▶10 पर

### कार्टून कॉर्नर

# साधु जीवन, जगत के लिए आश्चर्य रूप हैं: साध्वी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने नवपद ओली जी के पंचम दिवस साधु पद की आराधना के दौरान साधकों की साधना में सदा सहायता करने वाले, अप्रमत्त गुण के धारक, लोक में रहे हुए सभी साधु भगवंतों के साधु पद का वर्णन करते हुए कहा कि जो साधना करे और मौन रखे वो साधु होते हैं। मुनि स्वयं के मन पर नियंत्रण रखते हैं और कोई भी वचन व्यर्थ का उच्चरित न हो, ऐसा ध्यान रखते हैं।

कोई प्रवृत्ति विरुद्ध न हो जाये इसकी जागरूकता रखने वाले और साधु जीवन जगत के लिए आश्चर्य स्वरूप है। साधु यानि जंगम तीर्थ, साधु यानि जीता जागता धर्म, साधु यानि करुणा की मूरत, साधु यानि नम्रता की निशानी, साधु यानि निर्लोभी, साधु यानि शुद्धि का अवतार, आँख में, चेहरे में, चलते, बोलते, कोई भी प्रवृत्ति करते हो, उनकी हर क्रिया में साधुता के दर्शन होते हैं। जीवों का प्रतिपालक, सभी जीवों के लिए माता के समान, किसी जीव को किलामना (दुःख) न हो इस बात का विशेष ध्यान रखते है। जिसे कोई बाहर जगत का हर्ष, शोक, अपमान और सम्मान नही हो वही साधु कहलाते हैं।

इन सब भूमिका से उपर तीर्थंकरों की आज्ञा पालन करने वाले ऐसे साधु, 22 परिषहों को सहन करने में सदा तत्पर, 27 गुणों से सुशोभित, कृष्ण वर्ण के कषायों को जीतने के लिए प्रयत्नशील साधु पद को हम बारम्बार वंदन करते हैं। उनको किये गये वंदन से हमें अपने जीवन में संयम की साधना मिले, मुक्ति की आराधना मिले। हमें अरिहंत की भक्ति से मोक्षमार्ग की अपेक्षा रखनी है, सिद्ध की भक्ति स्वरूप प्राप्ति की अपेक्षा रखनी है, आचार्य की भक्ति पंचाचार प्राप्ति की अपेक्षा रखनी है। उपाध्याय की भक्ति से विनय गुण की अपेक्षा रखनी है और साधु की भक्ति से मोक्षमार्ग की आराधना में सहायता की अपेक्षा रखनी है। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा ज्ञान वाटिका के छोटे छोटे बच्चों जिन्होंने पिछले दो माह से अनेक नियमों का पालन किया, को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गु-लेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, अनिल भडकतिया, ललित डाकलिया, भरत कुमार जैन आदि ने प्रथम पुरस्कार विजेता तुषार धारीवाल, द्वितीय हित्वी कवाड और तृतीय पुरस्कार हुनर धारीवाल और टीशा जैन को प्रदान किया। इसके साथ ही अनेक बच्चों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

# अश्रुपूरित नयनों से मां भवानी को किया विदा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शहर के पैलेस ग्राउंड, प्रिंसेस श्राइन के सभागार में बहुत ही भक्ति भाव, विधि-विधान एवं हर्षोल्लास के साथ शक्ति की देवी मां दुर्गा आराधना का पर्व दशहरा महोत्सव सम्पन्न हुआ। शुक्रवार को नवमी पूजन एवं कन्या पूजन किया गया।

शनिवार दसवीं पूजन में आरती, पुष्पांजलि विसर्जन अनुष्ठान में सभी भक्त गणों ने भाग लिया।

सभी भक्तों ने पंक्ति बद्ध होकर प्रसाद एवं महाप्रसादी को श्रद्धा-पूर्वक ग्रहण किया। तत्पश्चात जयकारों के साथ अपने अश्रुपूरित नयनों से मां भवानी को विदा किया।

दोपहर तीन बजे अलसूर तालाब हेतु शोभायात्रा निकाली गई, जहां देर रात माता को विसर्जित किया गया। समिति

सचिव सुबोध सिंह और पूजा उपसमिति अध्यक्ष शेषनाथ दुबे ने समिति के कार्यकर्ताओं समेत सभी का आभार जताया।

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर धाम में शुक्ल पक्ष के पापकुशा एकादशी के पावन अवसर पर सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया। इस मौके पर बाबा श्याम का फूलों से श्रृंगार किया गया। भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन किये।*

# करवा चौथ चांद छुपा बादल में 17 को

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

अग्रवाल महिला मंडल के तत्वावधान में करवा चौथ के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से ताज यशवंतपुर पर चांद छुपा बादल में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल ने बताया कि इस कार्यक्रम में महिलाओं के लिए लाख चूड़ी वाला, संगीत नाच गान, करवा क्वीन मुकाबला के साथ अनेक खेलकूद के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

### भक्ति गीतों पर थिरके श्रद्धालु

# शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा नवरात्रि गरबा महोत्सव आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बेंगलूरु स्थित एक होटल में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख कार्यवाहक सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में एक दिवसीय नवरात्रि गरबा (डांडीया) महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में समाज बंधुओं ने भाग लिया। सर्व प्रथम मां दुर्गा की पूजा, अर्चना एवं कलश स्थापना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। पुरुष, महिलाएं, बच्चों और बुजुर्गों ने बड़े ही उत्साह एवं भाव से गरबा डांडिया खेलकर पूरे गरबा पंडाल को भक्तिमय बना दिया। कई पुरुष एवं महिलाएं गरबे की पारम्परिक वेशभूषा में नृत्य कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे हम गुजरात के किसी शहर में गरबा महोत्सव का आनंद ले रहे हैं। नवरात्रि सेवा समिति की तरफ से बेस्ट डांसर के लिए 3 पुरुषों, 3 महिलाओं और 3 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बेस्ट पोशाक के लिए भी एक पुरुष व एक महिला विजेता को पुरस्कृत किया गया। बुजुर्गों को भी सम्मान देते हुए बेस्ट बुजुर्ग डांसर पुरुष व बेस्ट बुजुर्ग डांसर महिला को भी पुरस्कृत किया गया। विजेताओं का चयन छह जजों की टीम ने किया। समारोह में नवरात्र के नौ दिनों का अखण्ड व्रत करने वाले तपस्वियों का बहुमान किया गया। अंत में लकी ड्रा कूपन के भाग्यशाली तीन विजेताओं के नाम की घोषणा भी की गई। अपने धन्यवाद भाषण में समाज प्रमुख सुनील शर्मा ने सभी समाज बंधुओं को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया और अगले वर्ष और भी भव्य तरीके से महोत्सव को मनाने का वादा किया। इसके लिए उन्होने एक कमेटी की घोषणा भी की। समारोह का समापन महाआरती द्वारा किया गया। समारोह स्थल पर महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी।

# शोभा यात्रा के साथ प्रतिमा का विसर्जन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद बिहार भवन द्वारा हर्षोल्लास के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में गुरुवार को भगवती सिद्धिदात्री की पूजा हुई। जिसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण, पूर्व डीजीपी आशीत मोहन प्रसाद, बेल एजीएम मुकेश लाल, चिकपेट जन नायक शिवकुमार आदि गणमान्य लोगों ने मां भगवती के दर्शन किए। परिषद के पदाधिकारियों, महिला मंडल एवं युवा मंडल तथा गणमान्य लोगों द्वारा आगामी वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया गया। बच्चों द्वारा रामायण की झांकियां, शिवा शक्ति नाटक, विभिन्न तरह का नृत्य, गायन एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। शनिवार को मां भगवती की पूजा के उपरांत जयंती छेदन किया गया। भक्तगणों ने एक दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं दी एवं शोभा यात्रा आरटी नगर से उलसूर लेक तक निकाला गया। शाम को प्रतिमा का विसर्जन अलसूर लेक में किया गया।

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *श्री मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट मागडी रोड अंधराहल्ली द्वारा हर्षोल्लास के साथ दशहरा महोत्सव मनाया गया। प्रसिद्ध भजन कलाकार अभिषेक दुबे, राम प्रवेश, प्रियंका, रूचि, काजल, नीलम सिंह, रविंद्र रसीला ने मनभावन भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे माहौल भक्ति मय हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, संजय मिश्रा ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। ट्रस्ट के पीके सिंह, पीएस पांडे, नारायण यादव ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

# अष्टोतरी महाभिषेक का भव्य आयोजन

**गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी बंधु त्रिपुटी मुनिराज के पावन सानिध्य व प्रेरणा से बंधु त्रिपुटी मंडल द्वारा अद्भुत प्रभु भक्ति एवं सभी तपस्वियों के लिये अनुपम श्री वर्धमान शक्रस्तव एवं अष्टोतरी महाअभिषेक का आयोजन किया गया।

रविवार सुबह बंधु त्रिपुटी मंडल द्वारा इस कार्यक्रम में गिरनारी ग्रुप एवं संगीतकार रोहन के मार्गदर्शन पर प्रभु भक्ति आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्रीसंघ द्वारा संगीतकार रोहन एवं गिरनारी ग्रुप का सम्मान किया गया। शाम को नेमरस भक्ति का भव्य संगीत कार्यक्रम रखा गया, जिसमें संगीतकार पारस गड़ा पधारे थे। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना समेत सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

# गुरु गणेश जन्मोत्सव समारोह हेतु साध्वी को दिया आमंत्रण

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में निर्धारित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालमुनि के जन्मोत्सव समारोह में बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वीवृंद का जन्मोत्सव समारोह में सानिध्य प्राप्त करने के लिए समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री उगमराज चोपड़ा, अशोक नागोरी, अनिल पोखरना आदि ने विजयनगर में विराजित साध्वी सुधाकंवर की सेवा में पहुंचकर सानिध्य प्रदान करने की विनती की।

साध्वीवृंद ने आयोजन की सफलता हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। विजयनगर संघ के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, उपाध्यक्ष राजेंद्रकुमार बोहरा, गौतमचंद दक, मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाबिया, पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्रकुमार कोठारी, पूर्व अध्यक्ष वसंतराज रांका, पूर्व अध्यक्ष सुरेशचंद बोहरा, युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक, युवा मंत्री महावीरचंद गुगलिया आदि पदाधिकारियों ने आमंत्रण हेतु प्रसन्नता प्रकट करते हुए समिति का आभार व्यक्त किया।

# यज्ञ, पूजा-अर्चना एवं भजनों की बही सरिता, झूमे श्रद्धालु

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

शहर के कोरमंगला स्थित राजेन्द्र निवास में क्षेत्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा वरिष्ठ समाज सेवी तेजराज शर्मा के नेतृत्व में सप्तमी पर विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें समाज की खुशहाली की कामना को लेकर आहुतियां दी गयी। तत्पश्चात पूजा-अर्चना के साथ मारवाड़ी भजनों ने समा बांधा। वहीं माता की भक्ति में सराबोर श्रद्धालु झूमने को मजबूर हुए।

अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। इस मौके पर तेजराज शर्मा, इंद्रा शर्मा, महिला मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा, अनुराग शर्मा, सी.ए. नितिन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, दिलीप शर्मा, किशोर शर्मा, विजय कुमार शर्मा, भूपेश कश्यप सहित अनेक महिला-पुरुष उपस्थित थे।

# सिद्धरामैया ने प्रहलाद जोशी को आतंकवादी बताया

## भाजपा के सदस्य केवल झूठे और निराधार मुद्दों पर ही करते हैं विरोध

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कांग्रेस पार्टी को आतंकवादी कहने वाले केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी पर खुद आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। सवादत्ती जाने से पहले हुब्बल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया जोशी द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि कांग्रेस सरकार ने पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले को वापस ले लिया है और वह आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। सीएम ने कहा कि भाजपा के सदस्य केवल झूठे और निराधार मुद्दों पर ही विरोध करते हैं। पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले को वापस लेने के सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि इसके लिए एक कैबिनेट उपसमिति का गठन किया गया था। समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले के साथ-साथ 42 मामलों को वापस ले लिया है। उन्होंने कहा मामला वापस लेने के बाद यह अदालत में जाएगा। अदालत से अनुमति

मिलने के बाद ही मामला वापस लिया जा सकता है। अगर अदालत इसे खारिज कर देती है, तो वापस लेना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने हुब्बल्ली दंगा मामले के साथ-साथ कई अन्य समान मामले भी वापस ले लिए गए हैं। इससे पहले कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2022 में हुब्बल्ली में हुए पुलिस पर हमले के मामले में आरोपियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को वापस लेने का फैसला किया था। सरकार के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति गर्म हो गई है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार के इस फैसले पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही भाजपा ने राज्य सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप भी लगाया है। साल 2022 में हुब्बल्ली जिले में एक आरोपी ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट की थी। जिससे नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 150 लोगों ने 16 अप्रैल, 2022 को रात करीब 10.30 बजे उत्तरी कर्नाटक के ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस स्टेशन के पास डंडों से लैस होकर जमा हुए थे। सूत्रों की मानें तो कर्नाटक सरकार की तरफ से यह उन 43 मामलों में से एक है, जिन्हें राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को अपनी बैठक में वापस लेने का फैसला किया है। हुब्बल्ली दंगे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया था कि वहां उपस्थित भीड़ मांग कर रही थी कि पुलिस आरोपी को उन्हें सौंप दें, ताकि वे उसे वहीं खत्म कर सकें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि जो कोई भी आरोपी को बचाएगा, उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। इस दौरान भीड़ ने कथित तौर पर आरोपी की रक्षा करने वाले पुलिसकर्मियों को मारने के नारे लगाए।

### भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया

सूत्रों ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें अपना अड़ियल रुख छोड़ने और मनाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान आक्रोशित भीड़ हर हाल में आरोपी को हासिल करना चाहते थे। इसके बाद भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया और जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस दौरान आक्रोशित भीड़ पुलिस स्टेशन में मौजूद कई सरकारी और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया था। इसके साथ ही इस मामले में अधिकारी ने आगे बताया कि ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दंगा, हत्या का प्रयास, सरकारी अधिकारियों पर हमला, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। वही सरकार के इस केस को वापस लेने के बाद भाजपा लगातार से हमलावर है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस सरकार के फैसले को तुष्टीकरण की पराकाष्ठा बताया था। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पर पहुंच गई है। उन्होंने यूएपीए मामले के तहत मामला वापस ले लिया है, जबकि मामला एनआईए अदालत में है। जहां तक मुझे पता है, सामान्य तौर पर राज्य सरकार इसे वापस नहीं ले सकता है, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे वापस ले लिया है।

### बाबा सिद्दीकी की हत्या मामला

# यह पूरी तरह से कानून और व्यवस्था की विफलता: खड़गे

**कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।** एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि यह कानून और व्यवस्था की विफलता है। खड़गे ने कहा हमने खुले तौर पर कहा कि वहां कानून और व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है, भले ही उन्होंने कहा कि उनकी जान को खतरा था, पुलिस ने उनकी सुरक्षा नहीं की, यह प्रशासन की ओर से बहुत बड़ी चूक है। मुंबई जैसे बड़े शहर में पुलिस को हमेशा अलर्ट पर रहना चाहिए। यह कानून और व्यवस्था और खुफिया तंत्र की विफलता

है। अगर सरकार ऐसी चीजों का ध्यान नहीं रखती है तो इसका मतलब है कि वे (ऐसी घटनाओं) की उपेक्षा कर रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार गुट के नेता सिद्दीकी को बांद्रा के निर्मल नगर के पास गोली मार दी गई थी। बाद में शनिवार देर रात लीलावती अस्पताल में उनकी गोली लगने से मौत हो गई। बाबा सिद्दीकी के पार्थिव शरीर को बांद्रा स्थित उनके आवास पर लाया गया। इस बीच मुंबई क्राइम ब्रांच ने भारतीय न्याय संहिता, आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत हत्या के सिलसिले में निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में अपराध पंजीकरण संख्या 589/2024, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 109, 125 और 3(5) के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 3, 25, 5 और 27 और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37 और धारा 137 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## एसआईटी प्रमुख ने कुमारस्वामी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** आईपीएस अधिकारी एम. चंद्रशेखर ने संजयनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और उनके बेटे निखिल उन्हें धमकाने और चल रही जांच में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। चंद्रशेखर, जो कर्नाटक में खनन घोटाले की जांच कर रहे लोकायुक्त एसआईटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि एसआईटी को पूर्व सीएम के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की प्रक्रिया चल रही है। एडीजीपी ने

कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकायुक्त एसआईटी को रोकने के लिए दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाए गए हैं। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि अभियोजन की मंजूरी मांगने के लिए राज्यपाल को सौंपी गई रिपोर्ट तक पहुंचने के बाद कुमारस्वामी अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके जांच में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री और उनके बेटे निखिल ने उन्हें डराने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ कई आरोप लगाए हैं।

## ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सामग्री पर नियंत्रण को लेकर संबंधित मंत्रालय करेगा कार्रवाई: प्रहलाद जोशी

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।** आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सामग्री पर नियंत्रण की कमी पर चिंता व्यक्त करने के एक दिन बाद केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार इस चिंता को साझा करती है और संबंधित मंत्रालय कार्रवाई करेगा। जोशी ने कहा हम इससे पूरी तरह सहमत हैं। यह एक विश्वव्यापी समस्या है। सरकार हमेशा इस बारे में सोचेगी और संबंधित मंत्रालय कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा हम पहले से ही ऐसी सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमें प्राप्त होती हैं। जहां तक मुझे पता है, सरकार पहले से ही इसकी जांच कर रही है। भागवत ने शनिवार को चिंता व्यक्त की कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कुछ सामग्री से बच्चे और युवा नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। नागपुर में अपने वार्षिक विजयादशमी भाषण में उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रणालियों और संस्थाओं द्वारा फैलाए जा रहे विकृत प्रचार और घटिया मूल्यों का भारत में युवा पीढ़ी के मन, वचन और कर्म पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन अब बच्चों के हाथों में भी पहुंच गए हैं और इस बात पर बहुत कम नियंत्रण है कि क्या दिखाया जा रहा है और बच्चे क्या देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर क्या दिखाया जा रहा है, इस पर बहुत कम या कोई नियंत्रण नहीं है। बहुत सारी सामग्री इतनी घृणित है कि उसका उल्लेख करना भी शालीनता का उल्लंघन होगा। हमारे घरों, खासकर बच्चों तक पहुंचने वाली विकृत दृश्य सामग्री पर कानून बनाने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि घरों और समाज तक पहुंचने वाले विज्ञापनों और विकृत दृश्य सामग्री पर कानूनी निगरानी की तत्काल आवश्यकता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज में, खासकर युवा पीढ़ी में आत्म-गौरव की भावना बढ़ रही है।

# कर्नाटक के भाजपा सांसदों ने राज्य के लोगों के साथ किया विश्वासघात: सीएम

### उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं

**मैसूर/शुभ लाभ ब्यूरो।** मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कर्नाटक के भाजपा सांसदों पर कर हस्तांतरण में राज्य के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए निशाना साधा। उन्होंने लोगों से राज्य के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य को 6,498 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश को 31,987 करोड़ रुपये मिले हैं, जो दोनों राज्यों के बीच कर हस्तांतरण में बहुत बड़ा अंतर दर्शाता है। उन्होंने कहा कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लोगों को आवाज उठाने की जरूरत है। केंद्र का समर्थन करने वाले भाजपा नेता राज्य के लोगों के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, चाहे वह प्रहलाद जोशी हों या कोई और। कर्नाटक से बहुत सारे सांसद चले गए हैं। उन्हें आवाज उठाने की जरूरत है, जो उन्होंने नहीं की है। सीएम के अनुसार राज्य को पांच साल में कर हस्तांतरण में 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस मामले में सरकार के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे। शनिवार को इस मुद्दे पर एक बयान में सिद्धरामैया ने सवाल उठाया कि अपने खराब शासन के लिए बदनाम उत्तर प्रदेश

### विरोध में शामिल होने का आग्रह

मैं उनसे विरोध में शामिल होने का आग्रह करता हूं। पूर्व कांग्रेस सांसद डीके सुरेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कर अन्याय के जरिए कर्नाटक के लोगों को भड़का रही है, जिसका भाजपा ने विरोध किया। सुरेश ने कहा कर आवंटन में कर्नाटक और अन्य दक्षिणी राज्यों को बार-बार धोखा दिया जा रहा है। केंद्र सरकार कर्नाटक और दक्षिण भारत के लोगों को भड़का रही है। गुरुवार को केंद्र सरकार द्वारा जारी कर वितरण सूची के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कन्नड़ लोगों के साथ हो रहे अन्याय से मैं बहुत दुखी हूं। देश में दूसरे सबसे ज्यादा कर देने वाले राज्य कर्नाटक को केवल 6,498 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सुरेश के दावों का खंडन करते हुए भाजपा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एन रविकुमार ने इस बात के आंकड़े मांगे कि केंद्र में लगातार कांग्रेस सरकारों द्वारा कर्नाटक को कितना कर धन दिया गया। भाजपा एमएलसी ने कहा हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के आंकड़े जारी करने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार ने कर्नाटक और अन्य दक्षिणी राज्यों को कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की तुलना में अधिक धन दिया है, और कोई अन्याय नहीं हुआ है। केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये की कर राशि जारी की थी, जिसमें कर्नाटक को अक्टूबर 2024 के लिए केंद्रीय करों और शुल्कों की शुद्ध आय के राज्यवार वितरण में 6,498 करोड़ रुपये मिले।

को 31,962 करोड़ रुपये, बिहार को 17,921 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपये और राजस्थान को 10,737 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कर्नाटक के पसीने और मेहनत से उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं? इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से करों में हिस्सेदारी के मामले में राज्य के साथ अन्याय हुआ है और उन्होंने घोषणा की कि अधिकार पाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यहां शनिवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा करों के वितरण के मामले में राज्य के साथ केंद्र सरकार द्वारा घोर अन्याय हुआ है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश को दिए जाने वाले हिस्से कर्नाटक को नहीं दिए गए हैं। इस बार हिस्सा आंध्र प्रदेश से भी कम है। शिवकुमार ने कहा आंध्र प्रदेश से केंद्र सरकार को कोई कर नहीं मिलता है। कर्नाटक के साथ उस राज्य से कमतर व्यवहार किया जाता है। हम आने वाले दिनों में इस संबंध में आंदोलन करेंगे। हम विरोध करेंगे, हमारा कर हमारा अधिकार है, हम इस संबंध में कार्यक्रम आयोजित करेंगे। जब तक असमानता जारी रहेगी, हम आंदोलन जारी रखेंगे। कर्नाटक से भाजपा के सांसद और केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री अपनी आवाज क्यों नहीं उठा रहे हैं? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जो कर्नाटक से राज्यसभा के लिए चुनी गई हैं, प्रभारी हैं और हमारे पास चार से पांच कैबिनेट मंत्री हैं। राज्य के साथ घोर अन्याय होने के बावजूद सभी चुपचाप बैठे हैं। जनसंख्या, विकास के आधार पर कर हिस्सेदारी वितरित किए जाने और यूपीए सरकार और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कितना धन जारी किया गया, इस बारे में भाजपा के बयान के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि सभी मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा की जाएगी।

# प्रहलाद जोशी ने आतंकवादी पार्टी वाली टिप्पणी के लिए खड़गे की आलोचना की

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।** केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की आलोचना की, जिन्होंने भाजपा को आतंकवादी पार्टी बताया था। उन्होंने कहा कि खड़गे को अपनी पार्टी के भीतर क्या हो रहा है, इस बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, बटला हाउस की घटना के संबंध में सोनिया गांधी ने खुद मारे गए आतंकवादी के लिए आंसू बहाए, लेकिन जब पुलिस अधिकारी मोहन चंद शर्मा की मौत हुई, तो उन्होंने कोई सहानुभूति नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अफजल गुरु के मुद्दे पर नरम रुख दिखाया है और पूरा देश जानता है कि कैसे उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बरकरार रखते हुए आतंकवादियों को पाला-पोसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2004 में आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) को निरस्त कर दिया था और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अलगाववादी चरमपंथियों के साथ सहयोग कर रहे थे, जिसे खड़गे भूल गए होंगे। उन्होंने आरोप लगाया पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले में एनआईए जांच से पीछे हटकर कांग्रेस ने

खुद को इस्लामी आतंकवादियों की पार्टी साबित कर दिया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह भाजपा सरकार ही है जिसने देश में आतंकवादी गतिविधियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान कश्मीरी युवा पत्थरों से लैस थे, लेकिन अब उनके पास नौकरियां हैं। उन्होंने कहा वरिष्ठ नेता होने के नाते खड़गे को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वे क्या कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व से पहले, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में, उनकी पार्टी ने एक बार 25 राज्यों में 400 सीटें जीती थीं। उन्होंने कहा अब वोट बैंक की खातिर उन्होंने अंधी ताकतों का समर्थन किया है, जिसके कारण उनकी वर्तमान स्थिति यह है कि वे 100 सीटें भी नहीं जीत सकते। हर राज्य में वे क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ही देश में दलितों का सच्चा सम्मान किया है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा दलितों के विरोध में काम किया है। इसी कारण कांग्रेस की यह हालत हुई है।

## अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह आतंकवादियों के लिए दावत होगी: आर. अशोक

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह आतंकवादियों के लिए उत्सव होगा। पिछले दिनों कई दंगों के मामले वापस ले लिए गए। अब हुब्बल्ली दंगे के मामले वापस ले लिए गए हैं। ऐसे विकास से राज्य में विकास अवरुद्ध हो जायेगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बिगड़ जायेगी। अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह आतंकवादियों के लिए दावत होगी। उन्होंने सरकार के इस कदम की आलोचना करते

हुए इसे पुलिस का मनोबल गिराने वाला कदम बताया है। ऐसा लगता है कि सरकार चाहती है कि समुदाय के लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं की जानी चाहिए। सरकार कट्टर ताकतों को बढ़ावा दे रही है। हम इस पर सरकार से लड़ने को लेकर चर्चा कर रहे हैं। राज्य में पाकिस्तान और बांग्लादेश से अवैध रूप से आए लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उनके खिलाफ दर्ज मामले भी वापस लिए जाने चाहिए। सिद्धरामैया एक जंगली बाघ की तरह व्यवहार कर रहे हैं और ऐसे विकास के कारण राज्य में विकास अवरुद्ध हो जाएगा। उन्होंने कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई।

# प्रमोदा देवी वाडियार ने जंबू सवारी में भीड़ प्रबंधन में कमी की ओर दिलाया ध्यान

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मैसूरु के पूर्व राजघराने की प्रमोदा देवी वाडियार ने जंबू सवारी के दौरान मैसूरु पैलेस में भीड़ प्रबंधन में कमी की ओर ध्यान दिलाया है।

शनिवार को मैसूरु पैलेस के अग्रभाग में सजे-धजे हाथी के ऊपर स्वर्ण हौदे में विराजमान देवी चामुंडेश्वरी को पुष्पांजलि अर्पित करने में कथित देरी पर प्रतिक्रिया देते हुए वाडियार ने स्पष्ट करने की कोशिश की कि अंबारी सौंपने में महल के अधिकारियों द्वारा कोई देरी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अंबारी दोपहर 2 बजे के कुछ मिनट बाद सौंपी गई। देरी का

कारण अंबारी को संबंधित कर्मियों को देर से सौंपना था, इस बारे में मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए वाडियार ने सिटी पुलिस कमिश्नर की ओर से पैलेस सिक्योरिटी के सहायक पुलिस आयुक्त से प्राप्त पावती की एक प्रति साझा की, जिसमें बताया गया था कि 12 अक्टूबर को दोपहर 2.05 बजे दशहरा जुलूस के लिए स्वर्ण हौदा प्राप्त हुआ था।

हालांकि उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि महल के अधिकारियों द्वारा स्वर्ण हौदा को देर से सौंपने के कारण देरी हुई थी - यह एक गैर-जिम्मेदाराना बयान है। वाडियार ने कहा कि देरी से उनके बीच भी चिंता पैदा हुई। खराब भीड़ प्रबंधन के अलावा, वाडियार ने कहा कि जिस रास्ते से अम्बारी को हाथी पर चढ़ाने के लिए ले जाया जा रहा था, वह सरकारी कारों और सरकारी मेहमानों को ले जा रही एक निजी बस द्वारा अवरुद्ध किया गया था। उन्होंने कहा हर काम को सावधानीपूर्वक करने और कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, और अम्बारी तैयार होने के बावजूद, खराब भीड़ प्रबंधन और कुछ सरकारी कारों और सरकारी मेहमानों/उपस्थित लोगों को ले जा रही एक निजी बस द्वारा हाथी पर अम्बारी को चढ़ाने के लिए निर्दिष्ट स्थान पर रास्ता अवरुद्ध करने के कारण संबंधित कर्मचारियों को इसे स्थानांतरित करने में कठिनाई हुई। वाडियार ने कहा कि उन्हें अम्बारी को सौंपने के समय के बारे में गलतफहमी को स्पष्ट करने के लिए बयान जारी करना पड़ा। जबकि कोई अपराध करने का इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोगों को अनावश्यक चिंता से बचाने के लिए इस मुद्दे को भविष्य में संबोधित करने की आवश्यकता है।

# कुछ सड़कों पर टोल वसूली को अस्थायी रूप से रोकने की मांग

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**

लोकसभा सदस्य जगदीश शेट्टर ने केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर बेलगावी-खानापुर और बेलगावी-संकेश्वर-करुद सड़कों पर टोल वसूली रोकने की मांग की है। सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और मरम्मत का काम अभी भी लंबित है। इन अधूरी सड़कों पर टोल चुकाने से आस-पास के इलाकों के निवासियों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि निर्माण पूरा होने तक इन सड़कों पर टोल वसूली अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है।

# उचित कार्य में अपनी लक्ष्मी का उपयोग करने वाले होते हैं पुण्यशाली

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्यदेव श्री अरविंदसागर सूरीश्वर जी, सरल निश्रादाता मुनिराज श्री राजपद्मसागरजी एवं आशीर्वाददाता साध्वीवर्या श्री संयमपूर्णा जी की निश्रा में लाभार्थी संघवी शांतिदेवी, संघवी पारसमल दांतेवाडिया की दिव्याशीष से राजेन्द्रकुमार, अभयचंद, जिनेशकुमार, निलेशकुमार, सिद्धार्थ एवं समस्त दांतेवाडिया परिवार माण्डवला निवासी पारस पैकेजिंग बेंगलूरु द्वारा भारत वर्ष का प्रथम वर्षीतप ऐतिहासिक भवन निर्माण के भूमिपूजन एवं खनन विधि विधान से सम्पन्न हुआ। मुनि राजपद्मसागरजी ने लाभार्थी परिवार के इस सुकृत कार्य की अनुमोदना करते हुए फरमाया कि दान 5 प्रकार के होते है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ उचित दान

हैं। बेंगलूरु में वर्षीतप भवन की जरुरत थी। उचित कार्य में अपनी लक्ष्मी का उपयोग करने वाले पुण्यशाली होते हैं।

ट्रस्ट मंडल की भी अनुमोदन करते हुए मंगल आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी का स्वागत किया। मंत्री संतोष चौहान ने बताया कि लाभार्थी परिवार का ट्रस्ट द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भव्य स्नात्र पूजा एवं विधि विधान से भूमि पूजन सुरेंद्रगुरु के द्वारा लाभार्थी परिवार को करवाया गया। भवन निर्माण कमेटी के चेयममैन भेरूलाल भंडारी ने भवन निर्माण कार्यो की जानकारी देते हुए सभी का आभार जताया। संचालन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने किया। ट्रस्ट द्वारा भूमिपूजन के लाभार्थी परिवार का बहुमान कर मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

# अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद मेंगलूरु पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भारतीय पासपोर्ट पर दुबई जाने की कोशिश कर रहे मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़े गए बांग्लादेशी मोहम्मद माणिक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उडुपी में कई बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद, मेंगलूरु पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रख रही है और आने वाले दिनों में अभियान चलाने की योजना बना रही है। दूसरे राज्यों से प्रवासी मजदूरों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं से दस्तावेजों की उचित जांच करने का आग्रह किया जा रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अवैध प्रवासियों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की

जाएगी। हालांकि लंबे समय से दोनों जिलों में बांग्लादेशी मजदूरों के काम करने का संदेह है, लेकिन अपर्याप्त सबूतों के कारण कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्रवासी मजदूर, मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से, दक्षिण कन्नड़ के निर्माण, मछली पकड़ने, रेत परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करते हैं। वे ऐसे काम करते हैं जो पहले स्थानीय लोगों या उत्तर कर्नाटक के लोगों द्वारा किए जाते थे। अधिकांश प्रवासी श्रमिकों के पास अपने-अपने राज्यों के आधार कार्ड हैं, लेकिन इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करना नियोक्ताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। माना जाता है कि बिचौलिए इन मजदूरों के लिए आधार कार्ड हासिल करने में मदद करते हैं, जिससे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान जटिल हो जाती है। 2022 में, डेटा जुटाने की कवायद के तहत मेंगलूरु में काम करने वाले 4,000 से अधिक प्रवासी मजदूरों से पुलिस ने पूछताछ की। 518 संदिग्ध मजदूरों से पूछताछ के बावजूद, उस समय किसी भी बांग्लादेशी नागरिक की पहचान नहीं हो पाई। मोहम्मद माणिक को तब पकड़ा गया जब आव्रजन अधिकारियों को उसकी टूटी-फूटी हिंदी पर शक हुआ, जो उसने भारत आने के बाद सीखी थी। कड़ी पूछताछ में उसने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने की बात कबूल की।

# निखिल पर चन्नपट्टना उपचुनाव लड़ने का दबाव: कुमारस्वामी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री और जेडी(एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी ने बिदादी के पास केथागनहल्ली में स्थानीय कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठक की और कहा कि जेडी(एस) की युवा शाखा के अध्यक्ष और उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी के चुनाव लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं और नेताओं का दबाव है।

मीडिया को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें पहले ही हो चुकी हैं, जिसमें चुनाव की तैयारी कैसे की जाए और उम्मीदवार कौन होना चाहिए, इस पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने जेडी(एस) और उसके

गठबंधन सहयोगी भाजपा के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और नेताओं को चुनाव कार्य के लिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विश्वास बनाने का निर्देश दिया। महाराष्ट्र और झारखंड राज्य विधानसभाओं के चुनाव नवंबर में होने वाले हैं, जो चन्नपट्टना उपचुनाव के लगभग उसी समय होने हैं। कुमारस्वामी ने संकेत दिया कि चुनाव की घोषणा एक सप्ताह के भीतर की जा सकती है, और दिल्ली में भाजपा आलाकमान के साथ चर्चा की जाएगी।

चन्नपट्टना को जेडी(एस) का गढ़ बताते हुए, पिछले दो चुनावों में जीत दर्ज करने वाले कुमारस्वामी ने स्वीकार किया कि पार्टी को कुछ संगठनात्मक मुद्दों का सामना करना पड़ा है, लेकिन उनके समर्पित कार्यकर्ता सफल अभियान सुनिश्चित करेंगे। एक सवाल के जवाब में, कुमारस्वामी ने पुष्टि की कि निखिल पर चुनाव लड़ने का दबाव था। उन्होंने कहा लगभग 95 प्रतिशत नेता और कार्यकर्ता मानते हैं कि निखिल को चुनाव लड़ना चाहिए। हालांकि, हमें निर्णय लेने से पहले मौजूदा स्थिति का आकलन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम उम्मीदवार का चयन दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर किया जाएगा और इसे एक सप्ताह के भीतर अंतिम रूप दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के चन्नपट्टना के लगातार दौरे के बारे में पूछे जाने पर कुमारस्वामी ने कहा चाहे वे कितनी भी बार जाएँ, इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

# हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार का विश्लेषण कर रही कांग्रेस: मल्लिकार्जुन खड़गे

**कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर रही है और हार के कारणों का पता लगाने के लिए बूथवार रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा में हार के कारणों का पता लगाने पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन उन्होंने इस संभावना से इनकार किया कि इस परिणाम का आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर कोई असर पड़ेगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम विश्लेषण कर रहे हैं, राहुल गांधी और अन्य नेताओं के साथ मैंने कुछ दिन पहले विश्लेषण करने के लिए बैठक की है और हमें बूथवार रिपोर्ट मिल रही है। हमारे कार्यकर्ताओं की कितनी गलती है, हमारे नेताओं की क्या भूमिका है और क्या हुआ, इन सब पर हमें बूथवार रिपोर्ट मिल रही है, इसके आधार पर हम विश्लेषण करेंगे और आगे की कार्रवाई के

बारे में फैसला करेंगे।

कलबुर्गी में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी इस पर विशेष ध्यान दे रही है, क्योंकि पूरे देश की राय थी कि हरियाणा में कांग्रेस जीतेगी और यहां तक कि पत्रकारों या समाचार चैनलों समेत किसी ने भी नहीं कहा कि पार्टी हारने जा रही है और भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा, क्या हुआ, हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं, उसके बाद हम तय करेंगे कि क्या करना है। हमें आने वाले दिनों में कई चुनावों का सामना करना पड़ेगा, हम निश्चित रूप से इसे (आगामी चुनावों को) ध्यान में रखते हुए इस पर विचार करेंगे। वहीं ये पूछे जाने पर कि क्या हरियाणा के नतीजों का महाराष्ट्र के आगामी चुनावों पर असर पड़ेगा, कांग्रेस प्रमुख ने कहा, एक चुनाव के नतीजे का दूसरे राज्य के चुनाव पर असर नहीं पड़ेगा, लेकिन सवाल यह है कि हमारे पक्ष में लोगों के होने के बावजूद नतीजे ऐसे क्यों रहे? उन्होंने कहा, अगर राय 50-50 होती तो हम समझ सकते थे, जिसमें 50 फीसदी लोग कहते कि नतीजे हमारे पक्ष में होंगे और दूसरे 50 फीसदी लोग कहते कि नहीं नतीजा हमारे पक्ष में नही होगा।

लेकिन मीडिया, चैनल, प्रिंट मीडिया, नेता और जनता समेत पूरे देश की राय हमारे पक्ष में होने के बावजूद इस नतीजे के पीछे क्या कारण था? हमें इसका पता लगाना होगा। इस दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई संदेह है, इस पर खरगे ने कहा कि वह अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और बूथवार रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद जवाब देंगे।

# बेगूसराय में मूर्ति विसर्जन के समय कुछ लोगों ने किया हमला, पुलिस ने लाठीचार्ज कर पाया हालात पर काबू

**बेगूसराय (एजेंसियां)।**

बेगूसराय जिले के परिहार थानाक्षेत्र में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हंगामा हो गया, जब असामाजिक तत्वों ने मूर्ति विसर्जन कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट होने लगी। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर मौजूद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद हालात को काबू में किया, लेकिन घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, परिहार क्षेत्र में रविवार को माता की मूर्ति विसर्जन चल

रहा था। पूजा समिति के सदस्य शांतिपूर्वक विसर्जन जुलूस लेकर जा रहे थे। तभी आठ-10 की संख्या में कुछ असामाजिक तत्वों ने उन पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से विसर्जन कर रहे लोग घबरा गए और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया।

परिहार थाना के प्रभारी ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा हिंसा भड़काने की कोशिश की गई थी, लेकिन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया। फिलहाल इलाके में शांति है और मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया पुलिस की निगरानी में जारी रही।

वहीं, घटना के बाद पूजा समिति के सदस्य और स्थानीय निवासी काफी आक्रोशित नजर आए। जिला परिषद सदस्य अमित सिंह ने बताया कि असामाजिक तत्व पहले से घात लगाकर बैठे थे और मूर्ति विसर्जन के दौरान उन्होंने अचानक हमला कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने समय पर हस्तक्षेप कर मामले को और बिगड़ने से बचा लिया।

फिलहाल, पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मामले की जांच जारी है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# गया-मुंबई के बीच नई ट्रेन सेवा शुरू, केंद्रीय मंत्री ने कोडरमा से दिखाई हरी झंडी

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।**

गया और मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनल) के बीच एक नई ट्रेन सेवा की शुरुआत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 13 अक्तूबर को कोडरमा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर किया। इस सेवा का उद्देश्य बिहार, झारखंड और मुंबई के बीच संपर्क को और मजबूत बनाना है। साथ ही इससे धार्मिक स्थलों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। नई ट्रेन 22358/22357 गया-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस सप्ताह में एक बार चलेगी। गया से यह ट्रेन हर बुधवार शाम सात बजे खुलेगी और शुक्रवार सुबह 5:50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई पहुंचेगी। वहीं, वापसी में यह ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनल से शुक्रवार दोपहर 1:15 बजे खुलेगी और शनिवार रात 10:50 बजे गया पहुंचेगी।

गया-मुंबई एक्सप्रेस अपने मार्ग में कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें झारखंड, ओड़ीशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं। इसके प्रमुख पड़ाव कोडरमा, हजारीबाग टाउन, रांची, हटिया, राउरकेला, बिलासपुर, रायपुर, नागपुर, नासिक रोड और कल्याण होंगे। इस ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान और साधारण श्रेणी के कोच उपलब्ध हैं। इससे विभिन्न वर्गों के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की गई है।यह नई ट्रेन सेवा न केवल त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा को बढ़ाएगी, बल्कि झारखंड और बिहार के धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी आसान बनाएगी। इसके साथ ही इस सेवा से स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

## 1814 करोड़ के ड्रग्स केस में बड़ा खुलासा

# कई राज्यों में भेजी जा रही थी एमडी

भोपाल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में बंद पड़ी फर्नीचर फैक्ट्री में अवैध रूप से एमडी ड्रग्स बनाने वाले तस्करों के तार देश के आधा दर्जन राज्यों के बड़े तस्करों से जुड़े हैं। मंदसौर के रहने वाले हरीश आंजना का राजस्थान निवासी दोस्त शोएब लाला ने प्रतापगढ़ जिले में सप्लाई का सेंटर बना रखा था। दो खेप माल भोपाल की फैक्ट्री में तैयार होगर प्रेमसुख पाटीदार के जरिए शोएब लाला तक हरीश आंजना पहुंचा भी चुका था। शोएब लाला प्रतापगढ़ में बनाए गए सप्लाई सेंटर से देश के अन्य राज्यों में एमडी ड्रग्स की तस्करी करता था। यह खुलासा मंदसौर पुलिस की गिरफ्त में आए प्रेमसुख पाटीदार ने पूछताछ में किया है।

इस खुलासे के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो देशभर में ड्रग तस्करी के इस नेटवर्क के खिलाफ एक साथ छापेमारी की तैयारी में है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और अन्य राज्यों में फैले इस तस्कर गिरोह की लिंक को ध्वस्त करने के लिए एनसीबी बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। हालांकि, यह कार्रवाई इतनी गोपनीय होगी कि किसी को भनक नहीं लगेगी। सान्याल बाने, अमित चतुर्वेदी ड्रग्स बनाने के बाद हरीश आंजना के जरिए ही खपाते थे। ड्रग्स खपाने की जिम्मेदारी हरीश आंजना की थी। वह प्रेमसुख पाटीदार और शोएब बाला जैसे दर्जनभर से अधिक बड़े तस्करों से सीधे संपर्क में था। यह गिरोह राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच बड़ा कारोबार करता था। एमडी ड्रग बनाने के लिए कच्चे सामान की खरीदारी भी इन्हीं के बीच होती थी। एमडी ड्रग्स का कारखाना संचालित करने वाले आरोपियों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की पूछताछ में खुलासा होने के बाद इस कार्रवाई में राजस्थान पुलिस को भी शामिल किया जा रहा है। राज्य की इंटेलिजेंस को तस्करों के खिलाफ पुख्ता जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, तस्कर गिरोह से जुड़े लोगों को सर्विलांस पर रखा गया है, उनकी मिनट-टू-मिनट वॉचिंग हो रही है। आरोपियों से अब तक की पूछताछ में सामने आया है कि शोएब लाला के पूरे राजस्थान में संपर्क हैं। वह राजस्थान और दूसरे राज्यों में तस्करों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। एनसीबी अब शोएब लाला की तलाश कर रही है, लेकिन वह फरार है। शोएब लाल के मुंबई, दिल्ली और पंजाब में जड़ें जमा चुके अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों से संबंध होने की आशंका भी जताई जा रही है। एनसीबी इस दिशा में भी जांच कर रही है।

दरअसल, एक सप्ताह पहले भोपाल के बगरोदा में गुजरात एटीएस और एनसीबी ने एमडी ड्रग्स बनाने का कारखाना पकड़ा था। यहां से 1814 करोड़ के करीब की एमडी ड्रग्स और उसे बनाने का कच्चा माल बरामद किया गया है। इस केस में नासिक निवासी सान्याल बाने, भोपाल निवासी अमित चतुर्वेदी, मंदसौर निवासी हरीश आंजना और प्रेमसुख पाटीदार गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

# जामनगर राजघराने के उत्तराधिकारी होंगे पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा

जामनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जाने-माने पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजघराने के अगले उत्तराधिकारी होंगे। जाम साहब शत्रुशल्य सिंह महाराज ने इसकी घोषणा की। क्रिकेटर के साथ-साथ अजय जडेजा टी20 विश्वकप के दौरान अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के साथ मेंटर के रूप में जुड़े थे और टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। शत्रुशल्य सिंह ने कहा, दशहरा वह दिन है जिस दिन पांडवों ने 14 वर्ष का अज्ञातवास सफलतापूर्वक पूरा करके विजय का अनुभव किया था। आज मैं भी विजयी महसूस कर रहा हूं, क्योंकि अजय जडेजा ने मेरे उत्तराधिकारी और नवानगर का अगला जाम साहब बनना स्वीकार किया है, जो मैं सचमुच जामनगर के लोगों के लिए एक बड़ा वरदान मानता हूं। उन्होंने यह जिम्मेदारी स्वीकार करने के अजय जडेजा को धन्यवाद भी कहा।

जामनगर के शाही परिवार की क्रिकेट में समृद्ध विरासत है। प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी और दलीप ट्रॉफी का नाम क्रमशः जडेजा के रिश्तेदारों केएस रणजीत सिंह और केएस दलीप सिंह के नाम पर रखा गया है। इसी परिवार से ताल्लुक रखने वाले अजय जडेजा 1992 से 2000 तक भारतीय टीम में भी रहे। अजय जडेजा के पिता दौलत सिंह, शत्रुशल्य सिंह के भाई हैं।

## विहिप नेता की हत्या का मामला

# आतंकी वधावा सिंह समेत 6 के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान स्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी वधावा सिंह और पांच अन्य आतंकियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। उन पर इस साल अप्रैल में पंजाब में विश्व हिंदू परिषद के नेता प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की हत्या का आरोप है।

विश्व हिंदू परिषद के नेता प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की 13 अप्रैल 2024 को रूपनगर जिले के नांगल में बीकेआई मॉड्यूल के आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। आज दाखिल एनआईए की चार्जशीट में बब्बर के साथ-साथ दो अन्य फरार आरोपियों और तीन गिरफ्तार आरोपियों को मुख्य अपराधियों के रूप में नामित किया गया है। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में से दो की पहचान शूटर मनदीप कुमार उर्फ मंगली और सुरिंदर कुमार के रूप में हुई है, दोनों पंजाब के नवांशहर के निवासी हैं। उन पर यूए(पी) एक्ट, आईपीसी और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

एनआईए की चार्जशीट में तीसरे गिरफ्तार आरोपी का नाम गुरप्रीत राम उर्फ गोरा है, वह भी नवांशहर का रहने वाला है। इनपर शस्त्र अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। तीनों फरार आरोपी इन गिरफ्तार आरोपियों के संचालक थे। वर्तमान में पाकिस्तान में रह रहे बब्बर ने नवांशहर के हरजीत सिंह उर्फ लाडी और हरियाणा के यमुनानगर के कुलबीर सिंह उर्फ सिद्धू के साथ मिलकर हमले के लिए हथियार, गोला-बारूद और धन आदि मुहैया कराया था। 9 मई 2024 को राज्य पुलिस से मामले को अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने घातक आतंकी हमले के पीछे बीकेआई की अंतराष्ट्रीय साजिश का पता लगाया। एनआईए की जांच के अनुसार, विभिन्न देशों में स्थित बीकेआई मॉड्यूल के कई सदस्य लक्षित हत्या को अंजाम देने के लिए एक साथ आए थे। सूत्रों के अनुसार, जांच में यह भी पता चला है कि पाकिस्तान से वाधवा सिंह ने जर्मनी स्थित नोड्स, हरजीत सिंह उर्फ लाडी और कुलबीर सिंह उर्फ सिद्धू को हत्या करने का निर्देश दिया था। दुबई स्थित लॉजिस्टिक्स प्रदाता और भारत स्थित हथियार आपूर्तिकर्ताओं की भूमिका भी जांच में सामने आई है, जांच जारी है। बता दें, एनआईए की जांच में इस जघन्य हत्या के लिए बीकेआई द्वारा रची गई एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा हुआ। हमले को अंजाम देने के लिए विभिन्न देशों के सदस्यों ने सहयोग किया। एजेंसी ने 9 मई, 2024 को राज्य पुलिस से मामले को अपने हाथ में ले लिया। वधवा सिंह ने जर्मनी में रहने वाले हरजीत सिंह और कुलबीर सिंह को हत्या को अंजाम देने का निर्देश दिया।

# भारत में भुखमरी में आई कमी, लेकिन अब भी गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में भारत इस बार 127 देशों की सूची में 105वें स्थान आ गया है। पिछले वर्ष 125 देशों में भारत 111वें नंबर पर था और उससे पहले 107वें स्थान पर। यानी इस बार स्थिति में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन 27.3 अंक के साथ भारत अभी भी गंभीर भूख की समस्याओं वाले 42 देशों में बना हुआ है। इस सूची में चीन, यूएई और कुवैत समेत 22 देश पहले नंबर पर हैं।

जीएचआई बताता है कि किसी भी देश में भुखमरी की स्थिति क्या है। जिस देश का स्कोर जितना कम होगा यानी वहां वहां के लोग उतने कम भूखे हैं। इस रिपोर्ट को आयरलैंड की संस्था कंसर्न वर्ल्डवाइड और वर्ल्ड हंगर हेल्प मिलकर प्रकाशित करते हैं।

जीएचआई की 19वीं रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से पीछे हैं, जबकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मुकाबले अच्छी स्थिति में है। इसमें बताया कि गया है कि श्रीलंका 56, नेपाल 68 और बांग्लादेश 84वें स्थान के साथ भारत से कहीं आगे हैं। ये सभी देश बेहतर जीएचआई स्कोर के साथ मध्यम श्रेणी में हैं। वहीं, 109वें स्थान वाला पाकिस्तान और 116वें स्थान के साथ अफगानिस्तान गंभीर श्रेणी में शामिल हैं।

जीएचआई के अनुसार, कुछ अफ्रीकी देश खतरनाक श्रेणी के अंतिम छोर पर हैं। रिपोर्ट में गाजा और सूडान में युद्ध को असाधारण खाद्य संकट का कारण बताया गया है। इसमें कहा गया है कि युद्ध और नागरिकों के बीच संघर्ष अन्य स्थानों पर भी खाद्य संकट पैदा कर रहा है, जिनमें डॉमिनिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, हैती, माली और सीरिया शामिल हैं।

# अभ्यास के दौरान तोप का गोला फटने से दो अग्निवीरों की मौत

नासिक, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में फायरिंग एक्सरसाइज के दौरान हुए हादसे में दो अग्निवीरों की मौत हुई है। अभ्यास के दौरान तोप का गोला फटने से यह दुखद हादसा हुआ है। भारतीय सेना के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, फायरिंग एक्सरसाइज के दौरान आर्टिलरी शेल फटने की वजह से हुए हादसे में भारतीय सेना के दो अग्निवीरों की मौत हुई।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि दोनों अग्निवीर हैदराबाद से महाराष्ट्र के नासिक स्थित आर्टिलरी स्कूल में ट्रेनिंग के लिए पहुंचे थे। सेना ने इस हादसे के वास्तविक कारण पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के दिए निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में अग्निवीर गोहिल विश्वराज सिंह (20) और सैफत शिल्ट (21) की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि अग्निवीरों की एक टीम तोप से गोले छोड़ रही थी, तभी एक गोला फट गया, जिससे दो अग्निवीर घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें देवलाली के एमएच अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हवलदार अजीत कुमार की शिकायत के आधार पर देवलाली कैंप पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है तथा जांच जारी है।

## कर्नाटक में तुष्टिकरण की राजनीति का एक और नमूना

# हुबली हिंसा मामले को वापस लेगी कांग्रेस सरकार

बेंगलुरु, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक में 2022 में हुई हुबली हिंसा के मामले को कांग्रेस सरकार ने वापस लेने का निर्णय लिया है। इस मामले में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता समेत कई लोग आरोपी बनाए गए थे। उनके ऊपर इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ इकट्ठा करके हुबली पुलिस थाने पर धावा बोलने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने का आरोप था। उस हिंसा के दौरान न केवल पुलिस स्टेशन और पुलिस वाहनों पर पथराव किया गया था, बल्कि पास के एक हनुमान मंदिर और अस्पताल को भी निशाना बनाया गया था, जिससे काफी नुकसान हुआ था। इसके अलावा इस हिंसा में 12 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

घटना 16 अप्रैल 2022 को हुई थी। भीड़ काबू होने के बाद पुलिस ने इस केस को दर्ज किया था। हालांकि बाद में राज्य में कांग्रेस सरकार आई और इस केस को वापस लेने के लिए डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार ने एक पत्र लिखा। ये पत्र अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को 4 अक्टूबर 2023 को लिखा गया था। इसमें उप मुख्यमंत्री ने आग्रह किया था कि केस वापस ले लिया जाए। रिपोर्ट्स बताती हैं कि उसी अनुरोध के बाद राज्य के गृह विभाग को वो पत्र भेजा गया और निर्णय को मंजूरी दी गई।

गौरतलब है कि कर्नाटक में साल 2022 में हनुमान जयंती के बाद हुबली में एक सोशल मीडिया पर बवाल हुआ था। इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने सड़कों पर उतरकर पुलिस को निशाना बनाया था और सड़कों पर उपद्रव किया था।बाद में इस मामले में पुलिस ने 100+ से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि भीड़ को उकसाने में एआईएमआईएम नेता मौलाना वसीम शामिल था।

# पहली बार जम्मू संभाग को नई सरकार में न्यूनतम प्रतिनिधित्व

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 13 अक्टूबर।

2024 के चुनावों के बाद जम्मू कश्मीर में राजनीतिक परिदृश्य में भारी बदलाव आया है, क्योंकि जम्मू संभाग को 22 वर्षों में पहली बार नई सरकार में न्यूनतम प्रतिनिधित्व मिला है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के गठबंधन सरकार बनाने के साथ, कभी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली रहे जम्मू क्षेत्र के नए प्रशासन में केवल कुछ प्रतिनिधि होंगे। एक अभूतपूर्व स्थिति में, जम्मू के चार जिलों- सांबा, कठुआ, उधमपुर और जम्मू- का नई सरकार में कोई सीधा प्रतिनिधित्व नहीं होगा, क्योंकि उनके अधिकांश प्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हैं, जो विपक्ष में रहेगी।

जम्मू और कठुआ के केवल दो निर्दलीय विधायकों, जिन्होंने नेकां को समर्थन व्यक्त किया है, की छोटी भूमिका होने की उम्मीद है। 2002, 2008 और 2014 में बनी पिछली गठबंधन सरकारों में जम्मू संभाग की महत्वपूर्ण भागीदारी थी। कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पैंथर्स पार्टी के 2002 के गठबंधन में सरकार में जम्मू के 19 विधायक थे, जिसमें इस क्षेत्र से 8 से 10 मंत्री थे। इसी तरह, 2008 में कांग्रेस और पैंथर्स पार्टी के साथ उमर अब्दुल्ला की सरकार में जम्मू से 21 विधायक थे, और मंत्रियों की मजबूत उपस्थिति थी। यहां तक कि 2014 की पीडीपी-बीजेपी सरकार में भी जम्मू के 25 विधायक प्रशासन का हिस्सा थे, जिसमें संभाग से 8 से 10 मंत्री थे।

इसके विपरीत, 2024 के नए नेकां-कांग्रेस गठबंधन में जम्मू से केवल 10 से 11 विधायक शामिल होने वाले हैं, लेकिन बहुत कम लोगों के प्रमुख कैबिनेट पदों पर रहने की उम्मीद है। नेकां के संभावित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चिंताओं को कम करने की कोशिश की है, यह कहते हुए कि नई सरकार पूरे जम्मू और कश्मीर की सेवा करेगी, न कि केवल एक क्षेत्र की। हालांकि, जम्मू क्षेत्र के राजनीतिक विश्लेषक संदेह व्यक्त करते हैं, यह देखते हुए कि सरकार भी का प्रतिनिधित्व करने का वादा कर सकती है, लेकिन कैबिनेट में सांबा, कठुआ, उधमपुर और जम्मू जैसे प्रमुख जिलों से स्थानीय आवाजों की अनुपस्थिति उनके हितों को कमतर आंक सकती है।

इन जिलों में भाजपा का दबदबा- जम्मू में 11 में से 10 सीटें, सांबा में सभी तीन सीटें, उधमपुर में सभी चार सीटें और कठुआ में छह में से पांच सीटें जीतना- इसका मतलब है कि ये क्षेत्र काफी हद तक विपक्ष में रहेंगे।

ऐतिहासिक रूप से, इन जिलों के मंत्री, जैसे कि लाल सिंह, निर्मल सिंह, प्रिया सेठी और बाली भगत भाजपा से और कांग्रेस के मंत्री जैसे कि रमन भल्ला, तारा चंद और मनोहर लाल, राज्य शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। चुनाव ने जम्मू के भीतर एक विभाजन को भी उजागर किया है। जम्मू, सांबा और कठुआ के मैदानी इलाके, जहां भाजपा का मजबूत समर्थन है, सरकार के प्रतिनिधित्व के बिना रह जाएंगे। इसके विपरीत, रामबन, किश्तवाड़, डोडा, राजौरी और पुंछ जैसे जिले, जहां नेकां और कांग्रेस का समर्थन है, कुछ मंत्री पद देख सकते हैं।

हालांकि, चिंता है कि ये मंत्री मुख्य रूप से अपने क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिससे जम्मू, सांबा और कठुआ के हिंदू बहुल क्षेत्रों को सरकार में मजबूत अधिवक्ताओं के बिना छोड़ दिया जाएगा। विश्लेषकों का तर्क है कि प्रतिनिधित्व में यह अंतर जम्मू के हिंदू-बहुल जिलों में राजनीतिक शून्य पैदा कर सकता है, जिससे संभावित रूप से आबादी में असंतोष पैदा हो सकता है। जबकि सरकार सभी क्षेत्रों के हित में काम करने का दावा कर सकती है, वास्तविकता यह है कि आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से की प्रशासन में कोई सीधी आवाज़ नहीं होगी।

2002 के बाद पहली बार, जम्मू-आधारित पार्टियां सरकार का हिस्सा नहीं होंगी। पिछले गठबंधनों में, कांग्रेस और भाजपा दोनों ने यह सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी कि जम्मू के हितों का उच्चतम स्तर पर प्रतिनिधित्व हो। हालांकि, इस बार, सरकार का संचालन मुख्य रूप से कश्मीर-केंद्रित नेकां और कांग्रेस द्वारा किया जाएगा, जिससे जम्मू का राजनीतिक भविष्य अनिश्चित हो जाएगा।

# पिछड़ा वर्ग की मंजूरी के बाद ही होंगे पंचायत चुनाव

जम्मू, 13 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव तभी होंगे जब नई सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग द्वारा की जाने वाली आरक्षण सिफारिशों को मंजूरी देगी। स्थानीय शासन के भविष्य को आकार देने वाले लगभग 65 लाख मतदाताओं के साथ, आयोग आरक्षण सिफारिशों पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए लगन से काम कर रहा है, जिसे जल्द ही सरकार को सौंप दिया जाएगा।

हाल के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद, राज्य चुनाव आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में स्थानीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए पंचायत चुनावों के संबंध में अपने प्रयासों को तेज कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, चुनावी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए, इस महीने के अंत तक मौजूदा मतदाताओं की सूची राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने की तैयारी चल रही है। इससे मतदाता विशेष सारांश प्रक्रिया के दौरान अपने रिकॉर्ड में संशोधन कर सकेंगे। जैसा कि पहले ही बताया गया है, यूटी प्रशासन ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश जनक राज कोतवाल के नेतृत्व में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राज कुमार भगत और एसकेयूएएसटी जम्मू के पूर्व डीन प्रोफेसर मोहिंदर सिंह के साथ तीन सदस्यीय ओबीसी आयोग का गठन किया उनका काम जम्मू-कश्मीर की कुल आबादी में ओबीसी के प्रतिनिधित्व का मूल्यांकन करना है, साथ ही नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों में आरक्षण प्रावधानों का आकलन करना है।

इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में पहली बार ओबीसी आरक्षण लागू करना है। आयोग के निष्कर्ष यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि क्या संबंधित क्षेत्रों में पहले से ही पर्याप्त प्रतिनिधित्व मौजूद है, जो आरक्षण की आवश्यकता पर निर्णय को प्रभावित कर सकता है।

मौजूदा पंचायतों का कार्यकाल 9 जनवरी, 2024 को समाप्त हो गया, जिससे विकास कार्य का प्रबंधन खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) द्वारा किया जाना है। 65,85,263 मतदाता अपने मतपत्र डालने के पात्र हैं, इन संख्याओं को चुनावों से पहले संशोधनों के साथ अपडेट किया जा सकता है, जो संभवतः नवंबर-दिसंबर के लिए निर्धारित हैं।

सरकार पंचायती राज अधिनियम के तहत चुनाव प्रक्रिया की देखरेख करेगी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू और कश्मीर में कुल 4,291 पंचायतें हैं, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व एक सरपंच करता है, जिसमें 33,597 पंच पद चुनाव के लिए उपलब्ध हैं। पंचायतों का वितरण जिलों में अलग-अलग है, उधमपुर (236), रामबन (143), पुंछ (229) और कश्मीर संभाग के विभिन्न जिलों में उल्लेखनीय संख्या है, जिसमें श्रीनगर में 21 और बारामूला में 402 शामिल हैं। राज्य चुनाव आयुक्त बीआर शर्मा ने पुष्टि की कि पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ओबीसी आरक्षण को अंतिम रूप दिए जाने के बाद होंगे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

# संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे : सीएम योगी

### प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह में बोले मुख्यमंत्री योगी

**गोरखपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। छुआछूत, अस्पृश्यता को दूर कर एकजुट रहेंगे खुद की और राष्ट्र की भी सुरक्षा कर सकेंगे। हमें उन पाखंडों से दूरी बनाकर रहना है जिससे चलते गुलामी का दंश झेलना पड़ा और आक्रांताओं को हमारे धर्म स्थलों को खंडित करने तथा सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का मौका मिला।

सीएम योगी शनिवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठित न रहने के कारण ही गुलामी के अलग अलग कालखंड में कभी काशी में विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में राम मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को अपवित्र करने दुस्साहस आक्रांताओं ने किया। हम परतंत्र होंगे तो फिर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता सिर्फ राजनीतिक ही नहीं होती। बल्कि वह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वाहक भी होती है। इसलिए हमें संगठित होकर स्वतंत्रता दिलाने वाले अनेकानेक बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित रहने के लिए, संगठन की ताकत दिखाने के लिए आवश्यक है कि हम जाति, मत, संप्रदाय, भाषा, छुआछूत जैसे भेदभाव से दूर रहें। इसी संदेश से लोगों को जोड़ने के लिए अयोध्या में जहां 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तो वहीं श्रीराम की कथा को देने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया है।

अयोध्या में रसोईगृह माता शबरी के नाम पर बनी है तो यात्री विश्रामालय भगवान राम के अभिन्न सखा निषादराज के नाम पर। यह सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा का निर्माण सरकार करवा चुकी है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ का आयोजन भी विरासत के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन होगा।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कहीं अन्य जगह जब सभ्यता का नामोनिशान नहीं था तब भारत में सभ्य सनातन समाज अस्तित्व में था। सनातन समाज कभी विपन्न नहीं रहा। वह बुद्धि और वैभव में सदैव अग्रणी रहा।

साजिश के तहत क्षेत्र, जाति, भाषा, मत आदि के नाम पर मध्यकाल में उसे विभाजित किया गया जिसके विषाणु आज भी यत्र-तत्र बिखरे पड़े हैं। इन विषाणुओं को हमें कतई पनपने नहीं देना है। सीएम ने कहा कि हमें संगठित होकर सकारात्मक दिशा में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से जुड़ना है। व्यक्तिगत स्वार्थ कभी भी राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। हमारा हर काम देश के नाम होना चाहिए। अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हुआ आंदोलन भी इसी की प्रेरणा देता है।

राम मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनके पूज्य गुरुदेव का आखिरी सपना मंदिर निर्माण को साकार होते देखना था। उनके जीवन के अंतिम क्षणों में जब विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल जी उनसे मिलने आए तब उन्होंने उनसे यही कहा था, अशोक जी राम मंदिर निर्माण कब तक हो पाएगा। एक बार मंदिर निर्माण देख लेते तो जन्म धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब राम मंदिर बन गया है तो उनके गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज समेत अनगिनत संतो को तसल्ली हो रही होगी।

सीएम योगी ने कहा कि विरासत के संरक्षण और विकास की यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ी है। देश और दुनिया में रहने वाले सनातनियों, भारतीयों को इस पर गर्व होता है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले कौन मानता था कि अयोध्या में जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो पाएगा। तब हमारे जैसे कुछ सनातनी ही दृढ़ विश्वास से कहते थे कि श्रीराम मंदिर अवश्य बनेगा। और, आज मंदिर निर्माण का संकल्प साकार हो गया है। काशी में भव्य विश्वनाथ धाम की परिकल्पना साकार हो गई है। विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी धाम का भव्य स्वरूप साकार हो रहा है। चित्रकूट रामराज्य की परिकल्पना के साकार होने का साक्षी बन रहा है।

पांच हजार वर्ष पूर्व जिस शुक्रतीर्थ में पहली बार भगवत कथा हुई थी, उसका गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है। नैमिषारण्य को पौराणिक और वैदिक काल के स्वरूप से नई काया में प्रस्तुत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मानसरोवर मंदिर के पास जहां यह रामलीला हो रही है वहां मंदिर के दर्शन कम भैंस के दर्शन अधिक होते थे। जबकि आज यूपी में मानसरोवर मंदिर सहित एक हजार से अधिक स्थानों का पुनरुद्धार हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विजयादशमी के पावन पर्व पर हम अपनी हजारों वर्ष की विरासत को अपने इष्ट के श्रीचरणों में समर्पित कर राज्याभिषेक के रूप में मनाते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने जब अधर्म, असत्य, अन्याय और अत्याचार के पर्याय रावण का वध किया होगा तो संभवतः इसी तरह सायंकाल रहा होगा।

उन्होंने कहा कि उनके लिए यह गौरव की अनुभूति है कि उन्हें भारत की विरासत से जुड़ी विजयादशमी पर गोर-क्षपीठ की तरफ से प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक का अवसर प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हजारों वर्षों पूर्व विष्णु भगवान ही धर्म की स्थापना, संतों के उद्धार और मानवता के कल्याण के लिए श्रीराम के रूप में अवतरित हुए थे। जो दुख, कष्ट, षडयंत्र आपके जीवन में रहते हैं, वही श्रीराम के साथ ही होते रहे। पर, जीवन पर्यंत वह धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग से विचलित नहीं हुए। जीवन के प्रत्येक पक्ष में मर्यादा का पालन करते हुए उन्होंने रामराज का आधार खड़ा किया।

सीएम योगी ने कहा कि विजयादशमी पर एक तरफ जहां श्रीराम का राज्याभिषेक होता है, उनकी आरती उतारी जाती है तो वहीं दूसरी तरफ इस अवसर पर रावण का पुतला दहन भी होता है।

इसमें यह संदेश निहित है कि जो भी मानवता के खिलाफ काम करेगा, अत्याचार करेगा, अधर्म और असत्य के मार्ग पर चलेगा उसका ऐसे ही पुतला जलेगा, चाहे वह कोई भी हो। और जो धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए मानवता का कल्याण करेगा, विरासत और विकास में सहभागी बनेगा उसकी, श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण और रामभक्त हनुमान के रूप में उसकी पूजा होती रहेगी, अभिनंदन होता रहेगा। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीव-स्तव, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अयोध्या से आए धर्मदास, काशी से आए संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल, चंद्र प्रकाश अग्रवाल, शोभित मोहनदास, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, लोक गायक राकेश श्रीवास्तव, रामलीला समिति के अध्यक्ष रेवती रमन दास, महामंत्री पुष्पदंत जैन, मनीष अग्रवाल, दीप अग्रवाल, राजीव रंजन अग्रवाल, पंकज अग्रवाल आदि मौजूद थे।

## 10 साल पहले एटीएस ने की थी बाबा सिद्दीकी के खिलाफ जांच

**लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।** मुंबई में कातिलाना हमले में मारे गए पूर्व विधायक एवं एन-सीपी के नेता बाबा सिद्दीकी के खिलाफ 10 साल पहले एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने जांच-पड़ताल की थी। दुबई में रहने वाले मुंबई निवासी कारोबारी हाफिज ने बाबा सिद्दीकी द्वारा 20 करोड़ रुपए हड़पने की शिकायत की थी।

जांच में हाफिज की शिकायत प्रमाणित तो नहीं हो पाई, लेकिन यूपी एटीएस को कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बारे में कई अहम जानकारियां मिली थीं, जिसे मुंबई पुलिस से साझा किया गया था। इससे फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों की जान बचाई जा सकी थी।

यूपी एटीएस के तत्कालीन निरीक्षक अविनाश मिश्रा ने हाफिज की शिकायत की जांच की थी, जिसमें सामने आया था कि बाबा सिद्दीकी की दाऊद से 20 करोड़ रुपए के लेन-देन की अदावत चल रही थी, जिसकी वजह से दाऊद के इशारे पर उसने लखनऊ में शिकायत की थी। हाफिज ने आरोप लगाया था कि लखनऊ आने पर उसे बाबा सिद्दीकी ने जान से मारने की धमकी दी है। जब एटीएस ने हाफिज के बारे में पता किया तो उसका दाऊद से लिंक सामने आया। जिसके बाद उसने सच कबूल दिया।

एटीएस ने उससे दाऊद गिरोह के बारे में कई सूचनाएं जुटाने के बाद उसे मुंबई पुलिस से साझा भी किया था। अविनाश मिश्रा ने बताया कि इससे पहले दाऊद ने माफिया बबलू श्रीवास्तव और छोटा राजन को भी जेल में मरवाने की साजिश रची थी। इसके लिए पश्चिम यूपी के शूटरों को सुपारी दी गई थी। इसका खुलासा होने के बाद दोनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, जिससे दाऊद अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सका था।

## अध्ययन और शोध के लिए चीन के साथ होगा करार

**कानपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एवं मैथमेटिक्स (स्टेम) के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चीन अब भारत के विश्वविद्यालयों के साथ समझौता करेगा। यह फैसला चीन के बीजिंग में चल रहे तीसरे ग्लोबल यूनिवर्सिटी एसोसिएशन फोरम ऑन हायर एजुकेशन में लिया गया। सम्मेलन में भारत की ओर से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति व भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक और महासचिव डॉ. पंकज मित्तल गए हैं। सम्मेलन में कुलपति प्रो. विनय पाठक ने कहा कि यूरोपियन और भारतीय विश्वविद्यालय को मिलकर एकेडमिक करियर पर काम करने की आवश्यकता है। सभी विश्वविद्यालयों को 2030 तक शिक्षा के साथ संस्कृति पर भी काम करना चाहिए। उन्होंने प्राचीन ज्ञान परंपरा और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर विस्तार से जानकारी दी। भारत, चीन के अलावा अन्य देशों से आए विशेषज्ञों ने भी विश्व में स्टेम एजुकेशन की जरूरत पर चर्चा की। उन्होंने कहा स्टेम एजुकेशन के बिना समाज की चुनौतियों को खत्म नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों ने कहा कि एकेडमिक स्तर के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में भी मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

**मूर्ति विसर्जन पर मुस्लिमों ने किया बवाल, भीषण पत्थरबाजी**

## हिंदू युवक को घसीट कर मारी गोली, मौके पर ही मौत

### गोली से एक और युवक जख्मी, पुलिस देखती रही तमाशा

**बहराइच, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** बहराइच जिले के महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में रविवार की शाम मूर्ति विसर्जन के दौरान डीजे पर बज रहे भजन को लेकर मुस्लिमों ने विवाद शुरू कर दिया। मुस्लिम युवकों ने गाली-गलौज की और छत से पत्थरबाजी शुरू कर दी। पत्थर चलने से मां दुर्गा की प्रतिमा खंडित हो गई। हिंदुओं द्वारा विरोध करने पर मुस्लिम उपद्रवियों ने एक हिंदू युवक रामगोपाल मिश्रा को घसीट लिया और उसे गोली मार दी। रे-हुवा मंसूर निवासी रामगोपाल की मौके पर ही मौत हो गई। उसे बचाने की कोशिश में राजन (28) गंभीर रूप से घायल हो गए। एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। मौके पर छह थानों की पुलिस और पीएसी तैनात है, लेकिन पुलिस उपद्रवियों को काबू में नहीं कर पाई।

घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महसी तहसील की प्रतिमा शांति पूर्वक विसर्जन के लिए जा रही थी। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर कस्बा निवासी सोनार अब्दुल हमीद अपने बेटे सबलू, सरफराज और फहीम के साथ मौके पर पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी।

मूर्ति के साथ चल रहे लोगों ने जब इसका विरोध किया तो छतों से पत्थरबाजी कर दी। जिसमें मां दुर्गा का हाथ खंडित हो गया। जिसके बाद विसर्जन रोक कर हिंदुओं ने विरोध जताया और नारेबाजी की। इस दौरान हमीद और उसके साथ मौजूद हजारों की भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। उपद्रवी रामगोपाल मिश्रा (24) को घसीट कर अपने घर में ले गए। वहां उसे बर्बरता-पूर्वक पीटा, उसके नाखून उखाड़ डाले और और उसे कई गोलियां मारी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। उसे बचाने पहुंचे उसी के गांव के रहने वाले राजन (28) भी गंभीर रुप से घायल हो गए। राजन के अतिरिक्त लगभग एक दर्जन लोग घायल हैं।

महराजगंज घटना की आग देखते ही देखते पूरे जिले में फैल गई है। आक्रोशित विसर्जन कमेटी के लोगों ने जहां बहराइच-सीता-पुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं फखरपुर कस्बे में बहराइच-लखनऊ हाईवे जाम है। यही नहीं शहर के घंटाघर पर दुर्गा पूजन महासमिति ने भी विसर्जन रोक दिया है और सैकड़ो मूर्तियां ख़ड़ी हो गई हैं। पूजन समिति के पदाधिकारी समेत हजारों की संख्या में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में रामगोपाल की मौत के बाद मेडिकल कॉलेज में भी प्रदर्शन व नारेबाजी की गई। वहीं इसके बाद आक्रोशित लोग शव लेकर मेडिकल कॉलेज के बाहर पहुंचे और सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मेडिकल कालेज के पास से गुजर रही मूर्तियां भी रोक दी गई हैं और प्रदर्शन जारी है।

## पुलिस ने डासना मंदिर पर संतों को नहीं करने दी महापंचायत

### नेशनल हाईवे घेर कर बैठ गए संत, यति नर-सिंहानंद को किया नजरबंद

**गाजियाबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** मुस्लिमों की गुंडागर्दी के खिलाफ डासना में बुलाई गई महापंचायत पुलिस ने नहीं होने दी। महापंचायत के लिए जुटे संत समाज और नागरिकों ने नेशनल हाईवे पर ही महापंचायत की और गुंडागर्दी पर उतारू मुस्लिम अपद्रवियों पर रासुका के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की। महापंचायत में लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर समेत बड़ी तादाद में संत समाज के लोग उपस्थित थे। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती को पुलिस ने नजरबंद कर दिया, जिससे वे महापंचायत में नहीं पहुंच पाए।

पुलिस ने सुबह ही डासना मंदिर की ओर जाने वाले वाले रास्तों को बेरिकेड लगाकर बंद कर दिया। छह कंपनी पीएसी के अलावा आसपास के थानों से भी पुलिसबल तैनात किया गया था। इस रास्ते पर जिन लोगों को घर और दुकान हैं, उनको भी आव-ाजाही में दिक्कत हुई। शाम तक दुकानें भी बंद रहीं।

करीब 11 बजे युवाओं का एक जत्था दूधिया पीपल की तरफ से मंदिर की जाने लगा तो पुलिस ने उनको बैरिकेड लगाकर उनको रोक दिया। इसी दौरान पुलिस से पहले उनकी कहासुनी हुई। फिर उन्होंने बैरिकेड पलट दी। तभी पुलिस ने लाठी फटकारकर इन लोगों को खदेड़ दिया। मंदिर को जाने वाले मुख्य रास्ते पर भी जब पुलिस का सख्त पहरा देखा तो बड़ी तादाद में लोग वहीं से लौट गए। अंदर जाने की जिद पर अड़े 65 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

महापंचायत में हिस्सा लेने के लिए यूपी के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान से बड़ी तादाद में साधु संत एक दिन पहले शनिवार को ही पहुंच गए थे। मंदिर परिसर में महापंचायत की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं। सुबह नौ बजे ही लोग मंदिर पहुंचने के लिए आने शुरू हो गए। साधु संतों को भी पुलिस ने अंदर नहीं जाने दिया।

संतों ने लोगों से अपील की कि पुलिस जहां पर लोगों को रोके, वहीं पर पंचायत कर दो। करीब 11 बजे जब लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर अपने समर्थकों के साथ डासना मंदिर जाने के लिए पहुंचे तो पुलिस ने उनको भी रोक दिया।

इसके बाद वहां हंगामा हो गया। विधायक ने गाजियाबाद पुलिस पर समाज और सरकार को कमजोर करने का आरोप लगाया। घंटों की मशक्कत के बाद भी जब उनको अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली तो उन्होंने एनएच पर ही पंचायत करने की घोषणा कर दी। सैकड़ों लोग सड़क पर ही बैठ और उन्होंने भाषण दिया। उन्होंने महंत पर टिप्पणी और मंदिर के बाहर प्रदर्शन करने वालों पर एनएसए की कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि वह गाजियाबाद पुलिस की कार्यशैली की शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे। करीब एक बजे के आसपास लोग अपने अपने घरों को जाने शुरू हो गए। दो बजे लोगों की भीड़ डासना और आसपास में कम हुई।

महापंचायत में पहुंचे लोगों को जब अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली तो उन्होंने अपने वाहन सड़क किनारे बेतरतीब खड़े कर दिए। भारी भीड़ भी सड़क पर एकत्र हो गई।

इसी वजह से एनएच पर भयंकर जाम लग गया। लोगों को करीब एक किलोमीटर की दूरी में जाम के झाम में फंसकर मुसीबत झेलनी पड़ी। घंटों भी जब कोई समाधान नहीं निकला तो लोग वैकल्पिक रास्तों से दिल्ली की तरफ गए। महापंचायत के आह्वान के बावजूद यति नरसिंहानंद सरस्वती न तो मंदिर में दिखे और न ही वह महापंचायत में आए। वाट्सएप पर उन्होंने कहा कि उन्हें नजरबंद किया गया है। उन्होंने गाजियाबाद पुलिस और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को टैग करते हुए एक वीडियो साझा किया। उसमें कहा कि जो काम मुस्लिम उपद्रवी कर रहे हैं, उससे आगे बढ़ कर वह काम गाजियाबाद पुलिस कर रही है। एक साधु को गाजियाबाद पुलिस गाली दे रही है। क्या आपकी सत्ता में यही होगा? मंदिर के बाहर प्रदर्शन करने, भड़काऊ भाषण समेत अन्य मामलों में अब तक कविनगर, वेवसिटी, कोतवाली, मसूरी में 20 मुकदमे दर्ज हो चुके ह। वेवसिटी पुलिस मंदिर के बाहर प्रदर्शन करने के मामले में 22 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा 14 लोगों की गिरफ्तारी कोतवाली पुलिस ने की है।

**पीएम के दीर्घायु और देश कल्याण हेतु रामेश्वरम से काशी तक पैदल पहुंचे भक्त**

## काशी विश्वनाथ मंदिर प्रबंधन ने प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया

### मंत्री के हस्तक्षेप पर टूटा मंदिर प्रबंधन का दंभ, प्रमाणपत्र जारी

**वाराणसी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु और भारत के कल्याण के लिए 24 लोग पदयात्रा करके रामेश्वर से काशी तक आए, लेकिन मंदिर प्रशासन ने उन्हें प्रमाण पत्र देने से मना कर दिया।

आखिरकार 24 सदस्यीय भक्तों का दल आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु से मिला। तब जाकर उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया।

मंत्री ने तत्काल काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ डॉ. विश्वभूषण मिश्रा से बात कर तीर्थयात्रियों की समस्या का निराकरण करवाया।

रामेश्वर के पच्चेक्कावडि अय्या के नेतृत्व में रामेश्वर से 24 सदस्यीय दल 140 दिन पैदल चलकर काशी पहुंचा। यहां काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद मंदिर प्रशासन की ओर से प्रमाणपत्र देने से मना करने के बाद प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री से उनके आवास पर जाकर भेंट की। मंत्री के हस्तक्षेप के बाद मंदिर की ओर से प्रमाणपत्र जारी किया गया। बातचीत के दौरान दल ने मंत्री को बताया कि वे काशी से दर्शन करने के बाद पैदल अयोध्या जा रहे हैं। मंत्री ने अयोध्या में रुकने व अन्य व्यवस्था कराने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधि मंडल में बच्चेई कावड़ी, संमुखम, आर अंगमुलु, खन्नन, नटराजन शामिल रहे।

## मादक पदार्थों की तस्करी में महिलाएं सक्रिय

### एक गिरफ्तार, कब्जे से दो किलो गांजा बरामद

**मैनपुरी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में मादक पदार्थ की तस्करी में पुरुष ही नहीं महिलाएं भी सक्रिय हैं। शनिवार को कुरावली रोड से पुलिस ने एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से करीब दो किलो गांजा बरामद हुआ। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र अपराधियों के लिए एक मुफीद ठिकाना बन चुका है। बस स्टैंड के पास जहां खुलेआम कच्ची शराब की बिक्री होती है। वहीं शहर में कई स्थानों पर आपराधिक धंधे चल रहे है। शनिवार की रात को महिला उप निरीक्षक कशिश धामा को सूचना मिली कि सिविल लाइन चौकी क्षेत्र में कुरावली तिराहा के पास एक संदिग्ध महिला मौजूद है। जब मौके पर पहुंचे तो नगला शैतान जाने वाले मार्ग पर संदिग्ध महिला को उप निरीक्षक ने पकड़ने के बाद पूछताछ की।

संपादकीय

# शोक का 'रतन' नहीं

**हर** आंख नम हुई, रोई भी...हर किसी को लगा मानो उसका अपना कोई चला गया...मौत पर ही रुदन क्यों होता है, जबकि वह शाश्वत है? विदाई पर भी आंखें रोती हैं, लेकिन उसमें सुखद एहसास भी निहित होता है। विख्यात, महान उद्योगपति एवं राष्ट्रवादी रतन टाटा हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन यह शोक मनाने का समय नहीं है। शोक और रुदन के 'रतन' नहीं हुआ करते। देश के इस 'अनमोल रतन' की विदाई पर समारोह मनाए जाने चाहिए। रतन टाटा ऐसी शख्सियत थे, जिन्हें 'भूषण' और 'ध्रुवतारे' की उपमा भी दी गई। यदि अब उन्हें 'भारत-रत्न' का सर्वोच्च सम्मान भी दिया जाता है, तो वह सम्मान ही अलंकृत और गौरवान्वित होगा। रतन टाटा भारत माता के 'महानायक' थे। देश उनकी सांसों में बसा था। उनकी हर परियोजना में भारत और उसका चौतरफा विकास ही समाया था। वह इसलिए महान और विख्यात नहीं थे कि अरबों डॉलर की कंपनियों के वह सर्वेसर्वा थे, छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में उनका औद्योगिक साम्राज्य फैला था, सुई, नमक से विमान तक का उत्पादन कंपनियों ने किया। उन्होंने टाटा को 'वैश्विक रतन' बना दिया। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण किए। दरअसल रतन टाटा सादगी, सरलता, मानवता, परोपकार और नैतिकता की जीवंत 'किंवदन्ती' बन गए थे, लिहाजा उनके निधन पर आम आदमी भी भावुक, मर्माहत हुआ। यही जिंदगी की संपूर्णता है। उन्होंने न जाने कितने संस्थान स्थापित किए। कैंसर अस्पताल बनाया, जहां 70 फीसदी मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। उनके कुत्ता-प्रेम में भी मानवीय मूल्य थे। अपने पालतू कुत्ते की तबीयत ठीक न होने के कारण उन्होंने ब्रिटिश राजशाही का 'लाइफटाइम सम्मान' लेने का कार्यक्रम भी रद्द कर दिया था। अभी अंतिम यात्रा के दौरान उनका पालतू कुत्ता 'गोवा' उनके पार्थिव शरीर के साथ ही बैठा रहा और मातम मनाता रहा। देश के 'अनमोल रतन' ने आदिवासियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद की, तो कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत सरकार को 1500 करोड़ रुपए का सहयोग देने का संकल्प लिया। मुंबई के 26/11 आतंकी हमले का दौर भी याद आता है। सुरक्षाकर्मी एक तरफ खुले में आराम करते थे, खाना-पीना करते थे, कपड़े तक बदलते थे। आतंकवाद के उन लम्हों में उन्हें तैनात किया गया था। अपने होटल से निकलते हुए रतन टाटा ने सुरक्षा कर्मियों को देखा और तुरंत फैसला लिया कि वे होटल के भीतर ही रहेंगे। वहीं से अपने ऑपरेशन के लिए जाएंगे। मानवता का यह दुर्लभ, अभूतपूर्व उदाहरण है। असम के चाय बागानों में मजदूरों की स्थिति और कार्य-संस्कृति में रतन टाटा ने कई सुधार किए। दरअसल वह श्रम-समर्थक उद्योगपति इसलिए बन पाए, क्योंकि उनके भीतर मानवता कूट-कूट कर समाई थी। वह इनसान पहले थे और बहुत बाद में व्यापारी थे। रतन का मूलमंत्र था कि सत्ता और धन उनके प्रमुख सिद्धांत नहीं हैं। ऐसी शख्सियत के निधन पर शोक क्यों मनाया जाए? उन्होंने भरपूर जीवन जिया और मौज से जिया। वह अरबपति, कुबेरपति की श्रेणी के सम्पन्न, धनाढ्य पुरुष थे, लेकिन बिल्कुल निर्लिप्त थे। जीवन, समाज और देश ने ही उन्हें 'टाटा' बनाया, यहीं से उन्होंने मुनाफा भी कमाया, लेकिन हर क्षेत्र को अपना धन भी समर्पित किया। भारत की बुनियाद को ठोस करते रहे। ऐसे थे हमारे 'अद्भुत रतन'! आज बहुत कुछ याद आ रहा है, लेकिन बहुत कुछ भूलने का भी भय है, क्योंकि रतन घटनाओं और उदाहरणों के भंडार थे। उन्होंने कारोबार विश्व स्तर पर किया, लेकिन कभी नैतिक उसूलों से समझौता नहीं किया। कभी भ्रष्ट या अनैतिक होने की कोशिश तक नहीं की।

> शोक और रुदन के 'रतन' नहीं हुआ करते। देश के इस 'अनमोल रतन' की विदाई पर समारोह मनाए जाने चाहिए। रतन टाटा ऐसी शख्सियत थे, जिन्हें 'भूषण' और 'धुरवतारे' की उपमा भी दी गई। यदि अब उन्हें 'भारत-रत्न' का सर्वोच्च सम्मान भी दिया जाता है, तो वह सम्मान ही अलंकृत और गौरवान्वित होगा। रतन टाटा भारत माता के 'महानायक' थे। देश उनकी सांसों में बसा था। उनकी हर परियोजना में भारत और उसका चौतरफा विकास ही समाया था। वह इसलिए महान और विख्यात नहीं थे कि अरबों डॉलर की कंपनियों के वह सर्वेसर्वा थे, छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में उनका औद्योगिक साम्राज्य फैला था, सुई, नमक से विमान तक का उत्पादन कंपनियों ने किया। उन्होंने टाटा को 'वैश्विक रतन' बना दिया। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण किए। दरअसल रतन टाटा सादगी, सरलता, मानवता, परोपकार और नैतिकता की जीवंत 'किंवदन्ती' बन गए थे, लिहाजा उनके निधन पर आम आदमी भी भावुक, मर्माहत हुआ। यही जिंदगी की संपूर्णता है। उन्होंने न जाने कितने संस्थान स्थापित किए। कैंसर अस्पताल बनाया, जहां 70 फीसदी मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। उनके कुत्ता-प्रेम में भी मानवीय मूल्य थे।

## पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेबाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है

# पत्रकारों की स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

ललित गर्ग

> जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है।

**सुप्रीम** कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेबाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता

एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला-बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं।

निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं।

दृष्टि कोण

# रोजगार सृजन के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण उपाय

**हिमाचल** प्रदेश में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में लगभग आठ लाख युवा बेरोजगार हैं। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर तेजी से घट रहे हैं। इसलिए युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। हिमाचल की लगभग 66 प्रतिशत भूमि जंगलों से घिरी है, जहां कई प्रकार की बहुमूल्य जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं। इसलिए, इन पर आधारित लघु उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सरकारी खाली भूमि को किराए पर देकर युवाओं को नकदी फसलें और जड़ी-बूटियां उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। पहले गांवों में नर्सरियां होती थीं, जिनसे वन विभाग पौधे खरीदता था, जिससे लोगों को रोजगार मिलता था। अब यह योजना बंद हो चुकी है, इसलिए इसे पुनः प्रारंभ करने की आवश्यकता है। 'वन लगाओ, रोजी कमाओ' जैसी योजनाओं को फिर से लागू करना चाहिए। सडक़ों के किनारे फलदार पेड़ लगाकर सरकार और स्थानीय युवाओं की सहभागिता से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। सूखे पेड़ों को समय पर बेचकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है, क्योंकि गर्मियों में आगजनी के कारण वन संपदा का नाश हो जाता है। बंजर भूमि पर खैर, तुनी और चंदन के पेड़ लगाकर लोगों को करोड़ों का लाभ पहुंचाया जा सकता है। सरकार भांग की खेती को कानूनी रूप देने पर विचार कर रही है, जिससे कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर आदि जिलों में भांग की खेती की अपार संभावनाएं हैं। भांग का उपयोग कई प्रकार की दवाओं में होता है, और विदेशों में इसकी छाल से कपड़े भी बनते हैं। खड्डों की सामिलात भूमि को खनन विभाग द्वारा हर वर्ष औसत मूल्य पर बेचने का प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे लोगों की निजी भूमि पर खनन के लिए अस्थायी पॉइंट्स प्रदान किए जा सकें। इससे सरकार को राजस्व मिलेगा और लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। हिमाचल प्रदेश में अधिकांश दूध और सब्जियां पंजाब से आती हैं, जो कि केमिकल युक्त होती हैं। यदि प्रदेश के युवा डेयरी फार्मिंग पर ध्यान दें, तो उन्हें उच्च गुणवत्ता वाला दूध और दही सस्ते दामों पर मिल सकता है। इसी प्रकार, युवाओं को मछली पालन, मुर्गी पालन और बकरी पालन के लिए सरकारी सब्सिडी और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे रोजगार के लिए अन्य राज्यों में पलायन न करें। हिमाचल में छोटी-छोटी नदियों की भरपूरता है, और यहां जल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करके रोजगार के नए अवसर बनाए जा सकते हैं। राज्य सरकार को जल आधारित मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। पर्यटन के क्षेत्र में होमस्टे, पैराग्लाइडिंग, योग और धार्मिक पर्यटन को विकसित किया जा सकता है। इसके अलावा हिमाचल के फोक कल्चर जैसे करियाला, धाजा आदि को आधुनिक स्वरूप में रोजगारपरक बनाकर विकसित किया जा सकता है। मेरे विधानसभा क्षेत्र ज्वालामुखी में पैराग्लाइडिंग की अपार संभावनाएं हैं, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। ज्वालामुखी के बिल पट्टियां, जोकि एक चंगर क्षेत्र है, में पैराग्लाइडिंग शुरू होने से टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा और लोकल लोग जो कि गरीबी में अपना जीवनयापन कर रहे हैं, उनको रोजगार भी मिलेगा। हिमाचल में कई ऐसे स्थान हैं जिनका ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है, जैसे ज्वालामुखी के मजिन क्षेत्र में एक भीम गोडा नामक स्थान पड़ता है, जिसका एक इतिहास है। सरकार को स्थानीय स्तर पर इन स्थानों और मंदिरों को चिह्नित कर पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। हिमाचल प्रदेश में सिनेमा के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। हिमाचली सिनेमा अभी अपने विकास के प्रारंभिक चरण में है और इसमें आगे बढने की क्षमता है।

कुछ अलग

# गारंटियों के साइड इफेक्ट...

हर अति के साइड इफेक्ट होते हैं। एक-डेढ़ पैग लगाकर अगर डांस किया जाए तो महफिल जम जाती है, लेकिन चार-पांच पैग मार लिए जाएं तो फिर बंदा गठबंधन सरकार की तरह हिचकोले खाता रहता है, या तो नाली में पड़ा रहता है या फिर चरणों में दंडवत हो जाता है। यह शराब का साइड इफेक्ट है। इसी तरह वोट लेने के लिए दी जाने वाली गारंटियों के साइड इफेक्ट भी होते हैं। शुरू-शुरू में लोग इन गारंटियों की तरफ आकर्षित होते हैं और वोट दे आते हैं। फिर जब गारंटियां झूठी निकलती हैं और ठगे जाने का एहसास होता है तो पब्लिक किक आउट भी कर देती है। यानी साइड इफेक्ट यहां भी होते हैं। अभी एक पड़ोसी राज्य के चुनाव में भी यही हुआ। गारंटियां एक पार्टी ने एक राज्य में सत्ता में आने के लिए दी थी और जब दूसरे राज्य में हुए चुनाव में उसी पार्टी ने वही गारंटियां उस राज्य में भी देने का खेल खेला तो सचमुच में 'खेला' हो गया। लोग पूछने लगे कि पहले राज्य में तो आपकी गारंटियां छलावा साबित हुई हैं और अब हमें छलने आ रहे हो...! ऐसा यहां नहीं चलेगा। यह साइड इफेक्ट था और इसका खामियाजा एग्जिट पोल में जीत कर जश्न मनाने वाली पार्टी जनता के वोट की चोट से चित हो गई। यानी दूल्हा सजा धजा खड़ा रह गया और घोड़ी उसे लंगड़ी मारकर भाग निकली। जिस पार्टी ने ढोल नगाड़े और पटाखे मंगा कर रखे थे, उन्हें दूसरी पार्टी ही बजा गई। यह राजनीतिक साइड इफेक्ट था। चुनावी मौसम आते ही सियासतदानों का 'गारंटी कार्ड' भी उछल-कूद करने लगता है। हर चुनावी मंच पर नेता जी ऐसे वादे ठोंकते हैं, जैसे देश को स्वर्ग बनाने की गारंटी उनके पास हो। अरे भाई, इतनी गारंटी अगर सच में पूरी हो जाए, तो हम चांद पर खड़े होकर भी आलू और प्याज की खेती कर रहे होते। लेकिन सच तो यह है कि चुनावी गारंटी सिर्फ वादों की फुल सर्विस वाली होती है, नतीजे की कोई गारंटी नहीं! अब देखिए, हर चुनाव में नेता जी से लेकर छुटभैये तक गारंटी देते हैं- बिजली, पानी, सडक़, रोजगार, सब कुछ मिलेगा। हर महिला के खाते में हर महीने 1500 आएंगे। हर साल एक लाख बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। बिजली-पानी फ्री मिलेगा और गोबर तक खरीदा जाएगा। जनता भी खुश- 'वाह! इस बार तो हमारे दिन बदल जाएंगे।' पर चुनावी गारंटी भी उसी फ्रिज की तरह है जो वादे तो ठंडे-ठंडे करता है, लेकिन सत्ता की गर्मी मिलते ही ठप हो जाता है। जब जनता गारंटी मांगने जाती है, तो नेताओं के सुर बदल जाते हैं। सत्तारूढ़ दल का एक नेता पब्लिक को समझाता है, 'अरे भाई, यह गारंटी अगले चुनाव तक वैलिड है, अभी थोड़ी लागू होगी!' जबकि दूसरा नेता समझाते हुए यह दलील देता है, 'भैया, यह गारंटी योजना का हिस्सा थी, पर बजट ने धोखा दे दिया। अगली बार पक्का!' पब्लिक जब गुस्से से लाल-पीली होने लगती है तो सत्तासीन दल का सबसे बड़ा नेता टोपी घुमाते हुए कहता है, 'अरे, हमने कोशिश तो की थी, लेकिन विपक्ष ने बीच में करंट मार दिया। अब अगले चुनाव में मिलते हैं!' असल में चुनावी गारंटी उन जूतों की तरह होती है जिन पर लाइफ टाइम गारंटी लिखी होती है, लेकिन चलते-चलते सोल घिस जाता है और नेताजी अगले चुनाव में नए जूते बेचने आ जाते हैं। और कई बार गुस्साई भीड़ जूतम पैजार भी कर देती है...। अखबारों में खबर छपती है कि नेताजी की जनसभा में जूते चल गए और जूते मंच तक पहुंच गए। जूतों की बारिश से नेताजी को सिक्योरिटी कर्मियों ने बड़ी मुश्किल से बचाया। यही गारंटी का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट होता है।

देश दुनिया से

# कांग्रेस की नीतियां और आतंकवाद

> छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया।

**सुरक्षा** बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो, कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी की झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाकपरस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी से सिमट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई है। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं, बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है। नक्सल आतंकवाद का उदय पश्चिमी बंगाल से कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ था। यह फैलते हुए देश के करीब आठ राज्यों में तक पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर राज्यों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें नक्सलियों की रोकथाम करने में विफल रही। केंद्र और राज्य मिलकर काम नहीं कर सके। नक्सली देश के लिए नासूर बन गए। मौजूदा केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने खून-खराबा करने वाले नक्सलियों को जड़ से उखाडऩे की ठान ली है। नक्सली प्रभावित राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर भी आतंकवाद की आग में अभी तक सुलग रहा है। इस अशांत केंद्रशासित प्रदेश में आजादी के बाद से ही नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का शासन रहा है। केंद्र की कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की सरकार आतंकियों को सबक सिखाने में पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान की शह पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाया। नेशनल कान्फ्रेंस, कांग्रेस और दूसरे क्षेत्रीय दल आतंकियों के प्रति नरम रवैया रखते रहे। आतंकियों के समर्थन में पत्थरबाजी की घटनाओं ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। धारा 370 और 35-ए के कारण विशेष दर्जा प्राप्त इस प्रदेश में यह कानून आंतकियों की ढाल बनता रहा है। आतंकी वारदातों के बावजूद कांग्रेस ने कभी भी इस कानून को खत्म करने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत मुस्लिम वोटों के कारण कांग्रेस कभी भी भाजपा जैसी सख्ती नहीं दिखा पाई। नौबत यह आ गई कि पाकपरस्त आतंकी संगठनों ने केंद्र में कांग्रेस के शासन के दौरान देश में बम धमाके करके कानून-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार की नाकामी और ढुलमुल सुरक्षा नीति के कारण देश की सुरक्षा व्यवस्था लगभग चौपट हो गई। पाकपरस्त आंतकियों के हौसले इतने बढ़ गए कि 13 दिसंबर, 2001 को दिल्ली के संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 174 लोगों की मौत हो गई थी।

आप का नजरिया

# विस्थापन बनाम पुनर्वास

**मुआवजे** के तर्क हिमाचल के काम आए, तो विस्थापन की चपेट में आ रहे लोग, राष्ट्रीय स्तर के भुगतान में सबसे बेहतर हो गए। हिमाचल के अलावा केरल व पश्चिम बंगाल में भू अधिग्रहण के एवज में मिलने वाली राशि राष्ट्रीय स्तर पर उत्तम मानी जाती है, फिर भी विस्थापन के कई मंजर प्रदेश के विकास को कुरेद देते हैं। यह इसलिए भी क्योंकि हिमाचल लैंड सीलिंग एक्ट लागू होने के बाद लैंड होल्डिंग बहुत ही कम औसत दर्ज कर रही है। भविष्य के हर संकल्प में विस्थापन का खतरा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि हिमाचल के पास आगे बढऩे के लिए मात्र तीस फीसदी गैर वन भूमि ही बचती है। बाकी जंगल के नाम और अनापत्तियां हासिल करने की वजह से सियासत का जंगल पैदा कर देती है। ऐसे में विकास की खातिर दो मोर्चों पर हिमाचल का अपना संघर्ष है। पहला यह कि अधिक से अधिक जंगल की जमीन को सार्वजनिक विकास के लिए हासिल किया जाए, दूसरे यह कि विस्थापन की अनिवार्यता में उजडऩे वाले को उचित मुआवजा दिया जाए। फिलवक्त सडक़ मार्गों ने जब से फोरलेन की पैमाइश शुरू की है, विस्थापन के संदर्भ हर मोड़ पर खड़े हैं। विस्थापन के आंसू आज भी गोबिंदसागर व पौंग झील में भरे हैं, तो इसलिए कि तब मुआवजे की राशि में लोग लुट गए, जबकि अब पुनर्वास को तौला जा रहा है। दरअसल विकास के ही रथ पर पुनर्वास की स्पष्टता व नीति सवार की जाए, तो सोच बदलेगी। यही वर्तमान में फोरलेन के भू अधिग्रहण में सामने आया और अब कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार दरअसल पुनर्वास के मायनों में सरकार समझ रही है। पुनर्वास बहुत सारे प्रयास के बावजूद सौ फीसदी नहीं हो सकता, फिर भी अगर इसे एक अवसर बनाया जाए तो नए शहर, नई बस्तियां, नए औद्योगिक केंद्र व नए बाजार विकसित हो सकते हैं। आश्चर्य है कि हिमाचल के ही नहीं, देश के सबसे बड़े विस्थापन यानी पौंग डैम के उजड़े तैंतीस सौ परिवारों के लिए अगर एक औद्योगिक शहर बसा दिया गया होता, तो सारा मुआवजा आर्थिकी में परिवर्तित हो जाता। जिन लोगों का उजडऩा राजस्थान के लिए वरदान सिद्ध हुआ, उस प्रदेश ने पुनर्वास के लिए हिमाचल से उजड़े लोगों को तपता रेगिस्तान दे दिया। नतीजतन पौंग विस्थापन का मुआवजा या तो राजस्थान के मुरब्बों में दब गया या पुनर्वास के हिसाब में लुट गया। ऐसे में कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार अगर अपने साथ न्यू गगल, हवाई अड्डा व्यापार कोरिडोर तथा गगल आवासीय बस्ती भी जोड़ ले, तो पुनर्वास आर्थिकी का एक नया लुक पैदा होगा। कहना न होगा कि सुक्खू सरकार ने अब तक के मुआवजों में गगल विस्थापन को सरकार के आतिथ्य में देखा है और अगर यह संभव हुआ तो एक नजीर बनेगा। हिमाचल के विकास में रोजगार के ढांचे को पुख्ता करने के लिए जमीन चाहिए और जिसके लिए वन भूमि और गैर वन भूमि अधिग्रहण लाजिमी है, लेकिन इससे पहले प्रदेश में आधा दर्जन निवेश शहर स्थापित किए जाएं। हमने अब तक बांधों और सडक़ों के लिए जमीन गंवाई है, लेकिन अब रोजगार के लिए ट्रांसपोर्ट नगर, आईटी पार्क, हिल स्टेशन और औद्योगिक परिसर बनाने के साथ ही हर शहर के लिए लैंड बैंक स्थापित करने के लिए विस्थापन और पुनर्वास एक ही साथ होना चाहिए।

# ट्रंप ने कहा राष्ट्रपति बनने के बाद हम भी भारत की तरह करेंगे काम

**वाशिंगटन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव के रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भी मैदान में हैं और वे अमेरिका को बताने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि वे चुनाव जीतते हैं तो उनकी रणनीति क्या होगी।

कैसे वो अमेरिका के लिए काम करेंगे। इसके लिए उन्होंने भारत का उदाहरण दिया है और कहा है कि वो ठीक उसी तरह से काम करेंगे जैसे भारत कर रहा है। रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप ने कहा कि अगर वह अमेरिका के अगले राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह ऐसा ही टैक्स लागू करेंगे।

भारत पर उसकी ऊंची टैरिफ दरों का आरोप लगाते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, शायद अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से समृद्ध बनाने की मेरी योजना का सबसे महत्वपूर्ण तत्व पारस्परिकता है। यह एक ऐसा शब्द है जो मेरी योजना में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आम तौर पर टैरिफ (टैक्स) नहीं लगाते हैं।

ट्रंप ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने बहुत बढ़िया काम किया है। ट्रंप ने एक बार फिर जोर देते हुए कहा कि वे शायद उतना ही शुल्क लेते हैं। झ

ट्रंप ने याद दिलाया कि जब हार्ले डेविडसन ने भारत से संपर्क किया था, तो भारत ने उच्च टैरिफ से बचने के लिए कंपनी से वहां अपना प्लांट बनाने को कहा था। अब वे भारत के साथ अपना कारोबार करते हैं।अपने आर्थिक नीति भाषण के दौरान ट्रम्प ने जोर देकर कहा कि अमेरिका आम तौर पर टैरिफ नहीं लगाता है। पहले ये प्रक्रिया शुरू की गई थी। यह बहुत बढ़िया थी। खास कर वैन और छोटे ट्रकों के साथ ये टैक्स काफी असरदार है। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन 200 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। उन्होंने ब्राजील को बड़ा टैरिफ लगाने वाला देश बताया।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सबसे बड़ा चार्जर भारत है। उन्होंने भारत के साथ हार्ले डेविडसन के व्यापार अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि भारत एक बहुत बड़ा चार्जर है। भारत के साथ अमेरिका के बहुत अच्छे संबंध हैं। उनके भी थे। खास तौर पर मोदी के साथ।

## न्यूज ब्रीफ

### यूक्रेन के 40000 नागरिक लापता,पुलिस और साइबर टीम खोज में जुटी

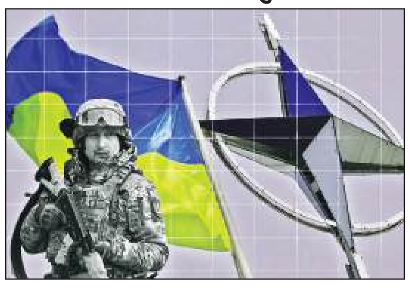

**यूक्रेन।** यूक्रेन और रूस युद्ध के चलते यूक्रेन के 40000 से अधिक नागरिक लापता है। यूक्रेन की पुलिस और साइबर टीम नागरिकों की खोज करने में जुटी हुई है। रूस में यूक्रेन के सैनिक और नागरिक बंधक बनाए गए हैं। परेड के दौरान भी बहुत सारे सैनिक गायब पाए गए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में नागरिक अपनी जान बचाने के लिए यहां से वहाँ भाग रहे हैं। विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सितंबर माह तक 48138 नागरिक लापता थे। फरवरी 2022 के बाद से लापता नागरिकों में अभी तक 7548 नागरिकों का पता लगाया जा चुका है। 40000 से अधिक नागरिक अभी भी लापता हैं। जिनकी खोज में स्थानीय पुलिस और साइबर टीम जुटी हुई है।

### भारतीय रेस्तरां प्रबंधक की हत्या में पाकिस्तानी को उम्रकैद

**लंदन।** इसी साल 14 फरवरी को दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के रीडिंग में साइकिल से घर लौटने के दौरान, रेस्तरां प्रबंधक को एक कार ने टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना में पाकिस्तानी नागरिक शाजेब खालिद को आरोपी पाया गया था। इसके बाद ब्रिटेन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। रीडिंग क्राउन अदालत में सुनवाई के बाद भारतीय मूल के 36 वर्षीय विग्नेश पट्टाभिरामन की हत्या के मामले में पिछले महीने इस पाकिस्तानी नागरिक को दोषी करार दिया गया था और इस सप्ताह की शुरुआत में अदालत ने उसे सजा सुनाई गई है। ब्रिटेन में भारतीय मूल के रेस्तरां संचालक की हत्या करने के जुर्म में एक पाकिस्तानी नागरिक को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। ब्रिटेन की कोर्ट ने पाकिस्तानी मूल के 25 वर्षीय व्यक्ति को यह सजा दी है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी नागरिक ने एक भारतीय रेस्तरां प्रबंधक की हत्या कर दी थी। अब कोर्ट ने इस मामले में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है ।भारतीय मूल के नागरिक की कार से टक्कर मार कर हत्या करने वाली पाकिस्तानी को उम्र कैद की सजा मिलने से जांच अधिकारी भी खुश नजर आ रहे हैं।

### ए आर रहमान ने कमला हैरिस के समर्थन में दी प्रस्तुति, यूट्यूब पर होगा प्रसारण

**वॉशिंगटन।** प्रसिद्ध संगीतकार ए आर रहमान ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के समर्थन में अपने संगीत कार्यक्रम का 30 मिनट का एक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिससे पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनके (हैरिस के) प्रचार अभियान को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस वीडियो का एएपीआई विक्ट्री फंड के यूट्यूब पर प्रसारण किया जाएगा। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि 30 मिनट के इस कार्यक्रम में रहमान के कुछ सबसे पसंदीदा गाने शामिल होंगे, जिनमें कमला हैरिस की ऐतिहासिक उम्मीदवारी और एएपीआई समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालने वाले संदेश भी शामिल होंगे। रहमान (57) दक्षिण एशिया के पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार हैं जिन्होंने भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैरिस का समर्थन किया है। 'एशियन अमेरिकन पैसिफिक आइलैंडर्स (एएपीआई) विक्ट्री फंड' के अध्यक्ष शेखर नरसिम्हन ने कहा, इस प्रस्तुति के साथ ही ए आर रहमान उन नेताओं और कलाकारों के समूह में शामिल हो गए हैं जो अमेरिका में प्रगति और प्रतिनिधित्व का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक संगीत कार्यक्रम से कहीं अधिक है, यह हमारे समुदायों के लिए कार्रवाई का आह्वान है कि वे उस भविष्य के निर्माण की कवायद में शामिल हों और वोट करें जिसे हम देखना चाहते हैं। इससे पहले, एएपीआई विक्ट्री फंड ने घोषणा की कि विश्व विख्यात भारतीय संगीतकार और गायक रहमान ने हैरिस के 2024 के राष्ट्रपति अभियान के समर्थन में 30 मिनट का विशेष वीडियो रिकॉर्ड किया है।

# लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले के विरोध में भारत, 34 देशों के संयुक्त बयान को दिया समर्थन

**बेरूत, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

**लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में अपने सैनिक भेजने वाले 34 देशों ने शांति सैनिकों पर इजरायली हमलों की निंदा करते हुए शनिवार को संयुक्त बयान जारी किया। भारत ने इस संयुक्त बयान को पूरा समर्थन देते हुए कहा है कि वह पूरी तरह इसके साथ है। भारत के 903 सैनिक यूएनआईएफआईएल के तहत लेबनान में तैनात हैं।**

शांति सैनिकों पर हमला कर घिरा इजराइल

इसराइल-लेबनान सीमा पर बिगड़ते हालात को लेकर भारत ने चिंता जाहिर करते हुए इसराइली कार्रवाई के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के बयान पर अपनी सहमति जताई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि एक प्रमुख सैनिक योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत, 34 सैन्य योगदान देने वाले देशों की तरफ से जारी संयुक्त बयान से पूरी तरह से सहमत है। शांति सैनिकों की सुरक्षा को सबसे अहम मानते हुए भारत ने कहा है कि इसे मौजूदा यूएनएससी प्रस्तावों के हिसाब से सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि दक्षिणी लेबनान में इजरायल-हिजबुल्लाह बीच चल रही जमीनी संघर्ष में नकौरा स्थित यूएनआईएफआईएल मुख्यालय पर भी हमले हुए। इन हमलों में कम से कम पांच शांति सैनिक घायल हुए हैं। इजरायली ने भी स्वीकार किया है कि उसके हमले में शांति सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल से लेबनान में शांति सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने की अपील की है।

शांति सैनिकों के बल में दर्जनों देशों के करीब 10 हजार सैनिक हैं जिनमें दूसरी सर्वाधिक संख्या भारतीय सैनिकों की है। इसमें करीब 900 भारतीय सैनिक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले एक साल में हमास व हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजराइल की कार्रवाइयों को लेकर भारत ने बेहद संतुलित रूप से फैसला लिया है लेकिन शांति सैनिकों पर हमले के बाद भारत का स्टैंड अलग दिख रहा है।

## 44 साल में पहली बार लेबनान छोड़ने की सोच रहे एलनगोवन.....अब शांति की उम्मीद नहीं, बिजनेस बेचकर भारत वापस लौट जाऊं

**बेरूत ।** 1989 में लेबनान में गृहयुद्ध हो रहा था। 2006 में इजराइल-लेबनान के बीच हुई जंग भी हमने देखी है, लेकिन इस बार का युद्ध अलग है। लगातार ब्लास्ट की आवाज आती है। 44 साल में मैंने कभी लेबनान छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। अब सोच रहा हूं सब बेचकर इंडिया चला जाऊं।'एस. एलनगोवन बेरूत में रहते हैं। तमिलनाडु के चेन्नई से सब छोड़कर लेबनान आ बसे। सोचा था कि मिडिल ईस्ट के स्विट्जरलैंड जा रहा हूं, वहां कारोबार शुरू करूंगा। एलनगोवन ने शुरुआत में कुछ वक्त नौकरी की। फिर अपनी कंपनी बनाई। अब उनकी लॉन्जरी की फैक्ट्री है। एलनगोवन की तरह लेबनान में करीब तीन हजार भारतीय हैं। इस जंग में ये लोग भी उसकी जद में आ गए। इनमें से कई अब भारत लौटने के बारे में सोच रहे हैं। फ्लाइट महंगी है, एयरस्पेस बंद है, इसलिए लेबनान में ही फंसे हैं। एलनगोवन बताते हैं, मैं 1980 में एक एजेंसी की मदद से लेबनान आया था। शुरुआती 2 साल बहुत अच्छे थे। तब बेरुत में इंटरनेशनल टूरिस्ट आते थे। अच्छा कारोबार होता था। लेबनान आकर लोग काफी पैसे खर्च करते थे। उस दौर में बहुत शांति थी।''मैंने यहीं शादी की। मेरी पत्नी श्रीलंकन तमिल हैं। हमारे तीन बच्चे हैं। बेटी एनजीओ में काम करती है। बेटा इंडिया चला गया है। वहां स्टॉक मार्केट का काम करता है।' एलनगोवन बताते हैं, एक युद्ध से उबरने में 4-5 साल लगते हैं। हम अपना बिजनेस और जिंदगी दोबारा पटरी पर लाते हैं। फिर एक युद्ध हमारी पूरी मेहनत पर पानी फेर देता है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। अब विकल्प देख रहा हूं कि कैसे फैक्ट्री और घर बेचकर यहां से निकल जाऊं। मुझे यहां शांति की कोई उम्मीद नहीं है। मैं इंडिया में चेन्नई या फिर पुडुचेरी में बसने के बारे में सोच रहा हूं। मुझे पता है कि ये युद्ध जल्दी खत्म नहीं होने वाला। मैं वे दिन नहीं देखना चाहता, जब सब बर्बाद हो जाए।' गोवन अपने बिजनेस के बारे में बताते हुए भावुक हो जाते हैं। कहते हैं, 'लेबनान की इकोनॉमी बर्बाद हो गई है। हर चीज महंगी है।

# यमन के अल-हुतैब गांव में आज तक नहीं हुई बारिश

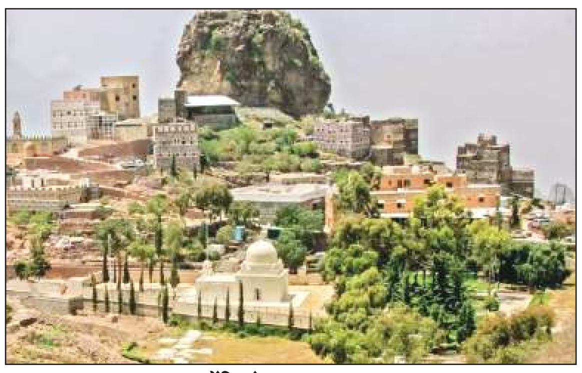

**सना , 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

यमन की राजधानी सना के पश्चिम में स्थित अल-हुतैब गांव में आज तक बारिश नहीं हुई है। यह खबर सुनकर आप को यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच्चाई है। दरअसल यह गांव समुद्र तल से लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है और यह एक ऐसा स्थान है जहां आज तक कभी बारिश नहीं हुई।

अल-हुतैब का मौसम बेहद अनोखा है। रात और सुबह के समय यहां कड़ाके की ठंड होती है, जबकि दिन में तापमान बेहद गर्म रहता है। सुबह-सुबह यहां के लोग भारी रजाई में लिपटे रहते हैं, लेकिन जैसे ही सूरज निकलता है, गर्मी से हाल बेहाल हो जाता है। दिनभर पानी की तलब बनी रहती है। हालांकि, इस गांव के अनोखे मौसम के बावजूद, यह एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुका है। दुनिया भर के लोग यहां घूमने के लिए आते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि यह पहाड़ी पर बसा है। यहां से नीचे के दृश्यों को देखना अद्भुत लगता है, जिससे लोग स्वर्गीय अनुभव महसूस करते हैं। परंतु, क्या आपने सोचा है कि यहां बारिश क्यों नहीं होती दरअसल, यह गांव एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां बादल कभी नहीं आते। पहाड़ी के नीचे बनने वाले बादल निचले इलाकों में बरसात करते हैं, जबकि अल-हुतैब पर बादल बनने का कोई मौका नहीं मिलता। यही कारण है कि यहां पर अब तक कोई वर्षा नहीं हुई है। इस गांव में अधिकांश लोग 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' समुदाय से जुड़े हैं, जो मुस्लिम धर्म को मानते हैं। यह समुदाय यमन या यमनी के रूप में भी जाना जाता है। इन लोगों के घर भी आकर्षक हैं और ग्रामीण एवं शहरी वास्तुकला का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। युवाओं के लिए यह गांव एक अनोखा अनुभव हैं। अल-हुतैब गांव की इस अनोखी विशेषता ने इसे एक विशेष पर्यटन स्थल बना दिया है, जहां लोग अपने जीवन में एक बार जरूर जाना चाहेंगे। दुनियाभर में कई अजीबोगरीब जगहें हैं, जो अपनी अनोखी विशेषताओं के लिए चर्चा में रहती हैं। इनमें से एक है यमन का यह गांव भी है।

# ईरान के भूतिया बेड़े ने समंदर में मचा रखा है आतंक

**वाशिंगटन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

ईरान के भूतिया बेड़े ने समंदर में दहशत का माहौल बना रखा है। पूरे समंदर में ईरान के इस भूतिया बेड़े से खलबली मची है। जिस पर संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। अमेरिका ने इस भूतिया बेड़े पर लगाए गए प्रतिबंधों की समय-सीमा को अब और भी बढ़ा दिया है। अमेरिका ने यह कदम पिछले दिनों इज़रायल पर ईरानी मिसाइल हमले के जवाब में उठाया है। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करते हुए उसके भूतिया बेड़े को रोक दिया है। ईरान की घोस्ट फ्लीट समंदर के रास्ते अवैध तरीके से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का दूसरे देशों में व्यापार करती है। मगर अमेरिका ने इस पर लगाए गए प्रतिबंध को और आगे बढ़ा दिया है। इससे ईरान को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी के समर्थन में पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के शिपमेंट में उनकी भागीदारी में शामिल 16 संस्थाओं को नामित कर रहा है ।

# 57 साल बाद फेसबुक पर मिला शादी का खोया वीडियो

**ब्रिस्बेन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

**जरा सोचिए, यदि किसी का शादी का वीडियो खो जाए, तो उसे दोबारा प्राप्त करना कितना कठिन हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया के एक कपल का खोया हुआ शादी का वीडियो 57 साल बाद पुनः प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में रहने वाले एलीन टर्नबुल और उनके पति बिल की शादी 1967 में स्कॉटलैंड में हुई थी।**

शादी के तुरंत बाद उन्होंने एक प्रोजेक्टर उधार लिया था ताकि वे अपनी शादी का वीडियो देख सकें। दुर्भाग्यवश, नवविवाहित जोड़े ने प्रोजेक्टर में फिल्म को डालकर निकालना भूल गए और इसके बाद से उन्हें शादी का वीडियो दोबारा देखने को नहीं मिला। फिल्म रील का कोई पता नहीं चला, और उनका वीडियो गुम हो गया। किस्मत ने फिर से अपना खेल दिखाया।

हाल ही में, 77 वर्षीय एलीन फेसबुक स्क्रॉल कर रही थीं, जब उनकी नजर एक ग्रुप पर पोस्ट की गई एक फोटो पर पड़ी। यह फोटो उनके ही शादी के वीडियो से ली गई थी। इसे देखकर वह हैरान रह गईं और तुरंत अपने पति को दिखाया, जो इसे देखकर चकित रह गए। यह फोटो स्कॉटलैंड के टेरी चैनी द्वारा पोस्ट की गई थी। दरअसल, टेरी उस व्यक्ति के भतीजे थे, जिन्होंने शादी के बाद कपल को प्रोजेक्टर उधार दिया था। टेरी ने अपने अंकल के घर से कई फिल्में पाई थीं, जिन्हें उन्होंने डीवीडी में ट्रांसफर किया और फेसबुक पर साझा करना शुरू किया। उनकी इस कोशिश का नतीजा यह निकला कि उन्होंने वीडियो का लिंक बनाकर कपल को भेजा, जिससे उनके जीवन का एक सपना सच हो गया। इस अद्भुत कहानी ने साबित कर दिया कि कभी-कभी किस्मत और तकनीक मिलकर अतीत के कुछ अनमोल पल फिर से जीने का मौका दे सकते हैं। मालूम हो कि आजकल शादी की तस्वीरें और वीडियोज लेना सामान्य बात हो गई है, लेकिन एक समय ऐसा था जब शादियों का वीडियो बनवाना बेहद दुर्लभ था। उस दौर में, अगर किसी की शादी का वीडियो होता, तो उसे अमीर और प्रगतिशील परिवार की पहचान समझा जाता था।

# जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स...... अलग-अलग ब्रीड के हिसाब से देना होता है टैक्स

**जर्मनी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

**जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स देना होता है। इस टैक्स से जर्मनी को अच्छी कमाई होती है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से 3866 करोड़ रुपए की कमाई। दरअसल जर्मनी में अलग अलग नगरपालिकाएं डॉग ओनर्स से टैक्स वसूलती हैं। जर्मनी में लोग खूब कुत्ते पालते हैं।**

हालांकि अलग अलग ब्रीड के कुत्तों पर लगाने वाले टैक्स की रकम भी अलग अलग होती है। ऑस्ट्रिया में भी कुत्ते के मालिकों को अपने पालतू जानवरों को रजिस्ट्रेशन कराना होता है। स्विट्जरलैंड में भी ये टैक्स होते हैं। नीदरलैंड में नगर पालिकाएं इसके लिए अलग-अलग टैक्स लगाती हैं। जो अलग शहर और नगरपालिकाओं के अनुसार होता है ।भारत में भी इस तरह के टैक्स की अवधारण जनवरी 2023 में पेश की गई थी, जिसे हरकत में नहीं लाया जा सका।

जर्मनी में अगर आप कुत्ता पालना चाहते हैं, तब आपको किसी ब्रीडर के पास जाना होगा। कई लोग विदेश से भी कुत्ता गोद लेकर जर्मनी लाते हैं। इसके लिए काफी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती है। आप जहां रहते हैं, वहां की नगर पालिका एक सालाना टैक्स लेती है। यह टैक्स कुत्ता पालने पर लिया जाता है। हालांकि पालतू बिल्लियां इस टैक्स के दायरे में नहीं आतीं। टैक्स की रकम एक जैसी नहीं है। ये घर में कुत्तों की संख्या या कुत्ते की ब्रीड के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। यहां तक अगर डॉग के बच्चा हो रहा तब भी तीन महीने के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन कराना होता है। आमतौर पर नगर पालिका के दफ्तर, या टाउन हॉल जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जाता है। कुछ शहरों और नगर पालिकाओं में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा है। कुत्ते के गुम होने या उसकी मौत होने पर भी विभाग को सूचना देना जरूरी है। जरूरी नहीं कि टैक्स से मिली रकम खास पालतू जीवों से जुड़ी सर्विस में खर्च हो। इस नगर पालिका कई तरह के मद में, जैसे कि सामुदायिक सेवाओं पर खर्च कर सकती है।

कुत्तों की वॉक उनकी एक जरूरी दिनचर्या है। कुत्ता सुबह शाम बाहर घूमे बगैर नहीं मानता। मल भी कुत्ता बाहर ही करते हैं। लिहाजा जब सुबह शाम वहां वाक करने जाते हैं, तब सार्वजनिक स्थानों पर ही मल करते हैं। इस मल को डॉग ओनर को थैलियों में भरकर उनके लिए बने कूड़ेदानों में फेंकना होता है। जो जर्मनी में सड़क किनारे, नदियों के पास बने रास्तों पर या पार्कों में खास कूड़ेदान लगाए जाते हैं। नगर पालिका इससे संबंधित जो सफाई करती है, उसकी भरपाई टैक्स से करती है।

# एशियाई टेटे चैंपियनशिप 2024 : अयहिका-सुतीर्था ने जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक, भारत ने तीन पदकों के साथ समाप्त किया अभियान

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।** भारत की शीर्ष क्रम की महिला युगल जोड़ी अयहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी ने रविवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 में सेमीफाइनल में हार के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता।

अयहिका और सुतीर्था एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल टेबल टेनिस जोड़ी बन गईं। आपको बता दें, गूल नासिकवाला ने 1952 में उद्घाटन संस्करण में जापान की योशिको तनाका के साथ महिला युगल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

टेबल टेनिस रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद भारतीय जोड़ी को जापान के विश्व नंबर 33 मिवा हरिमोटो और मियु किहारा से 3-0 (11-4, 11-9, 11-9) स्कोर से हार मिली। एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में हारने वाले सेमीफाइनलिस्टों को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाता है। अयहिका और सुतीर्था ने दूसरे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चार अंकों की बढ़त हासिल की। हालांकि, जापान की पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक टीम का हिस्सा मिवा हरिमोटो और तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता मियु किहारा ने भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के बढ़त को कम किया और मैच में आक्रमक वापसी की।

मुखर्जी बहनों की जोड़ी ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिला युगल में भारत के लिए पहला पदक, कांस्य जीतकर इतिहास रचा था। पिछले साल ट्यूनिस में, अयहिका और सुतिर्था डब्ल्यूटीटी कंटेंडर महिला युगल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

भारत ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 को तीन पदकों के साथ समाप्त किया, जिनमें सभी कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय महिला टीम ने जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता। एशियन टेबल टेनिस यूनियन (एटीटीयू) द्वारा 1972 में प्रतियोगिता का आयोजन शुरू करने के बाद से महिला टीम स्पर्धा में यह भारत का पहला पदक था। भारतीय पुरुष टीम ने अपना लगातार तीसरा कांस्य पदक जीता। कुल मिलाकर, एशियाई चैंपियनशिप में भारत की संख्या अब आठ हो गई है, जिसमें सभी आठ कांस्य पदक हैं। पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका बत्रा महिला एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल में हार गईं, जबकि शरत कमल पुरुष एकल में राउंड ऑफ 64 से आगे नहीं बढ़ सके।

## न्यूज ब्रीफ

### रणजी ट्रॉफी : हिमाचल के अंकित कलसी का नाबाद दोहरा शतक, तीन विकेट में 663 रनों पर पारी घोषित

**धर्मशाला।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में हिमाचल और उत्तराखंड के बीच खेले जा रहे रणजी

ट्रॉफी के इलीट ग्रुप बी मैच में हिमाचल ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मैच के दूसरे दिन शनिवार को भी मेजबान हिमाचल के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसके चलते पहली पारी तीन विकेट पर 663 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी। वहीं दूसरी ओर बड़े स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे उत्तराखंड ने 50 रनों के स्कोर पर अपना एक विकेट खो दिया है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक उत्तराखंड की ओर से ओपनर अवनीश सुधा 24 और वैभव भट्ट एक रन पर नाबाद हैं। इससे पहले ओपनर रविकुमार समर्थ ने 21 रन बनाए वैभव अरोड़ा के शिकार बने। उधर इससे पूर्व आज हिमाचल की ओर से अंकित कलसी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद दोहरा शतक जड़ा। कलसी ने नाबाद 205 रन बनाए जबकि दूसरे ओपनर प्रशांत चोपड़ा ने 171 रनों का योगदान दिया। वहीं उनके आउट होने के बाद चौथे नम्बर पर बल्लेबाजी के लिए आए एकांत सेन ने भी शतक लगाते हुए 101 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद आए बल्लेबाज मयंक डागर ने महज 32 गेंदों पर 56 रनों की नाबाद पारी खेली। इसव पूर्व हिमाचल ने आज सुबह एक विकेट पर 300 रनों के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया तथा शानदार बल्लेबाजी के दम पर तीन विकेट में ही 663 रनों के बड़े स्कोर के बाद पारी घोषित कर दी। उत्तराखंड की गेंदबाजी की बात करें तो मयंक मिश्रा, स्वप्निल सिंह और युवराज चौधरी ने एक-एक विकेट लिए। उधर हिमाचल की ओर से उत्तराखंड का एकमात्र विकेट गेंदबाज वैभव अरोड़ा को मिला।

### वुहान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं झेंग किनवेन

**वुहान।** चीन की झेंग किनवेन ने इटली की तीसरी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर शुक्रवार रात वुहान ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मैच दो घंटे 14 मिनट तक चला, जिसमें झेंग ने 10 ऐस लगाकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट में शुरू से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआती गेम में झेंग पहले 0-30 से पिछड़ रही थीं, लेकिन पाओलिनी की सर्विस तोड़ने के लिए उन्होंने शानदार लचीलापन दिखाया। अगले कुछ गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी, लेकिन झेंग ने इसके बाद लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में पाओलिनी ने वापसी की और झेंग की सर्विस दो बार तोड़कर 6-3 से जीत दर्ज की। निर्णायक तीसरे सेट की शुरुआत दोनों खिलाड़ियों द्वारा 3-3 तक अपनी सर्विस बनाए रखने से हुई। इसके बाद झेंग ने बेहतर प्रदर्शन किया और पाओलिनी की सर्विस तोड़कर अपनी सर्विस को बनाए रखते हुए मैच को 6-3 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद झेंग ने कहा, पाओलिनी ने आज बहुत अच्छा खेला। उनका आक्रामक खेल बहुत ही शानदार था और यह निश्चित रूप से टूर्नामेंट का मेरा अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण मैच था। उन्होंने घरेलू दर्शकों के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। झेंग ने घरेलू धरती पर अपनी हाल की सफलताओं को याद करते हुए कहा, जब मैं ऊर्जा से वंचित थी, तब आपने मुझे आगे बढ़ाया। आपके समर्थन ने बहुत बड़ा अंतर पैदा किया और मैं आपके बिना सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाती।

### हांगकांग क्रिकेट सक्सेस टूर्नामेंटः रॉबिन उथप्पा करेंगे भारतीय टीम का नेतृत्व

**नई दिल्ली।** रॉबिन उथप्पा 1 से 3 नवंबर तक होने वाले हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में सात

सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम के बाकी खिलाड़ियों में भरत चिपली, केदार जाधव, मनोज तिवारी, शाहबाज नदीम, श्रीवत्स गोस्वामी और स्टुअर्ट बिन्नी शामिल हैं। हांगकांग क्रिकेट सिक्सेज़ टूर्नामेंट 2017 के बाद पहली बार लौट रहा है और टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। इस आयोजन में 12 देश शामिल होंगे, जो सिक्स-ए-साइड मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 12 टीमों को तीन-तीन के चार पूल में विभाजित किया जाएगा, जो राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि क्वार्टर फ़ाइनल के विजेता कप सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करेंगे, क्वार्टर फ़ाइनल के हारने वाले प्लेट सेमीफ़ाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 29 मैच खेले जायेंगे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक महिला प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा।

# चौके-छक्कों की बारिश के बीच भारतीय टीम ने टी20 श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप, 133 रन से जीता तीसरा टी20 मैच

**हैदराबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।**

**भारतीय टीम के बल्लेबाजों की ओर से हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला। बांग्लादेश के खिलाफ इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने 22 छक्के और 25 चौके लगा टी20 क्रिकेट में भारतीय टीम का 297 रन का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के शानदार शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव की ताबड़तोड़ पारी ने दर्शकों को काफी आनन्दित किया। आखिर में रियान पराग और हार्दिक पंड्या ने तेजतर्रार पारी खेल टीम को रिकॉर्ड स्कोर तक पहुंचाया। टीम इंडिया का यह स्कोर टेस्ट प्लेइंग नेशन में सबसे बेहतर है। इस विशाल लक्ष्य के आगे बांग्लादेश के बल्लेबाज पूरी तरह दबाव में दिखे और 20 ओवर में मात्र 164 रन ही बना सके। इस तरह भारत ने 133 रन से मैच में जीत के साथ श्रृखंला में क्लीव स्वीप किया।**

**22 छक्के, 25 चौकों की मदद से भारत ने टी20 में बनाया रिकॉर्ड स्कोर**

298 रन के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी करने उतरी मेहमान बांग्लादेश की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की पहली ही गेंद पर परवेज हुसैन बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान नजमुल होसैन शंटो ने तंजिद हसन के साथ पारी को आगे बढ़ाया और तेजी से रन बनाने भी शुरू किए। हालांकि चौथे ओवर में तंजिद भी 15 रन बनाकर आउट हो गए। फिर कप्तान शंटो भी 14 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए। पांच ओवर में 59 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद तौहिद हृदय और लिटन दास ने मोर्चा संभाला। इन दोनों ने बांग्लादेश की पारी का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। तभी लिटन 42 रन बनाकर आउट हो गए। लिटन के बाद कोई दूसरा बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिका। हालांकि तौहिद हृदय आखिर तक नाबाद रहे, उन्होंने 63 रन की पारी खेली।

भारत के लिए रवि विश्नोई ने तीन विकेट और मयंक यादव ने दो विकेट चटकाए। जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश रेड्डी को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, भारतीय टीम ने कई रिकॉर्डों को तोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया आज अलग ही रंग में दिखी। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। टीम इंडिया ने 100 रन का आंकड़ा सिर्फ 7.1 ओवर में छुआ और 10 ओवर होते-होते 150 रन भी पूरे किए। इस दौरान भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट के इतिहास के सबसे तेज 100, 150, 200 और 250 रन पूरे किए। टीम के लिए संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 111 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 11 चौके और 8 छक्के जड़े। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 35 गेंदों पर 75 रन बनाए। सूर्या ने 8 चौके और 5 छक्के जड़े। फिर रियान पराग ने 13 गेंदों में एक चौका और चार छक्कों की मद से 34 रन बनाए। तो हार्दिक पंड्या में 18 गेंदों पर 47 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस तरह 22 छक्के और 25 चौकों की मदद से भारत ने 297 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

बांग्लादेश की तरफ से तंजिम हसन शकीब ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए। जबकि तस्कीन अहमद, महमदुल्लाह और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला।

# आईएसएल 2024-25 में युवा खिलाड़ियों ने बिखेरी चमक

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 11 का रोमांच जारी है और नई पीढ़ी के फुटबॉलर अपनी छाप छोड़ कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। आईएसएल में शुरुआती चार मैचवीक का खेल पूरा हो चुके हैं। इस दौरान युवा प्रतिभाओं ने मैदान पर अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों, कोचों और पंडितों को हैरान कर दिया है। इस दौरान जिन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया हैं, आइये उन पर एक नजर डालते हैं- विनीत वेंकटेश (बेंगलुरू एफसी) बेंगलुरू एफसी अकादमी के प्रोडक्ट विनीत वेंकटेश ने इस सीजन में अपने आईएसएल करियर का आगाज किया और ब्लूज की सफलता में अहम योगदान दिया है। विनीत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में एक गोल और एक में असिस्ट किया है। उन्होंने 75 प्रतिशत की सटीकता से प्रति मैच 17 पास किए हैं, 13 द्वंद जीते है और दो ड्रिबल पूरे किए हैं। वह आईएसएल इतिहास में अपने शुरुआती दो मैचों में से प्रत्येक में गोल योगदान देने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। डेविड लालहलानसांगा हमार (ईस्ट बंगाल एफसी), ईस्ट बंगाल एफसी के 22 वर्षीय डेविड लालहलानसांगा हमार अब तक तीन मैचों में सिर्फ 43 मिनट में खेलने का अवसर मिला है, लेकिन वह अपने अवसरों को भुनाकर एफसी गोवा के खिलाफ गोल करने में सफल रहे। इससे वह आईएसएल में ईस्ट बंगाल के लिए गोल करने वाले पांचवें सबसे युवा स्कोरर (22 वर्ष और 305 दिन) बन गए। मोहम्मद ऐमेन (केरल ब्लास्टर्स एफसी) केरला ब्लास्टर्स एफसी के मिडफील्डर ने चार मैचों में दो गोल में सहायता प्रदान की हैं। उन्होंने 84 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच नौ पास किए हैं, एक इंटरसेप्शन किया, तीन द्वंद जीते और पांच रिकवरी की है। ऐमेन का शानदार प्रदर्शन जारी है, 2024 में उनके द्वारा दी गई चार गोल में सहायता केरला ब्लास्टर्स के भारतीय खिलाड़ियों के बीच एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक हैं। पीएन नौफल (मुंबई सिटी एफसी) मुम्बई सिटी एफसी के पीएन नौफल ने मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ सीजन के पहले मैच में सहायता प्रदान की थी। 23 साल और 319 दिन की उम्र में ऐसा करके सबसे युवा खिलाड़ी थे। नौफल ने मैदान पर 69 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच 13 पास किए, तीन गोल स्कोरिंग मौके बनाए और दो रिकवरी भी की।

**हैदराबाद के इंडस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित आईएसएसओ नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिसमें देश भर के युवा एथलीटों की असाधारण प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन हुआ। दो दिनों में, 42 स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 175 रोमांचक मुकाबले हुए। जिसने दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखा। इंडस इंटरनेशनल स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 20 पदक जीते जिसमें 7 स्वर्ण, 7 रजत और 6 कांस्य शामिल हैं। यह प्रभावशाली प्रदर्शन खेल में उत्कृष्टता के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता और मार्शल आर्ट में प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए इसके समर्पण को दर्शाता है।**

# महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया

**दुबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।**

**ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान पर 9 विकेट से जीत दर्ज करके महिला टी20 विश्व कप में अपनी लगातार 14वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ग्रुप ए में शीर्ष पर अपनी जगह बनाए रखी।**

83 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए गत विजेता टीम ने बेथ मूनी का विकेट जल्दी खो दिया। 36 के कुल स्कोर पर सादिया इकबाल ने बेथ मूनी को पवेलियन भेज पाकिस्तान को पहला झटका दिया। मूनी ने 15 गेंद पर 15 रन बनाए।

दूसरे छोर पर हीली ने अपना आक्रमण जारी रखा, हालांकि 10वें ओवर में 69 के कुल स्कोर पर कप्तान एलिसा हीली एक तेज सिंगल लेते समय चोटिल हो गईं और रिटायर्ड हर्ट हों गईं। उन्होंने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए। इसके बाद एलिस पेरी (22) और एश्ले गार्डनर (07) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 11वें ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 83 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में तेज गेंदबाज तायला व्लामिनक के कंधे में चोट लगने से झटका लगा। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती छह ओवरों में पाकिस्तान के केवल 23 रन पर दो विकेट चटका दिये। मुनीबा अली 7 रन पर सोफी मोलिनक्स की गेंद पर फोबे लिचफील्ड को कैच थमाकर आउट हुईं और उसके बाद सदाफ शमास 3 रन पर मेगन शुट्ट की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर पवेलियन लौट गईं। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे।

सिदरा अमीन को 12 रन के स्कोर पर एनाबेल सदरलैंड ने पवेलियन भेजा। उसके बाद जॉर्जिया वेयरहम ने ओमैमा सोहेल को 3 रन के स्कोर पर आउट कर दिया, जिससे पाकिस्तान की स्थिति और खराब हो गई। यहां से आलिया रियाज ने 32 गेंदों पर 26 रन बनाकर पाकिस्तान को 82 रनों के कुल स्कोर तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने चार ओवर में 21 रन देकर चार विकेट लिए। एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम ने दो-दो विकेट लिए।

# हॉकी इंडिया लीग पुरुष नीलामीः 550 से अधिक खिलाड़ियों की लगेगी बोली

**नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।** हॉकी इंडिया लीग का बहुप्रतीक्षित 2024 संस्करण रविवार को नई दिल्ली में पुरुषों की नीलामी के साथ शुरू होने वाला है। इस साल के अंत में राउरकेला में हॉकी इंडिया लीग शुरू होने पर आठ पुरुष टीमों में से एक में शामिल होने का मौका पाने के लिए 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। प्रत्येक टीम के पास खिलाड़ियों को चुनने के लिए 4 करोड़ का पर्स होगा, जिन्हें अगले दो दिनों में तीन बेस प्राइस स्लैब 2 लाख, 5 लाख और 10 लाख के तहत वर्गीकृत किया गया है। नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मनदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद जैसे सितारे शामिल होंगे। इनके अलावा रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है। एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली दिल्ली स्थित टीम का नाम एसजी पाइपर्स रखा गया है। एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ महेश भूपति, हॉकी निदेशक पीआर श्रीजेश, मुख्य कोच ग्राहम रीड और सहायक कोच शिवेंद्र सिंह के साथ नीलामी में टीम का नेतृत्व करेंगे। एम एंड सी प्रॉपर्टी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली तमिलनाडु स्थित टीम को तमिलनाडु ड्रैगन्स कहा जाएगा। सीएमडी श्री जोस चार्ल्स मार्टिन, श्री जोसेफ

**400 से अधिक घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए कराया पंजीकरण**

सेलवन, श्री रीन वान ईजक और श्री चार्ल्स डिक्सन के साथ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड ने कोलकाता स्थित टीम का नाम श्राची रारह बंगाल टाइगर्स रखा है। श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड के नीरज ठाकुर और सौरव सिकदर के साथ जगराज सिंह, रोमेश पठानिया, अभिषेक शर्मा, दीपक ठाकुर और एड्रियन डिसूजा भी होंगे। हैदराबाद स्थित टीम, जिसका स्वामित्व रेसोल्यूट स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। लिमिटेड, को हैदराबाद तूफ़ान कहा जाएगा। आलोक सांघी, एमडी के साथ सिद्धांत गौतम, महाप्रबंधक और टीम निदेशक सिद्धार्थ पांडे, प्रमुख कोच पाशा गैडमैन, सहायक कोच एमिली काल्डेरन और संजय बीर और वैज्ञानिक सलाहकार रॉबिन आर्केल होंगे। यदु स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली लखनऊ स्थित टीम का नाम यूपी रुद्र रखा गया है। पॉल वान ऐस, थॉमस टिचेलमैन और सेड्रिक डिसूजा यूपी रुद्राज़ के लिए कोचिंग सेट अप का हिस्सा होंगे। जेएसडब्ल्यू पंजाब और हरियाणा का स्वामित्व जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास है। उनकी टीम में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह, अर्जुन हलप्पा, जेरोन बार्ट, सरदार सिंह, माइकल कॉस्मा और श्रीनिवास मूर्ति शामिल होंगे। ओडिशा टीम का स्वामित्व वेदांता लिमिटेड के पास है। वेदांता लिमिटेड के सुनील गुप्ता और मानसी चौहान टीम में करियप्पा बी.जे., डेविड जॉन और डॉ. एबी सुब्बैया के साथ शामिल होंगे। टीम गोनासिका, जो विशाखापत्तनम में स्थित है, का नेतृत्व तारिणी प्रसाद मोहंती करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा,हॉकी इंडिया लीग एक पुनर्निर्मित लीग के रूप में अपना पहला कदम उठा रही है और हम वर्षों की योजना और कड़ी मेहनत के बाद इसे आगे बढ़ते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। हमारे पास नीलामी में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की अभूतपूर्व संख्या है, जो दर्शाता है कि प्रशंसक और खिलाड़ी समान रूप से लीग की वापसी के लिए उत्सुक हैं। हॉकी इंडिया लीग बेहद सफल होने जा रही है और हम खिलाड़ियों को अपनी जर्सी पहनकर मैदान में उतरने का और इंतजार नहीं कर सकते। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, नीलामी के लिए सभी तैयारियां हो चुकी हैं। अगले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की नीलामी होने वाली है और मैं उन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने नीलामी के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

# डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को उपहार में दी 28 कारें और 29 बाइक

**चेन्नई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां) ।**

ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं।

अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है।

अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में लगभग 180 कर्मचारी हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अत्यधिक कुशल हैं। उन्होंने कहा कि हम उन उम्मीदवारों का चयन करते हैं जो अत्यधिक प्रेरित होते हैं और उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपने जैसा होता है। हम कर्मचारियों को बाइक उपहार में देते रहे हैं और 2022 में हमने अपने दो वरिष्ठ सहयोगियों को कार उपहार में दी। हमने 28 कारें उपहार में दी हैं। उनमें से कुछ मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सिडीज बेंज भी हैं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी एक निश्चित राशि के साथ कार या बाइक देगी। उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारी को कंपनी द्वारा चुनी गई कार से बेहतर वाहन की जरूरत है तो उसे शेष राशि का भुगतान करना होगा।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

**नई दिल्ली ।** भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

### हुंडई मोटर्स 2032 तक 32,000 करोड़ खर्च करेगी

**नई दिल्ली ।** हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम के 21,000 करोड़ रुपये के इश्यू साइज का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। हुंडई आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये का है। हुंडई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये (22 से 23 डॉलर) प्रति शेयर है। गौरतलब है कि हुंडई मोटर्स इंडिया ने 15 जून को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी फाइल किया था। 25 सितंबर 2024 को सेबी ने हुंडई को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी थी। हुंडई ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि हमने अपने चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और अपने तलेगांव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ ऑफर लेटर दिए है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 32,000 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। कंपनी की तरफ से बताए गए ये 32,000 करोड़ रुपये के खर्च साल 2023 से लेकर 2032 तक के लिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है। कंपनी ने डीआरएचपी में बताया कि हमारे पहले के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) थे और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे भविष्य के पूंजीगत खर्च मुख्य रूप से नए पैसेंजर व्हीकल मॉडल लॉन्च के संबंध में प्लांट, प्रॉपर्टी और इक्विपमेंट्स और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए होंगे। कंपनी ने आगे कहा कि हमें अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के निर्माण और रखरखाव, उपकरण खरीदने और अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के लिए नई टेक्नोलॉजी को डेवलप करने और लागू करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पूंजी की जरूरत है। कंपनी ने कहा कि 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीनों में और वित्तीय वर्ष 2023, 2022 और 2021 में, एसेट, प्लांट और इक्विपमेंट और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए हमारा पेमंट क्रमशः 2735.442 करोड़ रुपये, 2260.982 करोड़ रुपये, 1264.979 करोड़ रुपये और 2582.888 करोड़ रुपये था ।

### एचएएल को सरकार ने महारत्न कंपनी का दर्जा दिया है, देश को मिली 14वीं महारत्न कंपनी

**नई दिल्ली ।** हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सरकार ने महारत्न कंपनी का दर्जा दिया है। यह सम्मान एचएएल के बढ़ते कद और इसकी प्रभावशाली वित्तीय परफॉर्मेंस का प्रतीक है। कंपनी ने इस बड़ी खबर को अपने एक्स हैंडल पर सार्वजनिक उद्यम विभाग की पोस्ट रीपोस्ट करते हुए साझा किया। पोस्ट में लिखा गया कि वित्त मंत्री ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 14वीं महारत्न सीपीएसई कंपनी के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव वित्त सचिव की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी समिति और कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति ने सिफारिश के बाद मंजूर किया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### पुख्ता सैन्य...

द्विपक्षीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर नियमित बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए संस्थागत तंत्र भी स्थापित किए गए हैं। भारत अब म्यांमार और उसके सीमा सहयोग के लिए रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। भारत ने म्यांमार नौसेना के लिए बनाए गए टॉरपीडो का पहला बैच वितरित किया। अनुबंध का मूल्य 37.9 मिलियन डॉलर था।

भारतवर्ष और श्रीलंका के बीच भी पुख्ता सैन्य सम्बन्ध तैयार हो रहे हैं। साझा सैन्य अभ्यास के अतिरिक्त श्रीलंका के बंदरगाहों से लेकर वहां की नौसेना और वायुसेना को भारत की तरफ से मदद मिल रही है। श्रीलंका के सैनिकों को भारतीय सेना में प्रशिक्षण की सुविधा भी प्राप्त है। अभी बीते 12 अगस्त को ही भारत और श्रीलंका के बीच मित्र शक्ति सैन्य अभ्यास हुआ। मित्र शक्ति सैन्य अभ्यास श्रीलंका के सेना प्रशिक्षण स्कूल, मदुरू ओया में 12 अगस्त 2024 से 25 अगस्त तक चला। मालदीव ने भी भारत के साथ पुख्ता सैन्य संबंधों की सहमति दे दी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हाल ही भारत यात्रा के दरम्यान कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

भारतीय सेना का वैश्विक घेरा क्रमशः बड़ा और व्यापक होता जा रहा है। करीब आधा दर्जन अन्य देशों में भी भारतीय सेना की अहम तैनाती है। यह तैनाती न केवल सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करती हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की सामरिक स्थिति को भी सुदृढ़ करती है। भारतीय सेना ताजिकिस्तान, भूटान, मेडागास्कर, मॉरीशस, ओमान और सिंगापुर जैसे देशों में अपनी तैनाती और सहयोग से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ताजिकिस्तान के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित फरखोर एयर बेस भारतीय सेना का पहला विदेशी सैन्य अड्डा है। यह ताजिक वायु सेना के सहयोग से स्थापित किया गया था और मध्य एशिया में भारत की सामरिक उपस्थिति को मजबूत करता है। यह बेस भारतीय वायुसेना को इस क्षेत्र में संचालन करने और रणनीतिक पहुंच प्रदान करने में सक्षम बनाता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के करीब होने के कारण यह अड्डा भारतीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

भारत के उत्तर में स्थित पड़ोसी देश नेपाल से भारत का पारंपरिक रिश्ता है। महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल के दौरान लाहौर की सेना में नेपाल के कुछ सैनिक थे और उन्हें भाग्य के सैनिक कहा जाता था। भारत में ब्रिटिश राज के समय गोरखा रेजिमेंट की पहली बटालियन 24 अप्रैल 1815 को नासिरी रेजिमेंट के रूप में स्थापित की गई थी। जब प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ, तो ब्रिटिश भारतीय सेना में 10 गोरखा रेजिमेंट थीं। 1947 में भारत की आज़ादी के बाद, ब्रिटेन-भारत-नेपाल के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते में रेजिमेंटों को ब्रिटिश और भारतीय सेनाओं के बीच बराबर-बराबर बांटा गया। इस समझौते पर नवंबर 1947 में हस्ताक्षर किए गए थे। तीनों देशों के बीच इस त्रिपक्षीय समझौते के कारण, 6 गोरखा रेजिमेंट भारत में आ गईं और 7वीं और 10वीं गोरखा रेजिमेंट के सैनिकों को समायोजित करने के लिए भारत सरकार द्वारा एक और रेजिमेंट बनाई गई। इन सैनिकों ने यहीं रहने और ब्रिटिश सेना में शामिल न होने का विकल्प चुना। नेपाल का नागरिक भारतीय सेना में जवान या अधिकारी के तौर पर शामिल हो सकता है। भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए नेपाली नागरिक को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। इतना ही नहीं, नेपाल सरकार अपने अधिकारियों को भारत में सैन्य अकादमियों में प्रशिक्षण के लिए भी भेजती है।

वर्तमान में गोरखा रेजिमेंट में 35 बटालियन हैं। इन बटालियनों में बड़ी संख्या में सैनिक नेपाल से भर्ती किए जाते हैं। उपरोक्त के अलावा, नेपाल से भर्ती होने वाले सैनिकों को भारतीय सैनिकों के समान ही अधिकार प्राप्त हैं - सेवा के दौरान भी और सेवानिवृत्ति के दौरान भी। हर साल भारत से मेडिकल टीमें नेपाल जाती हैं। दूसरी ओर, ब्रिटिश सरकार ने कुछ साल पहले ही नेपाली सैनिकों को पेंशन देना शुरू किया है, जबकि भारत ने कभी भी भारतीय और नेपाली सैनिकों के बीच भेदभाव नहीं किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत के सेना प्रमुख नेपाली सेना के मानद प्रमुख हैं और नेपाली सेना के मानद प्रमुख भारत के सेना प्रमुख हैं तथा यह परंपरा वर्ष 1972 से चली आ रही है। भारत नेपाल के साथ अपने रिश्ते को और मजबूती देने में लगा है। नेपाल में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भारत सरकार की वित्तीय और तकनीकी मदद से चल रहे हैं।

नेपाल की ही तरह भूटान में भारतीय सेना की उपस्थिति भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल के माध्यम से बनी हुई है। यह दल रॉयल भूटान आर्मी और रॉयल बॉडीगार्ड ऑफ भूटान को प्रशिक्षण प्रदान करता है। भूटान और भारत के बीच मजबूत सामरिक और कूटनीतिक संबंध हैं, और भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल इन संबंधों को और मजबूती प्रदान करता है। यह भारत के उत्तर-पूर्वी सीमा क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भी अहम है, जिससे दोनों देशों के रक्षा क्षेत्र में सामंजस्य बना रहता है।

मेडागास्कर के उत्तरी हिस्से में स्थित भारत की एक निगरानी चौकी 2007 में स्थापित की गई थी। यह चौकी भारत की पहली विदेशी इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी जुटाने वाली सुविधा है। इसका मुख्य उद्देश्य समुद्री खतरों की निगरानी और हिंद महासागर में सामरिक स्थिति की जानकारी हासिल करना है। यह अड्डा भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने और समुद्री व्यापार मार्गों को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर स्थित भारतीय सैन्य अड्डा भारत-मॉरीशस सैन्य सहयोग के तहत विकसित किया गया है। यह अड्डा भारत के लिए हिंद महासागर में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थल है। भारत इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, चीन की बढ़ती गतिविधियों पर नजर रखने, और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा के लिए इस अड्डे का उपयोग करता है।

ओमान में भारतीय सेना की दो प्रमुख सुविधाएं हैं, रास अल हद में एक निगरानी चौकी और दुक़म में एक सैन्य सुविधा। दुक़म भारतीय नौसेना और वायुसेना के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जो रसद सहायता और रखरखाव सेवाएं प्रदान करता है। ओमान के साथ इस सहयोग से भारत को खाड़ी क्षेत्र में मजबूत सामरिक उपस्थिति बनाए रखने में मदद मिलती है और यह पश्चिम एशिया के जियो पॉलिटिक्स में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करता है।

सिंगापुर के चांगी नौसेना बेस पर भारतीय नौसेना की तैनाती भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ सैन्य सहयोग का परिणाम है। यह बेस भारतीय नौसेना के जहाजों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे भारत को मलक्का जलडमरूमध्य में रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखने में मदद मिलती है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, और इस क्षेत्र में भारतीय नौसेना की उपस्थिति वैश्विक व्यापार सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

### एनसीपी नेता...

बांद्रा में झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजना को लेकर विवाद चल रहा था। आशंका है कि इसी रंजिश में बाबा सिद्दीकी की हत्या की गई। सिद्दीकी को 15 दिन पहले जान से मारने की धमकी मिली थी। इसके बाद उन्हे वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी।बाबा सिद्दीकी ने विधानसभा में तीन बार बांद्रा (पश्चिम) सीट का प्रतिनिधित्व किया था। कॉलेज में नामांकन के साथ ही बाबा सिद्दीरी छात्र संगठन एनएसयूआई से जुड़े और राजनीति की ओर कदम बढ़ा दिया। अपने मेहनत के बल पर बाबा सिद्दीकी मुंबई युवा कांग्रेस का महासचिव बने। फिर फिल्म अभिनेता और कांग्रेस नेता सुनील दत्त के संपर्क में आये। उसके बाद फिर बाबा सिद्दीकी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार मुंबई के बांद्रा पूर्व से तीन बार विधायक बने और इसी दौरान उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया।

बाबा सिद्दीकी ने अपने जीवन के शुरुआती पांच साल बिहार के गोपालगंज के शेख टोली गांव में बिताया था। 2018 में गोपालगंज आए बाबा सिद्दीकी ने अपने गांव के पुराने मित्र और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। वहां एक सरकारी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा संबंधित सामग्री का वितरण भी किया था। बाबा सिद्दीकी ने अपने फेसबुक पर भी लिखा था कि गोपालगंज से मेरा बचपन जुड़ा है और यहां काफी दिनों बाद आया हूं। बाबा सिद्दीकी के ममेरे भाई मोहम्मद जलालुद्दीन का परिवार आज भी इसी गांव में रहता है। बाबा सिद्दीकी ने 26 जून 2020 में एक फेसबुक पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने अपने और गोपालगंज के मांझा शहर से रिश्ता बताया था। यादें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था कि मेरे पिता का जन्म मांझा में हुआ था और मुझे मेरे बचपन की कई यादें इसी शहर से जोड़ती हैं। बाबा सिद्दीकी ने गोपालगंज में क्रिकेट अकादमी और क्रिकेट के क्षेत्र की विकास के लिए अहम योगदान दिए थे। शिक्षा से जुड़ी हुई बात हुई या फिर क्रिकेट की विकास की बात हो, गोपालगंज के खिलाड़ियों को हमेशा मदद करते थे। उनकी हत्या की खबर पाकर शेख टोली गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

### ओवैसी की...

एक बड़ा अवसर प्रदान कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड के संताल परगना क्षेत्र में जनजातीय जनसंख्या घट रही है, जबकि मुस्लिम और ईसाई जनसंख्या बढ़ रही है। इस बदलाव का सीधा असर चुनावी राजनीति पर पड़ता है, क्योंकि वोट बैंक का समीकरण बदलता है। भाजपा द्वारा गठित एक समिति की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में मुस्लिम बहुल बूथों की संख्या में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह रिपोर्ट बताती है कि राज्य की 10 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम बहुल बूथों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इस तरह के आंकड़े जनसांख्यिकी में हो रहे महत्वपूर्ण बदलाव की पुष्टि करते हैं, जो एआईएमआईएम जैसी पार्टियों के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी साबित हो सकता है।

इन बूथों की संख्या में वृद्धि यह भी दर्शाती है कि मुस्लिम समुदाय का प्रभाव राज्य के कई हिस्सों में बढ़ रहा है। यह वृद्धि न केवल राजनीतिक समीकरणों को बदल सकती है, बल्कि राज्य के सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे को भी प्रभावित कर सकती है। बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खतरा भी बढ़ सकता है, जिससे राज्य की स्थिरता पर असर पड़ सकता है।

झारखंड में जनसांख्यिकी बदलाव का एक और महत्वपूर्ण कारण बांग्लादेशी घुसपैठ है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के संताल परगना क्षेत्र में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों के बसने की खबरें आई हैं। इस घुसपैठ को लेकर राज्य में राजनीतिक और सामाजिक चिंता बढ़ रही है। रांची हाई कोर्ट ने हाल ही में इस मामले में संज्ञान लेते हुए सरकार को निर्देश दिया कि एक विशेष टीम बनाई जाए, जो अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करे और उन पर कार्रवाई करे। अवैध घुसपैठ से झारखंड की जनसांख्यिकी पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या न केवल स्थानीय जनसंख्या को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके जरिए राज्य के राजनीतिक समीकरण भी बदल रहे हैं। इस स्थिति से राज्य की सामाजिक सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता पर भी गंभीर असर हो सकता है। स्थानीय समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है, जो भविष्य में सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है।

बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या पर झारखंड हाई कोर्ट ने भी सरकार को निर्देशित किया है कि वह इस मुद्दे पर जल्द से जल्द कार्रवाई करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी है और अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए उचित कदम उठाने को कहा है। कोर्ट का यह निर्णय इस बात का प्रतीक है कि राज्य की न्यायिक प्रणाली भी जनसांख्यिकी बदलाव और घुसपैठ की समस्या को गंभीरता से ले रही है।

इस आदेश के बाद, राज्य सरकार के सामने यह चुनौती है कि वह किस प्रकार से इस समस्या का समाधान करेगी। अवैध घुसपैठियों की पहचान और निष्कासन एक जटिल प्रक्रिया है, और इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ सामाजिक समन्वय भी आवश्यक होगा। अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो राज्य की जनसांख्यिकी में और भी बड़ा परिवर्तन हो सकता है, जिससे राजनीतिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और अधिक बढ़ सकता है। झारखंड में जनसांख्यिकी परिवर्तन और अवैध घुसपैठ की समस्या से राजनीतिक ध्रुवीकरण गहरा सकता है। एआईएमआईएम जैसी पार्टियों का बढ़ता प्रभाव, मुस्लिम बहुल बूथों की संख्या में वृद्धि, और बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी-यह सब राज्य में राजनीतिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को और बढ़ा सकते हैं।

आदिवासी समुदाय, जो इस क्षेत्र का मूल निवासी है, अपने अधिकारों और पहचान को लेकर चिंतित हो सकता है। राज्य की राजनीति में मुस्लिम और ईसाई समुदायों के बढ़ते प्रभाव से आदिवासी और अन्य हिंदू समुदायों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है, जिससे सामाजिक तनाव और संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। राजनीतिक दल भी इस ध्रुवीकरण को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करने का प्रयास कर सकते हैं। एआईएमआईएम जैसी पार्टियां, जो मुख्य रूप से मुस्लिम वोट बैंक पर निर्भर हैं, इन क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाने की कोशिश करेंगी। वहीं, भाजपा और अन्य पार्टियां भी इस ध्रुवीकरण का लाभ उठाने का प्रयास करेंगी, जिससे राजनीतिक वातावरण और अधिक जटिल हो सकता है।

झारखंड में हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव, मुस्लिम बहुल बूथों में वृद्धि, बांग्लादेशी घुसपैठ, और एआईएमआईएम जैसी पार्टियों की चुनावी रणनीति से राज्य में एक नया राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य उभर रहा है। यह परिदृश्य राज्य की स्थिरता, सांप्रदायिक सौहार्द, और राजनीतिक ध्रुवीकरण पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। वैसे, मुस्लिम बहुल सीटों पर एआईएमआईएम का राजनीतिक प्रदर्शन देश भर में चौंकाने वाला है। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने शानदार प्रदर्शन किया था, तो महाराष्ट्र के मुस्लिम बहुत इलाकों में भी इस तरह की सांप्रदायिक पार्टियों का उभार तेजी से दिखा है। पश्चिम बंगाल और असम में मुस्लिमों से जुड़ी पार्टियों का प्रदर्शन भी बेहतर होता जा रहा है, तो हाल ही में कश्मीर से लेकर हरियाणा तक में मुस्लिमों का एकतरफा वोट पार्टी विशेष को पड़ता रहा है। अगर इन समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो राज्य में राजनीतिक और सांप्रदायिक तनाव और अधिक बढ़ सकता है। सरकार, न्यायपालिका, और समाज के विभिन्न हिस्सों को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि झारखंड की जनसांख्यिकी और सामाजिक संरचना को स्थिरता प्रदान की जा सके।

### कर्नाटक में...

के अध्यक्ष जियाउल्लाह शरीफ और उपाध्यक्ष जावेद पटेल, संयुक्त सचिव सैयद रशीद अहमद ने फाइनेंशियल गड़बड़ी की थी। मामले में बीते 8 अक्टूबर को हलासुर गेट पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाशा ने 2018 से 2024 तक बावा अहमद और अन्य ने कथित तौर पर संस्था के लिए सांसद निधि की ओर से 1.73 लाख रुपए निजी उद्देश्यों के लिए डायवर्ट कर दिया था। वर्ष 2023 में रशीद ने कथित तौर पर 38.28 लाख रुपए के चेक का दुरुपयोग किया। पाशा का आरोप है कि ईपीएफ के लिए निर्धारित 3.29 लाख रुपए बावा और अन्य लोगों द्वारा गबन कर लिए गए, जबकि शरीफ और पटेल पर एफआईआर के अनुसार 2.65 करोड़ रुपए का भी दुरुपयोग करने का आरोप है। बहरहाल इस मामले में बीएनएस की धारा 3 (5), 316 (2), 316 (4) और धारा 61 के तहत केस दर्ज किया गया था।

### सभी राज्यों में...

बाल आयोग द्वारा उठाई गई मांगों में कहा गया कि मदरसों और मदरसा बोर्डों को राज्य की तरफ से दिए जाने वाले फंड को रोक दिया जाए। मदरसों से गैर-मुस्लिम बच्चों को हटाया जाए। संविधान के आर्टिकल 28 के मुताबिक, माता-पिता की सहमति के बिना किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। बाल आयोग ने कहा है कि एक संस्थान के अंदर धार्मिक और औपचारिक शिक्षा एक साथ नहीं दी जा सकती है।

एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा कि यह भी सिफारिश की गई है कि सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकालकर आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। मुस्लिम समुदाय के बच्चे जो मदरसा में पढ़ रहे हैं, चाहे वे मान्यता प्राप्त हों या गैर-मान्यता प्राप्त, उन्हें औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए और आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार निर्धारित समय और पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाए। इस मामले में बीजेपी की सहयोगी जेडीयू और टीडीपी ने इस मुद्दे पर कुछ बोलने से दूरी बनाई है। गौरतलब है कि बाल अधिकार संरक्षण आयोग लगातार देश के मदरसों में अवैध तरीके से कैद करके जबरदस्ती इस्लामिक शिक्षा दिए जाने के खिलाफ काम कर रहा है। दरअसल, मदरसों में आधुनिक शिक्षा के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं।

### फंसने के डर...

कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरियास डेवलपमेंट बोर्ड की तरफ से बागालुर के हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क में हार्डवेयर सेक्टर में दी गई थी। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बीएम ने 30 सितंबर को मुडा को 14 प्लॉट वापस करने की बात कही थी। इसे लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि उनके खिलाफ जारी षडयंत्रों के चलते उनकी पत्नी आहत हैं और इसलिए वह जमीन वापस कर रही हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने 30 सितंबर को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और उनके साले के खिलाफ केस दर्ज किया था। इन सभी के खिलाफ मैसूरू लोकायुक्त ने भी भ्रष्टाचार को लेकर केस दर्ज किया है। इस मामले में जांच जारी है।

### समाज में इतनी...

नफा-नुकसान पर आधारित पर पीआर स्टंट की तरह है। सुशांत सिंह राजपूत के मरने पर अस्पताल या शमशान कौन-कौन पहुंचा और फिर बाबा सिद्दीकी के मरने पर कौन-कौन पहुंचा, यह भी एक बड़ा सवाल है! इन सब के पीछे क्यों और किसलिए जोड़कर सवाल की गंभीर पड़ताल करने पर दिलचस्प तथ्य जरूर निकाल सकते हैं।भारत देश की त्रासदी है कि आजादी के बाद देश के तमाम सामाजिक-राजनीतिक क्रांति करने वाले पुरोधाओं के ऊपर महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का चेहरा थोप दिया गया और उसके आगे-पीछे मौजूद तमाम पुरोधाओं और महानायकों को भुला दिया गया। आज भारत में बहुत देर से ही सही महात्मा फुले, सावित्रीबाई फुले, छत्रपति शाहूजी महाराज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कर्पूरी ठाकुर, बीपी मंडल की प्रासंगिकता स्थापित हो सकी है तो यह गैर-कांग्रेसी सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन की देन है।

दिलचस्प है कि आजादी के लगभग 60 सालों तक तो किसी भी दलित-आदिवासी-पिछड़ा नायकों को मान-सम्मान तक नहीं मिला और ना ही उनकी प्रासंगिकता स्थापित हो सकी थी। देश की आजादी के ऐसे महानायक जिनको दोहरी कालापानी की सजा दी गई थी, ऐसे वीर सावरकर जी को स्वतंत्रता सेनानी मानने से इनकार करने वालों की एक बड़ी जमात इस देश में 70 सालों तक राज करती रही थी। यह महज संयोग नहीं था, बल्कि गंभीर प्रयोग था जो भारत को आज के पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान जैसा बनाने की ओर अग्रसर था।

इसी बुनियाद पर सारे साहित्य, शैक्षणिक कोर्स करिकुलम या सिलेबस बनाए गए थे जिसका कोर्स करेक्शन अत्यंत ही जरूरी था। अब कालांतर में प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति अथवा राजनीतिक दल अपनी पार्टियों के नेताओं को स्वयंभू भारत रत्न घोषित करने की परंपरा बना चुके हों तो उस देश को उनके हकीकत के आदर्श पुरोधाओं से वंचित रखने की साजिश भी नजर आती है। आज भारत में एक ओबीसी-अति पिछड़ा समाज के व्यक्ति नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामाजिक-राजनीतिक और खास धार्मिक समूह की ओर से व्यक्त की जाती है, इसका अध्ययन हमें कई बेहतर निष्कर्ष की ओर ले जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीतिक सफलताएं साबित करती हैं कि राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय एक समानांतर चलने वाली वैचारिक धारा है जिसकी आवश्यकता भारत को है। अबतक समाजवाद, वामपंथ और कांग्रेस की राजनीति में जिस तरीके से धर्मनिरपेक्षता की राजनीति को अति-प्रमुखता देकर सामाजिक न्याय की धारा को कुंद करने का काम हुआ, वह दलित-आदिवासी-पिछड़ा समाज के लिए अफीम के नशे से कम नहीं है। पूरे भारतीय सबाल्टर्न समाज को 70 सालों तक छद्म धर्मनिरपेक्षता की घुट्टी पिलाकर सामाजिक न्याय की पूरी राजनीति को मुस्लिमपरस्ती, राष्ट्रविरोध और सत्य सनातन हिंदू विरोध की धारा पर स्थापित करने का काम किया गया है। अब भारत निश्चित तौर पर हर घटना-दुर्घटना और हर पल स्थापित प्रचलित धारणा पर नए तरीके एवं नई दृष्टि से विमर्श की जरूरत को महसूस करने लगा है।मौत किसी की भी हो दुखद होती है। वैसे भारत देश में तो किसी अपराधी या आतंकवादी की फांसी की सजा पर भी प्रोपेगेंडा विमर्श और गंभीर सवाल उठाए जाने की परंपरा रही है। फिर इस सवाल में पीड़ित-मृतक-आरोपी एवं अपराधी की जाति और धर्म भी उतना ही महत्वपूर्ण सवाल बनते रहे हैं। बाबा सिद्दीकी की मौत से जुड़े रहस्यों का पर्दाफाश जरूरी है ही, अपराधियों को सख्त से सख्त सजा भी मिलनी चाहिए। इस बात की पूरी उम्मीद है कि मुंबई और महाराष्ट्र पुलिस का वह रवैया निश्चित ही इस मामले में नहीं होगा जो सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान के मामले में था। लेकिन मुंबई की बदनाम गलियों में देर-सवेर यह भी घूमना शुरू हो जाएगा कि किसके पैसे कौन लगाता था? कौन ब्लैक को व्हाइट करता था? किसके हवाला कारोबार थे? और फिर किस सेलिब्रिटी या सफेदपोशों के कितने पैसे डूबे। बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद सामने आ रहे राजनीतिक-सामाजिक-सेलिब्रिटी लोगों की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष प्रतिक्रियाओं और व्यक्तिगत तौर पर इनकी सक्रिय या बेचैन गतिविधियों में इस बात का जवाब ढूंढ़ने की कोशिश की जा सकती है।

जीवन सबका महत्वपूर्ण है, लेकिन जीवन के प्रति हर व्यक्ति का नजरिया अलग हो सकता है। जो बाबा सिद्दीकी के मौत पर बेचैन हैं, वह निश्चित तौर पर सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर बेचैन नहीं थे और दिशा सालियान की मौत पर तो वे मरघट जैसी चुप्पी साधे हुए थे। बुरा लग सकता है पर खुलकर कहना जरूरी है कि नाली में कीड़े भी तो बड़े मजे से जिंदगी जीते हैं और ये कीड़े मानव जीवन, समाज एवं राष्ट्र के लिए कितने खतरनाक है इसका अंदाजा हम लगा ही सकते हैं। इन कीड़ों को क्या हम अपने ड्राइंग रूम में एक्वेरियम के भीतर इस तरह रख सकते हैं जिस तरह छोटी रंगीन मछलियों को रखते हैं।जाहिर है कि हर चमकने वाली चीज सोना-चांदी या हीरा नहीं होती।

हर जगह खुदाई करके सोना-चांदी-हीरा नहीं निकाल सकते और इसकी असली पहचान बहुत हद तक खुदाई करने वाले से ज्यादा जौहरी पर भी निर्भर करता है। भारत का हर आम नागरिक देश-दुनिया में हो रही सभी घटना पर नजर रखे हुए है और पूरी तन्मयता से उसका विश्लेषण करने में जुटा है। सच सिर्फ वही नहीं होता जो कानून या पुलिस-प्रशासन साबित करता है, बल्कि सच वह भी है जो आम जनता जानती है जिसे कोर्ट में साबित नहीं किया जा सकता और कई बार कोर्ट सबूतों के अभाव में सच साबित भी नहीं कर पाती है।सवाल है कि भारत का समाज 72 हूरों वाले जन्नत के फर्जी अवधारणा या ख्वाब के आधार पर चलेगा या फिर संविधान आधारित नीति-नैतिकता-सिद्धांत और सामाजिक-धार्मिक नैतिकता एवं मर्यादा के आधार पर चलेगा? भारत के भीतर ही यह मुंबई अलग क्यों दिखता है? मुंबई दिशा सालियान, सुशांत सिंह राजपूत और बाबा सिद्दीकी में फर्क क्यों महसूस करता है? इसी सवाल की तह में छुपा है कि यह मुंबई इतना खतरनाक क्यों है? यहां इतनी दोगलई क्यों है भाई..?

# सोमवार के दिन शिवलिंग पर चढ़ाएं ये खास चीज

## शत्रुओं का होगा नाश, कर्ज से मिल सकती है मुक्ति!

हिंदू धर्म की मान्याताओं के अनुसार हर एक तिथि और वार का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में हर एक दिन किसी न किसी देवी-देवता का जरूर समर्पित होता है। वार के अनुसार ही उस दिन विशेष पूजा-आराधना की जाती है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समपर्ति होता है। सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष रूप से पूजा करने का महत्व होता है। ऐसी मान्यता है सोमवार के दिन भो-लेनाथ की पूजा-अर्चना करने पर व्यक्ति को सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिल जाती है। भगवान भोलेनाथ की पूजा में जल चढ़ाना और फूल अर्पित करना खास माना जाता है। इस कारण से सोमवार के दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजन किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में हमेशा सुख समृद्धि बनी रहती है। सोमवार के दिन उत्तर दिशा की ओर मुंह करके शिवलिंग की पूजा करना बेहद ही शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चंदन, अक्षत, बिल्व पत्र,पुष्प धतूरा, दूध और गंगाजल चढ़ाने से भगवान शंकर जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए मात्र एक लोटा जल ही काफी माना जाता है। इससे भोलेनाथ जल्द प्रसन्न होकर अपने भक्तों का सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। आइए जानते हैं समस्या के हिसाब से भोलेनाथ को क्या क्या अर्पित करना चाहिए।

मनोकामना पूर्ति के लिए चढ़ाएं ये चीज:- अपनी सभी प्रकार की मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए शिवलिंग पर मूंग की दाल चढ़ानी चाहिए। वहीं, सोमवार के दिन शिवलिंग पर काली दाल चढ़ाने से जातक की इसे चढ़ाने से बदलेगा भाग्य: यदि कड़ी मेहनत के बाद भी आपके हाथ सफलता नहीं लग रही तो आपको सोमवार के दिन चने की दाल चढ़ानी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे जातक के भाग्य में वृद्धि होती है।

शत्रुओं के साथ कर्ज से मिलेगा छुटकारा :- यदि आपको शत्रु परेशान कर रहे हैं तो इसके लिए आपको शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे आपके शत्रुओं का नाश होगा।शत्रुओं से मुक्ति पाने के लिए शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाना शुभ माना जाता है।

ऐसा करने से शत्रुओं का नाश होता है और जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। वहीं, कर्ज से मुक्ति पाने के लिए आप शिवलिंग पर लाल मसूर की दाल चढ़ा सकते हैं।शिवलिंग पर सरसों के तेल से अभिषेक करते समय, भगवान शिव के ङ्गप्रलयंकरफ स्वरूप का मानसिक ध्यान करना चाहिए।

सुख-समृद्धि के लिए चढ़ाएं ये चीजें:- ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग पर सुगंधित तेल चढ़ाने से व्यक्ति को धन-धान्य और भौतिक सुख प्राप्त होते हैं। वहीं, शिवलिंग पर केसर अर्पित करने से वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। साथ ही शिवलिंग पर चंदन चढ़ाने से व्यक्ति के मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

# कामाख्या मंदिर में पूजा करने से भक्तों को मिलती है कष्टों से मुक्ति

**पूर्णिया जिला मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर कृत्यनगर प्रखंड क्षेत्र के मजरा पंचायत में स्थित कामाख्या मंदिर में पूजा करने से भक्तों को कष्टों से मुक्ति मिलती है।**

पूर्णिया का कामाख्या मंदिर,असम के गुवाहटी के बाद देश का दूसरा कामाख्या मंदिर माना जाता है। करीब सात सौ साल पुराने इस मंदिर को लेकर यह मान्यता है कि हर मंगलवार को मां कामाख्या यहां विराजमान रहती है और यही कारण है कि यहां मंगलवार को काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच कर देवी मां की पूजा अर्चना करते हैं। प्रचलित कथा के अनुसार यह मंदिर मुगलकालीन है और मंदिर की स्थापना की कहानी दो दिव्य बहनों की कथा से जुड़ी है।ऐसा कहा जाता है कि सुंदरी और श्यामा नाम की दो लड़कियां थीं। मुगलों से इनकी रक्षा करने के लिए माता यहां पहुंच गई थीं। माता के मंदिर में इन दोनों लड़कियों का भी एक मंदिर बना हुआ है।

यहां प्रतिमा नहीं बल्कि देवी मां की पिंडी स्थापित है और इसे शक्तिपीठ भी माना जाता है। यही वजह है कि लोगों में यह विश्वास है कि यहां मांगी गई मन्नत हर हाल में पूरी होती है।पुष्पांजलि के बाद भक्तगण तब तक खड़े रहते हैं जब तक देवी मां की पिंडी पर अर्पित फूल नहीं गिरता है।भक्त फूल को अपने माथे से लगाते हुए इस विश्वास के साथ घर लौटते हैं कि देवी मां ने उनके मुरादों की अर्जी स्वीकार कर ली।

कहा जाता है कि इस मंदिर में आने वाले कोई भी कुष्ठ रोगी या चर्म रोगी यदि सच्चे मन और सच्ची भावना के साथ श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करे तो मां निश्चित ही उसके कष्टों को हर लेती हैं। असाध्य रोगों को मां अपनी चमत्कारी कृपा से जल्द स्वस्थ कर देती हैं।

# आस्था का अटूट केंद्र हैं अंबिका भवानी मंदिर

बिहार के सारण जिले में आमी गांव स्थित अंबिका भवानी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का अटूट केंद्र है।मां अंबिका भवानी मंदिर स्थानीय लोगों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और नेपाल के श्रद्धालुओं के बीच भी अत्यधिक पूजनीय है। माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण कई सदियों पूर्व हुआ था, और इसकी अनूठी स्थापत्य शैली और दैवीय शक्ति श्रद्धालुओं को दूर-दूर से आकृष्ट करते हैं।

कहा जाता है कि इस मंदिर को यदि केंद्र बिन्दु माना जाये तो इसके समान दूरी पर ही पड़ोसी देश नेपाल में स्थित काठमांडू का पशुपतिनाथ मंदिर, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश का विश्वनाथ मंदिर और झारखंड के देवघर में मौजूद बाबा वैद्यनाथ धाम की दूरी एक समान है। अंबिका मंदिर इन सभीमंदिरों से दूरी बना कर एक त्रिभुज का निर्माण करती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां मिट्टी की पिंडी की पूजा मां जगत जननी दुर्गाके रूप में की जाती है। इस कारण यह सिद्धपीठ भक्तों के लिए हमेशा ही आस्था का केंद्र रहा है।प्रति वर्ष अश्विन और चैत्र मास में नवरात्र के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। भक्त अपने घर से यहां आकर नौ दिनों तकमंदिर में रहकर भी दुर्गा सप्तशती का पाठ एवं जप करते हैं। पूरे साल मंदिर के पुजारियों के द्वारा सुबह एवं शाम आरती के बाद मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है, जिसमें आम भक्त हिस्सा लेते हैं। लेकिन नवरात्रि के अवसर पर इसमें मंदिर के पुजारियों के द्वारा ही मां अम्बिकाकी आरती की जाती है, जिसमें आम भक्त का प्रवेश वर्जित होता है।स्थानीय कथा के अनुसार मां अंबिका भवानी मंदिर का संबंध रामायण से है। मान्यता है कि श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने से पहले इसी स्थान पर माँ अंबिका भवानी की पूजा की थी और उनका आशीर्वाद लिया था। यहां देवी पार्वती के अंबिका स्वरूप की यहां पूजा की जाती है। भक्तों का विश्वास है कि माता अंबिका भवानी का आशीर्वाद संकटों को दूर करता है और मनोकामनाएं पूरी करता है। इस मंदिर पर नवविवाहित जोड़े माता का आशीर्वाद मांगने भी आते हैं।मंदिर प्रांगण में माता के मुख्य मंदिर के अलावा शिव जी, हनुमान जी, और श्री राम दरबार जैसे अन्य मंदिर भी हैं। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर की चहल-पहल, रंग-बिरंगी सजावट, और निरंतर पूजा अर्चना देखते ही बनती है। श्रद्धालुओं की भीड़ माता को प्रसाद चढ़ाने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए भक्तिभाव से उमड़ पड़ती है।नवरात्रि के दौरान इस मंदिर का उत्सव एक अलौकिक अनुभव होता है जो परंपरा, भक्ति और माँ अंबिका के प्रति अपार श्रद्धा को दर्शाता है।

# छतरपुर के आल्हम देवी मंदिर का चमत्कारिक कुंड

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गौरिहार जनपद के अंतर्गत स्थित ठकुर्रा गांव में मां आल्हम देवी का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर की सबसे अनोखी और रहस्यमयी विशेषता यहां स्थित एक छोटा सा चमत्कारिक कुंड है, जिसमें कितना भी पानी डाला जाए, यह कभी भरता नहीं है। देवी की शक्ति और इस कुंड का रहस्य स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं के लिए वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इसे पाताल से जुड़ा हुआ मानते हैं और इस रहस्य को अब तक कोई सुलझा नहीं पाया है ।

मंदिर के पुजारी शिवराम स्वरूप शर्मा के अनुसार, यह कुंड केवल एक साधारण कुंड नहीं है, बल्कि एक चमत्कारिक स्थल है। स्थानीय मान्यता है कि मां आल्हम देवी पाताल से प्रकट हुई थीं, इसलिए उन्हें पाताल की देवी भी कहा जाता है। देवी मां इसी कुंड में विराजमान हैं, और यह कुंड देवी की शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यहां के लोग बताते हैं कि सदियों से इस कुंड में कितना भी पानी डाला जाए, यह कभी पूरा नहीं भरता। यह बात स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी एक रहस्य है।स्थानीय मान्यताओं के अनुसार,

यह कुंड पाताल से जुड़ा हुआ है, और इसलिए यह कभी नहीं भरता। एक समय विधायक ने भी कुंड को पानी से भरने की कोशिश की, लेकिन कई बाल्टियां पानी डालने के बावजूद कुंड सूखा ही रहा। अंत में विधायक ने इसे पातालू कुंड मानते हुए यह रहस्य अनसुलझा छोड़ दिया। पुजारी बताते हैं कि मां के आशीर्वाद से यह चमत्कार बना रहता है और लोग इसे मां की कृपा मानते हैं। मंदिर के इस चमत्कारिक कुंड का संबंध केवल देवी से ही नहीं, बल्कि वीर योद्धा आल्हा से भी जुड़ा हुआ है। आल्हा बुंदेलखंड के एक प्रसिद्ध योद्धा थे, और इस मंदिर से जुड़ी मान्यता है कि आल्हा आज भी देवी मां की पूजा करने आते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि चाहे आप कितनी भी जल्दी पूजा के लिए पहुंच जाएं, मंदिर में सबसे पहले आल्हा ही पूजा करके चले जाते हैं। मंदिर में देवी के सामने पहले से चढ़े हुए फूल इस बात का प्रमाण माने जाते हैं कि आल्हा यहां आते हैं और मां की पूजा करते हैं।

यह मान्यता मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है और इस स्थल को और भी पवित्र बनाती है। भक्त कहते हैं कि मां आल्हम देवी के इस पवित्र स्थान पर आने से उनके सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और मां का आशीर्वाद उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मां आल्हम देवी के इस मंदिर में हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस चमत्कारिक कुंड और मां की दिव्यता के प्रति लोगों का अटूट विश्वास है। यहां आने वाले भक्त इस चमत्कार को मां का आशीर्वाद मानते हैं और कहते हैं कि कुंड का कभी न भरना मां की अनंत शक्ति का प्रमाण है। यह कुंड सदियों से आस्था का प्रतीक बना हुआ है, और लोग इसे देखने और मां के दर्शन करने दूर-दूर से आते हैं।छतरपुर जिले के आल्हम देवी मंदिर का चमत्कारिक कुंड सदियों से श्रद्धालुओं के लिए आस्था और रहस्य का प्रतीक बना हुआ है। पानी से कभी न भरने वाले इस कुंड का संबंध पाताल से माना जाता है, और लोग इसे मां आल्हम देवी की शक्ति का अद्भुत चमत्कार मानते हैं। वीर योद्धा आल्हा से जुड़ी मान्यताएं और उनकी पूजा के प्रमाण मंदिर को और भी पवित्र बनाते हैं। यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि यहां आने वाले लोगों के लिए एक चमत्कारी अनुभव भी प्रदान करता है।

# कोडरमा में सिंदूर खेल रस्म से हुई मां दुर्गा की विदाई

## महिलाओं ने लिया सुहाग के लिए आशीर्वाद

विजयादशमी का त्योहार, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, कोडरमा जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर अड्डी बंगला दुर्गा मंडप प्रांगण में पारंपरिक बंगाली रस्म सिंदूर खेल के साथ माता दुर्गा को विदाई दी गई। सुहागिन महिलाओं के लिए यह रस्म विशेष महत्व रखती है, क्योंकि इसे निभाने से उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस धार्मिक अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और अपनी मांग में सिंदूर भरकर अपने पति की दीर्घायु और अमर सुहाग की कामना की।

सिंदूर खेल बंगाली समाज की एक पुरानी परंपरा है, जिसे विशेष रूप से विजयादशमी के दिन निभाया जाता है। पहले इस रस्म को सिर्फ बंगाली समाज की सुहागिन महिलाएं निभाती थीं, लेकिन अब इसकी धार्मिक महत्ता को समझते हुए अन्य समाज की महिलाएं भी इसमें शामिल होती हैं। पहले यह रस्म बंगाली समाज तक सीमित थी, लेकिन अब सभी समाज की महिलाओं के लिए यह आस्था और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है।

इस रस्म में, महिलाएं मां दुर्गा के चरणों में सिंदूर अर्पित करती हैं और फिर उसी सिंदूर को अपनी मांग में भरकर अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। माना जाता है कि यह रस्म सुहागिन महिलाओं को माता दुर्गा से अमर सुहाग का आशीर्वाद दिलाती है, जो उनके वैवाहिक जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने में सहायक होता है।

सिंदूर खेल की रस्म में सबसे पहले महिलाएं माता दुर्गा की प्रतिमा के चरणों में सिंदूर अर्पित करती हैं। इसके बाद, वे एक-दूसरे की मांग में इस सिंदूर को लगाकर अपने पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। इस अवसर पर महिलाओं ने माता दुर्गा की आरती उतारी और उन्हें विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही, पूरे परिवार पर माता की कृपा बनी रहे और सुख-समृद्धि का वास हो, इसकी भी प्रार्थना की गई।इस धार्मिक अनुष्ठान के बाद, महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर माता दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त किया और अपने जीवन में अमर सुहाग की कामना की। यह रस्म केवल धार्मिक महत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुहागिन महिलाओं के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव को भी बढ़ाती है।

इसके बाद, माता दुर्गा की प्रतिमा को पूरे सम्मान और धार्मिक विधि-विधान के साथ विदाई दी गई। इस मौके पर महिलाएं माता से अगले वर्ष नवरात्र में पुनः आगमन की प्रार्थना करती हैं और पूरे परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना करती हैं। इस तरह, माता दुर्गा की विदाई के साथ कोडरमा में विजयादशमी का उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बंगाली समाज द्वारा शुरू की गई यह परंपरा अब पूरे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन बन चुकी है। इस विशेष रस्म में अन्य समाज की महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है, जो इस रस्म की धार्मिक महत्ता और समाज में इसके महत्व को दर्शाती है।

सिंदूर खेल रस्म कोडरमा की विजयादशमी का एक महत्वपूर्ण और अनूठा हिस्सा बन चुका है, जिसमें सुहागिन महिलाएं मां दुर्गा से अखंड सौभाग्य और अमर सुहाग का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

यह रस्म केवल बंगाली समाज तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब अन्य समाजों की महिलाएं भी इसे अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानती हैं। विजयादशमी के इस पर्व पर मां दुर्गा की विदाई के साथ-साथ, यह रस्म महिलाओं के जीवन में सुख-समृद्धि और वैवाहिक सुख का प्रतीक बन गई है।

# आसमान से बरसेगा अमृत! शरद पूर्णिमा की चांदनी में रखें खीर, खाने से होंगे 5 बड़े लाभ

सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। यह हर साल अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सालभर में 12 पूर्णिमा तिथियां होती हैं। इसमें शरद पूर्णिमा को विशेष महत्व है। शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा और कोजागर पूर्णिमा के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि, शरद पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के संग महारास रचाया था, इसलिए इसे रास पूर्णिमा कहते हैं। वहीं, शरद पूर्णिमा की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं, जिसे कोजागर पूर्णिमा के नाम से जानते हैं। शरद पूर्णिमा की रात में खुले आसमान के नीचे खीर रखते हैं। क्या आप जानते हैं कि इस खीर को खाने के लाभ क्या हैं? इस बार कब है शरद पूर्णिमा? शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों में खीर रखने का समय क्या है? इस बारे में छ्शुी18 को बता रहे हैं उन्नाव के ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री-

### शरद पूर्णिमा 2024 की सही तारीख

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल शरद पूर्णिमा के लिए जरूरी अश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि 16 अक्टूबर बुधवार की रात 8:40 बजे शुरू होगी। यह तिथि अगले दिन 17 अक्टूबर को शाम 4:55 बजे तक मान्य रहेगी। ऐसे में शरद पूर्णिमा का पर्व 16 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को मनाया जाएगा।

शरद पूर्णिमा 2024 खीर रखने का समय

16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का चंद्रोदय शाम में 05:5 बजे पर होगा। शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान के नीचे चंद्रमा की किरणों में खीर रखते हैं। इस साल शरद पूर्णिमा पर खीर रखने का समय रात में 08:40 बजे से है। इस समय से शरद पूर्णिमा का चंद्रमा 16 कलाओं से युक्त होकर अपनी किरणों को पूरे संसार में फैलाएगा।

शरद पूर्णिमा की खीर के 5 चमत्कारी लाभ

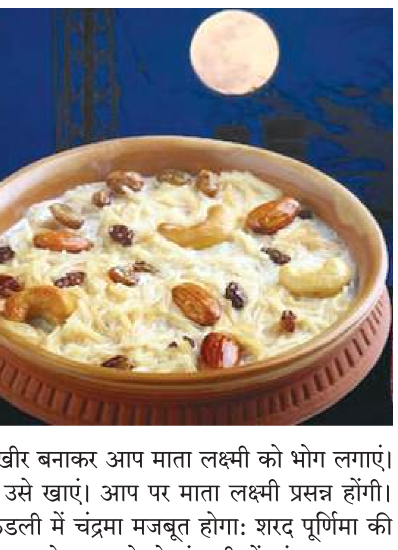

**मां लक्ष्मी का मिलेगा आशीर्वाद:** शरद पूर्णिमा की खीर बनाकर आप माता लक्ष्मी को भोग लगाएं। फिर उसे खाएं। आप पर माता लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

कुंडली में चंद्रमा मजबूत होगा: शरद पूर्णिमा की खीर का सेवन करने से कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है। दूध, चीनी और चावल तीनों ही चंद्रमा से जुड़ी वस्तुएं हैं। यदि आप शरद पूर्णिमा पर खीर बनाकर दान कर दें तो आपकी कुंडली का चंद्र दोष दूर हो सकता है।

**सेहत में होगा सुधार:** धार्मिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों में अमृत के समान औषधीय गुण होते हैं। चंद्रमा की किरणें जब खीर में पड़ती हैं तो वह खीर भी अमृत के गुणों वाला हो जाता है। शरद पूर्णिमा की खीर खाने से व्यक्ति सेहतमंद होता है और त्वचा की चमक बढ़ती है।रोगों में होगा लाभ: शरद पूर्णिमा की खीर खाने से मन और शरीर दोनों ही शीतल होता है। यह कई रोगों में लाभदायक माना जाता है।

**इम्युनिटी में हो सकता सुधार:** यदि आप शरद पूर्णिमा पर चांदी के बर्तन में खीर को चांदनी में रखते हैं तो उसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो सकती है।

# रजनीकांत-अमिताभ की वेट्टैयन ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका

## ओपनिंग डे पर छापे 30 करोड़

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन और साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की वेट्टैयन साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म थी । फाइनली ये फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमा घरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में सालों बाद दोनों सुपरस्टार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आ रहे हैं। इससे पहले ये जोड़ी हम फिल्म में दिखी थी।ऐसे में तमिल एक्शन थ्रिलर वेट्टैयन का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। वहीं सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इसकी शुरुआत अच्छी रही है।

चलिए यहां जानते हैं वेट्टैयनने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ से ओपनिंग की हैअमिताभ बच्चन और रजनीकांत स्टारर एक्शन थ्रिलर का रिलीज से पहले काफी माहौल बन गया था। दरअसल वेट्टैयनके ट्रेलर ने फैंस का इस फिल्म के लिए एक्साइटमेंट पीक लेवल पर कर दिया था। वहीं इस फिल्म के सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे फर्स्ट डे देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोशल मीडिया पर भी वेट्टैयनकी काफी तारीफ हो रही है।ऑडियंस से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के साथ ही अमिताभ बच्चन और रजनीकांत स्टारर फिल्म की ओपनिंग भी दमदार रही है। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक वेट्टैयन ने रिलीज के पहले दिन 30 करोड़ का बिजनेस किया है। फिल्म ने तमिल में पहले दिन 26.15 करोड़, तेलुगु में 3।2 करोड़, हिंदी में 0.6 करोड़ और कन्नड़ में 0।05 करोड़ का कलेक्शन किया है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं ऑफिशियल डाटा आने के बाद इनमें थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है।वेट्टैयन की शुरुआत काफी अच्छी रही है। ओपनिंग डे पर 30 करोड़ के कलेक्शन के साथ इस फिल्म ने आमिर खान स्टारर फिल्म दंगल (29.78) और शाहरुख खान की डंकी (28 करोड़) के ओपनिंग डे के कलेक्शन का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है। हालांकि टीजे ग्नानवेल द्वारा निर्देशित ये फिल्म, नेल्सन द्वारा निर्देशित रजनीकांत की पिछली रिलीज जेलर की शुरुआती दिन की कमाई की बराबरी नहीं कर पाई है। बता दें कि जेलर ने पिछले साल अपने शुरुआती दिन में भारत में 48.35 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। वेट्टैयनने सभी भाषाओं में पहले दिन 30 करोड़ की कमाई की है जो कि काफी अच्छा कलेक्शन है। हालांकि अब शुक्रवार को फिल्म को आलिया भट्ट की जिगरा और राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो टक्कर देने आ रही हैं। इन दोनों फिल्मों का हिंदी बेल्ट में काफी बज है और ऐसे में ये वेट्टैयनको नॉर्थ इंडिया में झटका दे सकती हैं। ऐसे में अब देखने वाली बात होगी कि जिगरा और विक्की विद्या का वो वाला वाडियो के आगे वेट्टैयनहिंदी बेल्ट में कैसा परफॉर्म करती है। इन सबके बीच मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म को दशहरा की छुट्टी का फायदा होगा और वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी।

# बंदा सिंह चौधरी का ट्रेलर रिलीज पंजाब बचेगा तो देश बचेगा

## अरशद वारसी ने उग्रवादियों के खिलाफ उठाए औजार

अरशद वारसी और मेहर विज स्टारर फिल्म बंदा सिंह चौधरी का बेहतरीन ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म भारत और पाक के युद्ध 1971 के बाद दोनों देशों में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर बेस्ड है। फिल्म में अरशद वारसी और मेहर विज अहम रोल में नजर आने वाले हैं। जिनकी प्यार के कहानी के बीच सांप्रदायिक तनाव ने खटास पैदा कर दी है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक सक्सेना ने किया है। फिल्म मौजूदा महीने को रिलीज होने जा रही है।बंदा सिंह चौधरी के ट्रेलर की शुरुआत अरशद वारसी से होती है और वह शीशे में अपने बालों को बनाते दिख रहे हैं और इसके बाद फिल्म की हीरोइन मेहज विज की एंट्री होती है, जिसे देख अरशद का दिल फिसल जाता है। 1975 के बैकड्रॉप में चल रहे सीन में अरशद मेहर से शादी करने के लिए उतावले हो रहे हैं, वहीं अगले सीन में धमाका होता है और ट्रेलर का रुख रोमांटिक से सीधा हमलों पर आ जाता है, उग्रवादी अरशद के गांव में आते हैं और कहते हैं हिंदू पंजाब छोड़ो, इसके बाद कहानी में नई ट्विस्ट आता है और फिर पंजाबी और उग्रवादियों में जंग छिड़ जाती है।अरबाज खान प्रोडक्शंस में बनी फिल्म बंदा सिंह चौधरी आगामी 25 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। एककेएस मूवीज एंटरटेनमेंट, आआफिल्म्स, मेहर विज प्रोडक्शंस और जी म्यूजिक कंपनी की पेशकश फिल्म दर्शकों को इस्टोरिकल फेज दिखाने जा रही है।फिल्म में भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री मेहर विज ने कहा कि जब सब कुछ बिखर जाता है तब यह कहानी उम्मीद और प्यार पाने के बारे में है। यशयह उस समय मजबूती से खड़े रहने के बारे में है जब दुनिया आपके इर्द-गिर्द बिखर जाती है।फिल्म अपने किरदारों के माध्यम से समुदाय और देश के बीच तनाव को दिखाती है।

जिसमें एकता की लड़ाई में दिल और संकल्प दोनों की मजबूती का परीक्षण होता है।फिल्म के निर्माता अरबाज खान ने कहा, बंदा सिंह चौधरी संघर्ष की कहानी नहीं है, यह एक ऐसे राष्ट्र की ताकत को दर्शाती है जो विभाजनकारी ताकतों के होते हुए भी टूटने से इनकार करता है।अरबाज खान प्रोडक्शन सीमलेस प्रोडक्शंस एलएलपी और अक्स मूवीज एंड एंटरटेनमेंट बंदा सिंह चौधरी लेकर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण अरबाज खान और मनीष मिश्रा ने किया है।

# बिग बॉस 18 में आने की अफवाहों के बीच निया शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, जानें क्या कहा

'बिग बॉस 18' शुरू हो चुका है लेकिन सोशल मीडिया पर बज अभी भी है कि एक्ट्रेस निया शर्मा की एंट्री होगी। अलग-अलग प्रोमो दिखाकर ये हिंट भी दिया गया कि निया शर्मा शो में जरूर आएंगी। इतना ही नहीं बल्कि कलर्स चैनल ने भी बज बनाने के लिए निया शर्मा के नाम का यूज किया कि वो 'बिग बॉस 18' में नजर आएंगी। अब निया शर्मा ने सभी अफवाहों से की सच्चाई खुद बता दी है।

निया शर्मा टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने कई डेली सोप और कई रिएलिटी शोज किए हैं। 'बिग बॉस 18' में इनके आने की चर्चा भी जोरों पर थी लेकिन अब निया शर्मा ने एक इंटरव्यू में इस बात को साफ कर दिया है कि वो उस शो का हिस्सा बनेंगी या नहीं?पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में निया शर्मा ने 'बिग बॉस 18' को लेकर खुलकर बात की है। निया ने कहा, 'वो कलर्स था। मैंने ये पहले भी कहा था। मैं 'लाफ्टर शेफ्स' कर रही थी लेकिन कुछ दिनों के बाद अनाउंसमेंट किया कि ये कैंसल हो गया। तो मुझे सच में लगा था कि मैं जाऊंगी या नहीं भी जाऊंगी, ये सारा बज क्रिएट किया था और मुझे लगा कि ये सब बहुत अच्छे से वर्क कर गया। वो शो चल गया और कलर्स ने मेरा नाम बज बनाने के लिए ले लिया।'

निया ने आगे कहा, 'ये प्लानिंग पहले से हो गई थी और मैं कुछ लिख भी नहीं पाई, फिर मैंने हंबली माफी मांगी कि मैं कोई नोट नहीं लिख पाई। ये सबकुछ कलर्स टीम ने किया था जो उनकी स्ट्रेटेजी थी। मैं उनके साथ काम कर रही थी इसलिए वो मेरा नाम यूज कर सकते थे, इसलिए ये पूरी तरह से सही है।'

एक्ट्रेस निया शर्मा ने ये भी कहा कि अक्सर ऐसा होता है कि जब आप किसी चैनल के साथ काम कर रहे होते हैं तो आपका कॉन्ट्रैक्ट होता है। उस दौरान अगर अपने दूसरे शो के लिए वो आपका नाम लेते हैं तो ये पूरी तरह से ठीक है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस बात को जाने दें और शो एन्जॉय करें।

# बॉलीवुड में भी किसी अन्य इंडस्ट्री की तरह ही नेपोटिज्म है : राधिका मदान

राधिका मदान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो से की थी। उन्होंने टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। टीवी के बाद राधिका ने बॉलीवुड में फिल्म पटाखा से कदम रखा था। अब उन्होंने नेपोटिज्म पर चुप्पी तोड़ी है।

राधिका ने कहा कि फिल्म वर्ल्ड के लोगों के लिए आउटसाइडर्स की तुलना में काम मिलना आसान होता है। उन्होंने नेपोटिज्म को लेकर 6 साल बाद बात की है।राधिका मदान ने कहा- बॉलीवुड में भी किसी अन्य इंडस्ट्री की तरह ही नेपोटिज्म है। उन्होंने स्टार किड्स को अपनी गलतियों से सीखने के भरपूर अवसर मिलते हैं, लेकिन बाहरी लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। राधिका मदान ने कहा- उनको सीखने के लिए 2-3 फिल्में मिल जाती है कि अभी सीख जाएगा, अरे देखो इंप्रूवमेंट है, अरे थर्ड फिल्म में कितना अच्छा लग रहा है।

राधिका ने आगे कहा-तुम एक्टिंग नहीं कर सकते, हमने तुम्हे मौका दिया, अब तुम बाहर हो। राधिका ने आगे कहा की आउटसाइडर्स को ज्यादा मौके नहीं मिलते हैं। राधिका ने कहा- मेरी एक गलती होगी तो मेको तो निकाल देंगे, मेरेको नहीं मौका मिलने वाले 2-3 फिल्मों के, एक्टिंग सीखने के लिए।राधिका ने पटाखा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उसके बाद वो इरफान खान के साथ अंग्रेजी मीडियम में नजर आई थीं। इसके अलावा राधिका मोनिका ओ माई डार्लिंग, कुत्ते, सास बहू और फ्लेमिंगो और सरफिरा में नजर आ चुकी हैं।

# कार्तिक की भूल भुलैया 3 के ट्रेलर ने तोड़े सारे रिकॉर्ड्स

## सिंघम अगेन को भी दी मात, 24 घंटे में मिले 155 मिलियन से ज्यादा व्यूज

कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म भूल भुलैया 3 का ट्रेलर बुधवार को जयपुर में सिनेमा का मंदिर कहे जाने वाले राज मंदिर में लॉन्च हुआ। 24 घंटे में ट्रेलर ने इतिहास रच दिया है, यह सबसे ज्यादा बार देखा जाने वाला हिंदी ट्रेलर बन गया है। हाल ही में कार्तिक ने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा कि भूल भुलैया 3 के ट्रेलर ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ये सबसे ज्यादा बार देखे जाने वाला हिंदी ट्रेलर बन गया है।भूल भुलैया 3 की दिवाली पर सिंघम अगेन से सिनेमाघरों में टक्कर होने वाली है। दोनों के ट्रेलर भी आस पास ही रिलीज हुए हैं। पहले सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया और इसे 24 घंटे में 138 व्यूज मिले। वहीं बुधवार को कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे 24 घंटे में 155 मिलियन व्यूज मिले।

जिससे भूल भूलैया 3 ने व्यूज के मामले में सिंघम अगेन को भी मात दे दी है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- इतना प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद, ये दिवाली भूल भुलैया वाली। पोस्टर पर लिखा है- हिस्टोरिक, भूल भुलैया 3 ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं ये 24 घंटे में 155 मिलियन से ज्यादा व्यूज पाने वाला पहला हिंदी ट्रेलर बन गया है।3।50 मिनट के ट्रेलर में अगर किसी सीन ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है तो वो है विद्या और माधुरी का डांस। हालांकि डांस की छोटी सी झलक ही ट्रेलर में दिखाई गई है लेकिन उसे भी दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं। एक ने लिखा- विद्या और माधुरी का डांस क्या बात, मैं तो इसी के लिए एक्साटेड हूं। एक ने लिखा- ओ माय गॉड एक नहीं बल्कि दो मंजूलिका। एक ने कमेंट किया- ये पूरी तरह से विद्या और माधुरी की मूवी है।

1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की टक्कर अजय देवगन की सिंघम अगेन से होने वाली है। सिंघम अगेन में अजय देवगन, अक्षय कुमार, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ जैसी बेहतरीन मल्टीस्टारर कास्ट है। वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन, तृप्ति डीमरी, विजय राज जैसे कलाकार खास रोल प्ले कर रहे हैं। देखना दिलचस्प होगी कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती हैं।

# शॉर्ट ड्रेस पहन इवेंट में पहुंची पलक तिवारी

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में इंडस्ट्री में अपनी अच्छी पहचान बना लही है। बता दें कि एक्ट्रेस ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस को एक इवेंट के दौरान पैपराजी ने स्पॉट किया। जहां उनका ग्लैमरस लुक देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।एक्ट्रेस पलक तिवारी हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में नजर आईं।पलक तिवारी ने इवेंट के लिए ब्लू कलर के शॉर्ट आउटफिट को चुना। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही हॉट लग रही हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप, हाई हील्स और हॉथ में छोटा सा बैग कैरी कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पैपराजी को क्यूट सी स्माइल देते हुए एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं।

## आज का राशिफल

### मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

### वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

### मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बाहर का और खुला खाना खाते वक़्त ख़ास तौर पर बचाव पर ध्यान देने की ज़रूरत है। हालांकि बिना वजह तनाव न लें, क्योंकि यह आपको मानसिक कष्ट दे सकता है। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक़ न हो, तो आप नाराज़गी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है – इसलिए भली–भांति सोचकर ही बोलें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

### कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस–पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना–देना नहीं है। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

### सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आप दोस्तों के साथ शाम को बाहर घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

### कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। साफ़गोई से अपने मन की बात कहने में घबराएँ नहीं। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं।

### तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। जीवन हमेशा कुछ नया और चौंकाने वाली चीज़ आपके सामने लाता है। लेकिन आज आप अपने जीवनसाथी का एक अनोखा पहलू देखकर ख़ुशी से चौंक जाएंगे।

### वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

### धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

### मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत ज़्यादा खाने से बचें और अपने वज़न पर नज़र रखें। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस–पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना–देना नहीं है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। दिवास्वप्नों में समय खपाना नुक़सानदेह रहेगा, इस मुग़ालते में न रहें कि दूसरे आपका काम करेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा

### कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

### मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा–दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। धन आपके लिए जरूरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। कुछ दिनों से आपका व्यक्तिगत जीवन ही आपके ध्यान का केंद्र रहा है। लेकिन आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये–पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

## सोमवार का पंचांग

दिनांक : 14 अक्टूबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 06:43 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 12:43 तक
योग : गण्ड सायं 06:00 तक
करण : विष्टि प्रात: 06:43 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:54 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:01 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:53 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:46 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पंचक चालू है , पापांकुशा एकादशी व्रत , भद्रा प्रात: 06:43 तक , श्याम बाबा की बारस


पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com


# भजनलाल ने कर्मचारियों को दीपावली पर बोनस की दी सौगात

**जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली के उपहार के रूप में तदर्थ बोनस देने का अनुमोदन कर दिया है, इससे राज्य सरकार के लगभग छह लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य सेवा के अधिकारियों को छोड़कर, राज्य कर्मचारियों को, जो राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के पे-मैट्रिक्स के पे लेवल एल–12 अथवा ग्रेड पे–4800 और उससे कम में वेतन आहरित कर रहे हैं, उन्हें वर्ष 2023–24 के लिए तदर्थ बोनस स्वीकार किया गया है। तदर्थ बोनस की गणना अधिकतम परिलब्धियां 7000 रुपये तथा 31 दिन के माह के आधार पर की जाएगी।

तदर्थ बोनस 30 दिन की अवधि के लिए देय होगा। तदनुसार प्रत्येक कर्मचारी को अधिकतम 6774 रुपये तदर्थ बोनस देय होगा। जिसमें से 75 प्रतिशत राशि नकद तथा 25 प्रतिशत राशि कर्मचारी के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी।

तदर्थ बोनस का अतिरिक्त वित्तीय भार लगभग 500 करोड़ रुपये होगा। तदर्थ बोनस पंचायत समिति एवं जिला परिषद कर्मचारियों को भी देय होगा।

## सिरसा में दो युवकों की गाड़ी से कुचलने से मौत

**सिरसा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हरियाणा के सिरसा जिले में सिरसा–भादरा रोड़ पर हुए सड़क हादसा में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब दोनों युवक सिरसा के श्री सालासर धाम से डाक ध्वजा लेकर जा रहे थे। दोनों युवक, अमित डागा और मोहित, अपने एक मित्र अमित शर्मा के साथ इस यात्रा पर थे।घटना शुक्रवार रात्रि की है जब वे नेजिया के पास आठवां मील के पास पहुंचे, तभी नाथूसरी चौपटा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। इस दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम देने वाली गाड़ी एक कांग्रेस नेता की बताई जा रही है। नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने अज्ञात गाड़ी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है। अमित शर्मा के बयान पर मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को दोनों शवों का सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात गाड़ी ड्राइवर की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस जांच अधिकारी एएसआई पवन कुमार ने कहा कि नेजिया के पास सालासर जा रहे दो युवकों के अज्ञात गाड़ी ने टक्कर मार दी। गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया। अज्ञात गाड़ी चालक की पहचान की जा रही है।

## जयपुर में भजनलाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ रावण दहन कार्यक्रम

**जयपुर ,13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राजधानी जयपुर में विजयादशमी पर्व पर आदर्श नगर में विशाल दशहरा महोत्सव आयोजित किया गया। श्री राम मंदिर प्रन्यास, श्री सनातन धर्म सभा के तत्वावधान में प्रदेश का यह बड़ा दशहरा महोत्सव स्थानीय आदर्श नगर के दशहरा मैदान में आयोजित किया गया जिसमें रावण का 105 फीट ऊंचा पुतला दहन किया गया। इसी तरह 90 फीट ऊंचा कुंभकर्ण का पुतला जलाया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक राजीव मनचन्दा और महामंत्री अनिल खुराना ने किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि महापौर कुसुम यादव , विधायक कालीचरण सराफ एवं रफीक खान आदि का भी स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी महोत्सव की बधाई दी और कहा कि यह पर्व पूरे देश ही नहीं अपितु पूरे विश्व में उल्लास के साथ मनाया जाता है । अधर्म पर धर्म की , असत्य पर सत्य , बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर सदाचार की विजय का पर्व है। श्री शर्मा ने कहा कि पांच सौ वर्षों के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है। अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बना है। हमारे ऋषियों ने जो रामराज्य की कल्पना की थी हम उसी तरफ बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी के मंगल कल्याण की भगवान से प्रार्थना की। इस बार दशहरा पर्व पर आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया था। आतिशबाजी में नियाग्रा फॉल के जैसा नज़ारा था । कई रंगों के झरने बहने लगे। सावन भादो में जैसे आसमान से पानी की बूंदें बरसती हैं ऐसे ही आतिशबाज़ी की छोटी छोटी बूंदें बरसने लगीं। आसमान में स्टार वार जैसा नज़ारा था। बीच बीच में फलक से अशर्फियां बरसने लगीं, ज़मीन से सुनहरी अनार फूटने लगे ।

धूमकेतु जैसा नजारें को देख सब चहकने लगे। हवाई मछलियां आकाश पर पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण दौड़ने लगीं। कहीं कहीं आसमानी आक्टोपस रंगीनियां बिखरते दिखे। इस दौरान बांस पर घूमती चकरियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ज़मीन से लाल, हरी, नीली, पीली हवाइयां छूटीं तो आसमान रंगीन हो उठा। आसमान में रंगीन सितारों का समूह दिखा, फूलों के गुलदस्ते खिलते दिखे। यह नजारा देख छोटे छोटे बच्चों के मुख से किलकारी निकल पड़ी। नवयुवक और नवयुवतियां खुशी व्यक्त करते हुए सेल्फी लेने लगे और लोग मोबाइल से फोटो खींचे।

# मंगल की कामना करने वाले नहीं करते भेद : जोशी

**जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी ने समाज में भेद करने वाले भाव को समाप्त करने की जरूरत बताते हुए कहा है कि इससे समाज की शक्ति बढ़ेगी। श्री जोशी शनिवार को यहां विजयादशमी पर संघ के जयपुर महानगर के झोटवाड़ा नगर में आयोजित विजयदशमी उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा सबके मंगल की कामना करने वाले हम किसी में भेद कैसे कर सकते हैं। यह भेद करने वाले भाव खत्म करने होंगे। तभी हिंदू शक्तिशाली होगा।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को जन्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर हो रहा है। पर क्या कोई बता सकता है कि हरिद्वार किस जाति का है। क्या बता सकता है कि 12 ज्योतिर्लिंग किस जाति के हैं। देश के कोने–कोने में स्थित 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं। जो लोग स्वयं को हिंदू मानते हैं और देश के सभी हिस्सों में रहते हैं। वे इन सभी को अपना मानते हैं, फिर भेद कहां है। जिस तरह से राज्य की सीमाएं हमारे बीच कोई भेद पैदा नहीं कर सकती हैं, उसी तरह जन्म के आधार पर चीजें हमें विभाजित नहीं कर सकती हैं। अगर कोई गलत धारणाएं हैं, तो उसे बदलना होगा, अगर कोई भ्रम या बेकार का अहंकार है, तो उसे खत्म करना होगा।भैय्याजी जोशी ने कहा हमारे ही देश को स्वच्छ रखने के लिए अभियान चलाना पड़ता। देश के प्रधानमंत्री अभियान चलाते हैं। हमें अपने कर्तव्य पर चर्चा करनी चाहिए। हमेशा सरकार पर निर्भर होना सही नहीं है। समाज को आगे बढ़ना है तो हर महिला को मां के रूप में देखना होगा। आज के रावण कौन, कौरव कौन है , भारत को विश्व गुरू बनना है नियति में है तो उसके लिए काम करें, यह रावण का पुतला जलाने से कुछ नहीं होगा। इससे पहले कार्यक्रम में पूर्व भय्याजी जोशी और बतौर मुख्य अतिथि पैरालिंपिक पदक विजेता मोना अग्रवाल ने शस्त्र पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

## झूठी गारंटियों का हरियाणा की जनता ने दिया ठोंक कर जवाब : जयराम

**सुंदरनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि राज्य की सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व की कांग्रेस सरकार की झूठी गारंटियों का हरियाणा की जनता ने अपने अंदाज में ठोक कर जवाब दिया है। यह बात श्री ठाकुर ने मंडी जिला के दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को 28 अक्टूबर को सैलरी मिलने वाली है। यह तभी संभव हो पाया है जब सेंट्रल टैक्स का 1479 करोड़ रुपए प्रदेश की झोली में आया है लेकिन उस पर भी मुख्यमंत्री

वाहवाही लूट रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर सैलरी और पेंशन नहीं मिल पा रही है। मुख्यमंत्री को यही समझ नहीं आ रहा कि वह कहना क्या चाहते हैं। कभी उनके द्वारा बोला जा रहा है कि प्रदेश संकट में है और कभी कहा जा रहा है कि प्रदेश संकट में नहीं है। मुख्यमंत्री जैसे पद पर रहकर ऐसे गैर जिम्मेदाराना होना शोभनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि काम करते–करते गलतियां भी होती हैं जिसे मुख्यमंत्री को उन्हें स्वीकार करना चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार मीडिया को कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। प्रदेश में मीडिया हमेशा मुखर और स्वतंत्र होकर लिखता है। कांग्रेस सरकार द्वारा मीडिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमजोर किया जा रहा है। लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है और एफआईआर पर विचार कर इसे सरकार को वापस लेना चाहिए।

## सिद्दीकी हत्या को लेकर राजनीतिक दोषारोपण ठीक नहीं : विज

**अंबाला, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर राजनीतिक दोषारोपण करना ठीक नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हत्या हुई है इसमें जांच की जा रही है लेकिन इसमें राजनीतिक दोषारोपण करना सही नहीं है।

## पीएम मोदी भी शामिल होंगे सैनी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में

**चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी 17 अक्टूबर को प्रदेश सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। श्री सैनी ने शनिवार को जिला कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने हर वर्ग के हित के लिए कार्य किया है। धरातल पर सरकारी योजनाओं को लागू करते हुए पात्र लाभार्थियों को इसका सीधा लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि वे भ्रष्टाचार में फसे हुए हैं। उन्होंने हिमाचल, कर्नाटक और तेलंगाना में झूठ फैलाकर सत्ता हथियाने का काम किया है, जनता अब समझ चुकी है और लोगों का उन पर से विश्वास उठ चुका है।

# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मद्देनजर धारा 163 लागू

**सिरसा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हरियाणा में सिरसा के जिलाधीश शांतनु शर्मा ने जिला के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी (शैक्षणिक/मुक्त विद्यालयी शिक्षा) (सीटीपी, ओसीटीपी, री–अपीयर, ईआईओपी, अतिरिक्त सुधार) एवं डी.ईएल.एड. (प्रथम वर्ष, फ्रेश व केवल अल्पसंख्यक महाविद्यालयों के लिए) परीक्षाओं को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए परीक्षा केंद्रों की परिधि में धारा 163 लागू करने के आदेश पारित किए हैं।

ये परीक्षाएं स्थानीय आर.एस.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल डबवाली रोड, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल खैरपुर, राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल मेला ग्राउंड, आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल काठ मंडी, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शाहपुर बेगू, श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा उच्च विद्यालय, आर.के.पी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल नेहरू पार्क, पार्वती देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कीर्ति नगर, जय भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवी लाल टाउन पार्क के पीछे और सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल डीसी कॉलोनी सिरसा में 16 अक्टूबर से नौ नवंबर तक परीक्षा आयोजित की जाएगी।जारी आदेशों में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जिला में बनाए गए परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में किसी प्रकार के हथियार ले जाने पर पाबंदी रहेगी। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से परीक्षा केंद्रों में प्रवेश नहीं कर सकता है। परीक्षा केन्द्रों के नजदीक 200 मीटर की परिधि में सभी फोटोस्टेट की दुकानें व कोचिंग सेंटर भी बंद रहेंगे। ये आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों, विद्यार्थियों तथा अन्य लोक सेवकों पर लागू नहीं होंगे। इन आदेशों की उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

## राज्यपाल बागड़े ने की हैदराबाद में अलाई – बलाई पर्व में शिरकत

**जयपुर, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को हैदराबाद में आयोजित अलाई– बलाई पर्व में शिरकत की।श्री बागड़े ने इस अवसर पर तेलंगाना के इस विशेष सामाजिक पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे लोक में इस तरह मिल जुल कर त्योहार मनाने की परम्परा रही है। बंडारू दत्तात्रेय ने लोक संस्कृति को फिर से जीवंत किया है। उन्होंने कहा कि वह कोई भी कार्य करते हैं तो पूर्ण लगन और उत्साह से करते हैं। यह त्योहार जन भावना और परस्पर मेल मिलाप की लोक की भारतीय परंपरा का अनूठा उदाहरण है।श्री बागड़े ने कहा कि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की पहल पर प्रारंभ यह उत्सव तेलंगाना की त्योहार परम्परा का वर्तमान में महत्वपूर्ण हिस्सा हो गया है।

## हरियाणा: नहर में गिरी कार, आठ की मौत, मोदी और सैनी ने जताया दुख

**कैथल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** हरियाणा में कैथल जिला के गांव मुंदडी के पास शनिवार को एक कार अनियंत्रित होकर सिरसा ब्रांच नहर में गिर गई जिसमें एक ही परिवार के आठ लोगों की डूबने से मौत हो गई जबकि एक बच्ची लापता है। मृतकों की पहचान गांव डीग निवासी चमेली (65), दर्शना (40), सुखविंद्र (28),

कोमल(17), वंदना (15), रिया (12), लवप्रीत (13) और रवनीत (06) के रूप में हुई है।

यह हादसा उस समय हुआ जब परिवार के सभी सदस्य कार में सवार होकर पुंडरी से कैथल की ओर आ रहे थे। तभी कार नहर में जा गिरी। कार चालक मौके से गाडी से कूद गया और उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंची और गोताखारों लापता बच्ची की तलाश कर रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हरियाणा के कैथल में हुआ सड़क हादसा हृदयविदारक है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

### पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर आरजेडी ने जताई गहरी नाराजगी

# हत्यारों को सख्त सजा देने की मांग

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज के मांझा गांव निवासी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जियाउद्दीन सिद्दीकी उर्फ बाबा सिद्दीकी की मुंबई में निर्मम हत्या कर दी गई।

इसे लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कड़े शब्दों में निंदा की है। राजद नेताओं ने महाराष्ट्र सरकार से इस हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को कठोर सजा देने की मांग की है।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष रेयाजुल हक राजू ने इस घटना को महाराष्ट्र की गिरती कानून व्यवस्था का उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और मेरी संवेदनाएं बाबा सिद्दीकी के परिवार के साथ हैं। इस घटना की पूरी जांच होनी चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

राजद जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने बाबा सिद्दीकी को नेकदिल इंसान बताया। उन्होंने कहा कि

उनका जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि गोपालगंज से मुंबई में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले बाबा सिद्दीकी का इस तरह जाना बेहद दुखद है। राजद परिवार इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ा है।

राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने भी इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया और महाराष्ट्र की एनडीए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण पाने में विफल साबित हो रही है। हत्यारों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

### बाबा सिद्दीकी की हत्या पर केंद्रीय मंत्री बोले–

## सरकार के लिए चिंता का विषय, सवाल उठ सकते हैं

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी अपने पैतृक आवास महकार गांव में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महाराष्ट्र में हुए बाबा सिद्दीकी की हत्या पर महाराष्ट्र सरकार को नसीहत दिया। उन्होंने कहा कि एनसीपी नेता की पॉश इलाके में हत्या महाराष्ट्र सरकार के लिए चिंतनीय विषय है। ऐसे मामले में सभी लोग सवाल उठा सकते हैं । उम्मीद है कि एनसीपी नेता की हत्या मामले में सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। वे जिंदादिल नेता थे। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर तेजस्वी यादव के बयान पर उन्होंने कहा कि एक सियार था। उसकी पूंछ कट गई थी। वह सबसे कहते चलता था कि पूंछ खराब चीज होती है। वैसे ही आज तेजस्वी यादव कह रहे हैं। 2005 से ही इनकी की पूंछ कटी है। ऐसा बयान देकर अपना कलंक धोना चाहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर उन्होंने कहा कि राजद शासनकाल में बिहार को जंगल राज कहा जाता था। आज वहीं याद कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आ रहा है। इसलिए राहुल गांधी महा जंगल राज कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां–जहां एनडीए की सरकार है। अगर वैसे राज्य में अपराधिक घटनाएं होती है तो सरकार सख्त कदम उठाती है। ताकि कोई दूसरा सर नहीं उठा पाए। अब वैसी बात नहीं है। आज बहुत अधिक जगहों पर सरकार को बदनाम करने के लिए भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। एनसीपी नेता हत्या कांड दुखद है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में त्वरित कार्रवाई हो रही है। उक्त मामले में दो की गिरफ्तारी भी हुई है।

### छपरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के वक्त बड़ा हादसा

# ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत, कई लोग घायल

छपरा (एजेंसियां)। सारण जिले के मकेर थानाक्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के बाद घर लौटने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। गंडक नदी के बांध पर ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान डीही गांव निवासी बच्चू राय के बेटे रंजीत कुमार (24) के रूप में हुई है। रंजीत अविवाहित था और गुजरात में ट्रक चालक का काम करता था। हादसे की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया और स्थानीय लोग सदमे में हैं।

जानकारी के मुताबिक, डीही गांव से सैकड़ों लोग ट्रैक्टर पर सवार होकर गंडक नदी के रेवाघाट पर दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन करने गए थे। विसर्जन के बाद लौटते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और बांध पर पलट गया। चश्मदीदों और घायलों ने बताया कि चालक ट्रैक्टर को तेज और लापरवाही से

चला रहा था, जिसके बावजूद कई बार मना करने पर भी उसने गति कम नहीं की।

वहीं, हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़कर उसकी पिटाई की, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया। इस हादसे में घायल लोगों में अजय कुमार, अमर कुमार, मुन्ना राय, पंकज कुमार, राहुल कुमार, अमरजीत कुमार और भूपेंद्र राय शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मकेर थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक रंजीत कुमार का बड़ा भाई भी दो महीने पहले एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था, जिसके बाद रंजीत घर आया हुआ था।

# आरा में दुर्गा पूजा पंडाल के पास बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग

### पूजा समिति के तीन सदस्य घायल

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर के आरा में रविवार अहले सुबह नवादा थानाक्षेत्र के मौलाबाग स्थित एसबी कॉलेज के पास उस वक्त अफरा–तफरी मच गई, जब हथियारबंद बदमाशों ने दुर्गा पूजा पंडाल के पास अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना में पूजा समिति के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान सुनील कुमार यादव (26), अरमान अंसारी (22)

और रोशन कुमार (24) के रूप में हुई है। सभी घायल मौलाबाग के पुष्प कला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के सदस्य हैं।

जानकारी के अनुसार, तीनों युवक पूजा पंडाल के पास कुर्सियों पर बैठे थे। उसी समय दो बाइकों पर सवार करीब छह बदमाश वहां पहुंचे और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में सुनील कुमार यादव को पेट और बांह में गोली लगी, जबकि अन्य दोनों भी बुरी तरह से घायल हो गए। फिलहाल गोलीबारी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, क्योंकि घायलों का कहना है कि उनका किसी के साथ कोई विवाद नहीं था।

घटना की सूचना मिलते ही आरा सदर के एएसपी परिचय कुमार और नवादा थानाध्यक्ष विपिन बिहारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर भारी संख्या में बल तैनात कर दिया है। पुलिस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान करने और उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी हुई है।

# भीषण हादसे में चार की मौत

### मेला देखकर लौट रहे थे छह युवक, दो बाइक के बीच आमने सामने की हुई टक्कर

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौत हो गई। वहीं दो युवकों की हालत गंभीर है।

इनका इलाज चल रहा है। यह हादसा शनिवार मध्य रात्रि को बिहटा सरमेरा एसएच 78 पर बढ़िया गांव के पास हुआ। बताया जाता है कि छह युवक दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेला देखने गए थे। वापस लौटते समय दोनों मोटरसाइकिलें आमने–सामने टकरा गईं। हादसा

इतना भीषण था कि चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने चारों युवकों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के अनुसार, दो बाइक के बीच टक्कर हुई थी। इसमें चार युवक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए हैं।

मरने वालों की पहचान शेखपुरा निवासी दिलीप कुमार के पुत्र राजन कुमार (22), सरमेरा थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर निवासी संजय केवट के पुत्र सोनू कुमार (21), गया जिला के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के धर्मोचक गांव निवासी जागेश्वर केवट के पुत्र बॉस कुमार (19) और शेखपुरा जिला निवासी राजकुमार पासवान के पुत्र शशि रंजन (35) के रूप में हुई है। घायलों को पटना रेफर किया गया है। वहीं थानेदार विकास कुमार यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच चल रही है। इधर, हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

### बेगूसराय में मेला देखने गई मासूम बच्ची से दरिंदगी

# दुष्कर्म के बाद खून से लथपथ मिली, अस्पताल में भर्ती

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय मेला देखने के लिए गई एक मासूम बच्ची से दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मासूम बच्ची को लहूलुहान अवस्था में पुलिस ने इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां इलाज चल रहा है। यह पूरा मामला चकिया थानाक्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बच्ची बीती रात अपनी सहेली के साथ मेला देखने के लिए आई थी। इस दौरान दरिंदे ने मासूम बच्ची को पकड़ लिया और खेत में ले जाकर उससे दरिंदगी की। हालांकि इस घटना के बाद मासूम बच्ची तड़पती रही, लेकिन दरिंदे ने रहम नहीं दिखाया। उसके बाद

किसी तरह बच्ची घायल अवस्था में उस जगह से भाग कर सड़क पर आई। चिल्लाने के बाद पुलिस की नजर बच्ची पर पड़ी। पुलिस ने आनन–फानन में इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बच्ची इलाजरत है।वहीं, इस घटना को लेकर सदर डीएसपी टू भास्कर रंजन ने बताया कि मेला देखने आई मासूम बच्ची को एक शख्स चॉकलेट के बहाने बुलाकर बहियार में ले गया। उसके बाद बच्ची से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच–पड़ताल में जुटी हुई है।

# एक लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार, पुलिस और एसटीएफ की टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

गया (एजेंसियां)। गया में पुलिस और एसटीएफ की विशेष टीम ने शनिवार को बड़ी कामयाबी हासिल कर एक लाख के इनामी नक्सली मुन्ना रवानी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी उर्फ मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आशीष भारती ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मुन्ना रवानी दर्जनों नक्सली घटनाओं में वांछित था और काफी समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया कि मुन्ना रवानी की गिरफ्तारी के लिए गया के मऊ थानाक्षेत्र के घिरसिंडी गांव में उसके घर पर छापेमारी की, जहां वह अपने परिवार से मिलने आया था। पुलिस की उपस्थिति

को भांपते ही मुन्ना भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस बल ने उसे खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले भी 22 अप्रैल 2024 को धनगाई थानाक्षेत्र के सिमरौवा गांव में उसे पकड़ने की कोशिश की गई थी, लेकिन तब वह पुलिस पर फायरिंग कर जंगल और पहाड़ों की आड़ लेकर फरार हो गया था।

जानकारी के मुताबिक, मुन्ना रवानी पर गया जिले के कई थानों, जैसे कोंच, शेरघाटी, टिकारी और नवादा जिले के रजौली थाना में नक्सली कांड दर्ज हैं। इन मामलों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने नक्सली दस्तावेज और कई खोखे भी बरामद किए हैं।

एसएसपी आशीष भारती ने कहा कि इस कुख्यात नक्सली की गिरफ्तारी से इलाके में नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। क्षेत्र में पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं, जिसके तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एरिया डॉमिनेशन से लेकर कई कार्रवाइयां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी से नक्सली गतिविधियों में कमी आने की संभावना है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करने में मदद मिलेगी।

### बिहार सरकार के अधिकारी की गाड़ी फूंकी, सीओ बोले-

# साजिश के तहत अपराधियों ने ऐसा किया

नालंदा (एजेंसियां)। विजयादशमी के शांतिपूर्ण समापन के बाद नालंदा जिले के कतरीसराय प्रखंड में एक चौंकाने वाली घटना हुई। शनिवार की देर रात, अंचल अधिकारी (सीओ) धीरज प्रकाश की निजी गाड़ी को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। यह घटना सीओ के सरकारी आवास के ठीक बाहर हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। हालांकि, तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थी। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

सीओ धीरज प्रकाश ने बताया कि यह एक सुनियोजित साजिश है। उन्होंने कहा, ''मेरी निजी गाड़ी पिछले चार दिनों से सरकारी आवास के बाहर खड़ी थी। यदि स्थानीय लोगों

की तत्परता नहीं होती, तो यह घटना और भी भयावह रूप ले सकती थी।'' उन्होंने यह भी बताया कि वे जमीन विवाद से जुड़े मामलों को देख रहे थे, जिसमें रोजाना किसी न किसी से विवाद होता रहता है।

कतरीसराय थाना प्रभारी सत्यम तिवारी ने बताया कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह घटना स्थानीय थाने से मात्र 200 फीट की दूरी पर हुई है। इसने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्रखंड मुख्यालय में जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगे होने और अंचल गार्ड की मौजूदगी के बावजूद इस तरह की घटना का होना चिंता का विषय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com